



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5] नई विलो, सानिवार, फरवरी 2, 1985 (माघ 13, 1906)
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 2, 1985 (MAGAHA 13, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

भाग I—बाट 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्त मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकलनों और अधिकारियों द्वारा आदेतों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएँ

भाग I—बाट 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्त मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएँ

भाग I—बाट 3—रक्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकलनों और असाधिकारियों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएँ

भाग I—बाट 4—रक्त मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएँ

भाग II—बाट 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम

भाग II—बाट 1—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिस्सी भाग में प्राप्तिकृत पाठ

भाग II—बाट 2—विवेदक तथा विवेदकों पर प्रबन्ध समितियों के विव तथा रिपोर्ट

भाग II—बाट 3—उप-बाट (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्त मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ सासित बोर्डों के ब्राह्माण्डों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक विनियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियों आदि भी शामिल हैं)

भाग II—बाट 3—उप-बाट (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्त मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ सासित बोर्डों के प्राकासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और उपलब्धियों आदि सूचनाएँ

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग II—बाट 3—बाट (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्त मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकारणों (संघ सासित बोर्डों के प्राकासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेतों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपलब्धियों भी शामिल हैं) के हिस्सी में प्राप्तिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के बाट 3 या बाट 4 में प्रकाशित होते हैं)

97

121

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

भाग II—बाट 3—बाट 4—रक्त मंत्रालय द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ और नोटिस शामिल हैं

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

CONTENTS

PAGE	PAGE		
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .	97	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including by-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) .. .	366 1
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) .. .	121	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence .. .	16
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence .. .	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .	131
PART I—SECTION 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence .. .	123	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta .. .	581
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations .. .	—	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations .. .	—	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .	—
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills .. .	—	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .	—
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (i)—General Statutory Rules (including orders, by-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. .	—	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi .. .	—
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) .. .	—		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी भी गई विधितर मियर्सों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

तर्फ विलीनी, विनाक 26 जनवरी 1981

सं १—प्रेज/८५—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्यकों को उनकी प्रसाकारण कर्तव्यपरायणता या साहस के कार्यों के लिए “सेना मैडल”/“प्रार्थी मैडल” प्रदान करने का सहृष्ट अनुमोदन करते हैं :—

सेना मैडल

१. मेजर दस्तीप सिंह (प्राई० सी०-18884) जाट
२. मेजर प्रेम धर्म (प्राई० सी०-21802) कीर्ति चक्र, बी० एम० एम०, शोगरा
३. मेजर महावीर सिंह बलहारा (प्राई० सी०-24568), बिहार
४. मेजर प्रजित कमल (प्राई० सी० 32150) राज, राइफल्स
५. कैप्टन प्रेम चक्र (प्राई० सी० 31126) जम्मू-कश्मीर राइफल्स
६. कैप्टन कंवर विजय सिंह लालोता (प्राई० सी० 27962), 11 गोरखा राइफल्स
७. कैप्टन वीरेन्द्र कुमार शर्मा (प्राई० सी०-27970) जम्मू-कश्मीर राइफल्स
८. कैप्टन राजेन्द्र सिंह (प्राई० सी०-34567), गढ़वाल राइफल्स
९. कैप्टन प्रभुजुन सिंह तंती (प्राई० सी०-30011), 1 गोरखा राइफल्स
१०. कैप्टन रघुनाथ रामास्वामी घण्टेगर (प्राई० सी०-26357) ए० ओ० सी०
११. कैप्टन रमेश चन्द्र पटियाल (प्राई० सी०-31429), 11 गोरखा राइफल्स
१२. कैप्टन ग्रतुल विक्रम श्रीकान्त गुप्ता (एम० भार-8747) ए० एम० सी०
१३. कैप्टन मुताकी राम कोटेश्वर राव (एम० एस० ९६९९) ए० एम० सी०
१४. सैकिंड लैफिल्नेट राकेश कुमार शर्मा (प्राई० सी० 35188) (जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फॉर्ट्री)
१५. सैकिंड लैफिल्नेट भाल सिंह (एस० एस० 28900), 3 गोरखा राइफल्स
१६. जे० सी० 67668 सूबेदार पीतम सिंह, जाट
१७. जे० सी० 62253 नायक सूबेदार गोपी लाल लिम्बू, प्रसम राइफल्स
१८. जे० सी० 78612 नायक सूबेदार रिंगिम नामग्नाल, लालखा स्काउट्स
१९. जे० सी० 86899 नायक सूबेदार कृष्ण सिंह रावत, गढ़वाल राइफल्स
२०. जे० सी० एन० वाई० ए० 1320298 नायक सूबेदार वीरस्वामी कपैया, इंडीनियर्स
२१. 13602002 कमानी हृष्णदार मेजर पूरस चन्द्र, परा
२२. 4044225 हृष्णदार जीत सिंह, गढ़वाल राइफल्स
२३. 47414 हृष्णदार जसवीर सरकी, प्रसम राइफल्स
२४. 2756953 लास हृष्णदार राम राव साहू लाम्पे, एम० एस० प्राई०
२५. 3159694 नायक जशे सिंह, जाट
२६. 2863369 नायक जगराम सिंह, राज, राइफल्स
२७. 1458616 लास नायक गरीब सिंह, इंडीनियर्स

28. 4344803 लास नायक चुरा बहादुर, प्रसम

29. 5745491 लास नायक शेर बहादुर रामा, 8 गोरखा राइफल्स

30. 4162259 लास नायक राम सिंह, कुमाऊँ

31. 5843794 राइफलमैन मोती लाल छेंटी, 9 गोरखा राइफल्स (पर्याप्तरात)

32. 13736724 राइफलमैन धंवल सिंह, जम्मू-कश्मीर राइफल्स

33. 4254508 सिपाही मजिस्टर सिंह, बिहार

34. 9921405 सिपाही छेरिंग मरवू, लालखा स्काउट्स

35. 59245 सहायक योहर ताली बांधू, स्पापना 22, एस० एफ० एफ०

सं १ (ए)—प्रेज/८५—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्ति को उनकी प्रसाकारण कर्तव्यपरायणता या साहस के कार्यों के लिए “सेना मैडल”/“प्रार्थी मैडल” प्रदान करने का सहृष्ट अनुमोदन करते हैं :—

१. 5840308 हृष्णदार निमा शोरजी शेरपा, कीर्ति चक्र, एस० एम०, 3 गोरखा राइफल्स

दिनांक 26 जनवरी 1982

सं २—प्रेज/८५—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्यकों को उनकी प्रसाकारण कर्तव्यपरायणता या साहस के कार्यों के लिए “सेना मैडल”/“प्रार्थी मैडल” प्रदान करने का सहृष्ट अनुमोदन करते हैं :—

१. मेजर कुलदीप सिंह कहलों (प्राई० सी०-18814) दोपचामा
२. मेजर कंवर हेम सिंह शेखावत (प्राई० सी०-19288) परा
३. मेजर विक्रम कुमार जैली (प्राई० सी०-32044) कुमाऊँ
४. मेजर प्रतीम सिंह भंडराल (प्राई० सी०-17740) मराठा लाई इन्फॉर्ट्री
५. मेजर भूमिकर सिंह मसिक (प्राई० सी० 23159), जाट
६. कैप्टन राजीव सिंह जामवाल (प्राई० सी० 33499) राजपूत
७. कैप्टन जगवीर सिंह तुरी (प्राई० सी० 21011) सेना ग्राम्य कोर
८. कैप्टन एटनी रोये (प्राई० सी०-31233) इंडीनियर्स
९. कैप्टन जगदीप राज शर्मा (प्राई० सी०-33476 एफ०) सिंह लाई इन्फॉर्ट्री
१०. कैप्टन बिलीरेटी नारायणभट्ट महावीर प्रसाद (एम० एस० 10105), ए० एम० सी०
११. लैफिल्नेट ग्रजय आमद्वारा (प्राई० सी०-35008), इंडीनियर्स
१२. सैकिंड लैफिल्नेट शोम प्रकाश (प्राई० सी०-38424) गोरखा राइफल्स
१३. जे० सी० 83832 सूबेदार केशर सिंह, कुमाऊँ
१४. जे० सी० 86456 सूबेदार दल बहादुर गुरेंग, गोरखा राइफल्स
१५. जे० सी० 88101 सूबेदार देव राज शर्मा, शोगरा रेजिमेंट
१६. जे० सी० 36246 सूबेदार मुख्येव सिंह, इंडीनियर्स
१७. जे० सी० 73044 सूबेदार रंगीत सिंह, सिंह लाई इन्फॉर्ट्री
१८. जे० सी० एन० वाई० ए० (1329985) नायक सूबेदार बैद्यत वाजा-हृष्णन, इंडीनियर्स

19. 3148447 नायब सूबेदार राम किशन इका, जाट
 20. 7104944 हृवलदार मेजर भरवन सिंह गिल, ई०एम०ई०
 21. 3962480 हृवलदार विनोद कुमार, डोगरा रेजिमेंट
 22. 4050811 हृवलदार कलम सिंह बिल्ट, गढ़वाल राइफल्स
 23. 7050672 हृवलदार मेहंगा सिंह, ई०एम०ई०
 24. 5337883—ए हृवलदार ई०के० प्रसाद राणा, चतुर्थ गोरखा राइफल्स
 25. 13729184 लांस हृवलदार हंस राज, अमू—कश्मीर राइफल्स
 26. 2453433 लांस हृवलदार हुपाल सिंह, पंजाब
 27. 4152477 लांस हृवलदार नारायण सिंह, कुमाऊं
 28. 73025 नायक चन्द बहानुर राय, भ्रसम राइफल्स
 29. 4052105 नायक भोहन सिंह, गढ़वाल राइफल्स
 30. 150524 नायक घन बहानुर पुन, भ्रसम राइफल्स
 31. 1444895 नायक नजर सिंह, इंडिनियर्स
 32. 13662992 नायक रामेश्वर बास, गाईस
 33. 2758779 नायक शंकर दौलत मुले, मराठा लाईट इंफैट्री
 34. 1355382 लांस नायक कोचा सुधैर कुट्टी, इंडिनियर्स
 35. 2960744 लांस नायक ठाकर सिंह, राजपूत
 36. 72877 लांस नायक जगत बहानुर तरंग, भ्रसम राइफल्स
 37. 2571045 सिपाही अश्वामलाई, मद्रास
 38. 14526009 सिपाही रम्पौर सिंह, ई०एम०ई०
 39. 3166821 सिपाही रूप चान्द दिवाल, बाट
 40. 4546177 सिपाही म्याम सिंह, महार
 41. 9214015 सिपाही जगतार सिंह, महार
 42. 1546149 सैपर रब लक्षण हनुमंत, इंडिनियर्स
 43. 13738281 राइफलमैन भोहम्मद रघीव, अमू—कश्मीर राइफल्स
 44. 13731128 राइफलमैन कारपेंटर नेक राम, अमू—कश्मीर राइफल्स
 45. 1326902 सैपर कृष्ण बासुवेन सहजन, इंडिनियर्स
 46. 5343331 राइफल्स मैन वरम बहानुर गुरुण, गोरखा राइफल्स
 47. 2574253 सिपाही भक्तवत्सल दोरेस्वामी नायरु, मद्रास

शिलांग 26 जनवरी 1983

सं० 3—प्रैज़/८३—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्यिकों को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता या साहस के कार्यों के लिए “सेना मैडल”/“भार्मी बैडल” प्रदान करने का सहर्ष भन्नुमोदन करते हैं:—

1. ले० कर्नल यणपाल भाटिया (आई०सी०-20391) राजपूताना राइफल्स
2. ले० कर्नल नारायण चटर्जी (आई०सी०-15543) आर्टिलरी
3. मेजर कमलेश पांडे (आई०सी०-19068), भार्टिलरी
4. मेजर तिवेन्द्र सिंह रजवाड़ (आई०सी०-23738), गढ़वाल राइफल्स
5. मेजर विजय कुमार दत्त (आई०सी०-29732), गोरखा राइफल्स
6. फैटन सत्यनन्द सिंह गिल (एस० एस०-29040), गढ़वाल राइफल्स
7. फैटन छोटू राम (आई०सी०-32053) भ्रसम राइफल्स
8. फैटन मानिक सभरवाल (आई०सी०-34015), इंडिनियर्स
9. सेकिंड लेपिट० जयेत भार वैड्से (आई०सी०-36322), राजपूताना राइफल्स
10. सेकिंड लेपिट० प्रेम प्रकाश, (आई०सी०-40315), महार
11. सेकिंड लेपिट० पंकज अवस्थी (आई०सी०-40348), वैराष्ट्र
12. जे०सी० 38900 सूबेदार यशवन्त सांचंत, महार
13. जे०सी०-79232 सूबेदार एम० भुष्यस्थामी, इंडिनियर्स
14. एन० वाई०ए०-3363330 नायक सूबेदार अवस्थार सिंह, सिंध
15. एन० वाई०ए०-4041714 नायब सूबेदार रद्द सिंह, गढ़वाल राइफल्स
16. जे०सी०-89457 सूबेदार रतन चन्द शर्मा, सिंगलप्प
17. 2453862 हृवलदार सोहन सिंह, पंजाब
18. 5442591 हृवलदार मंगू पिंड मल्ल, गोरखा राइफल्स
19. 2647145 हृवलदार भोहम्मद हृषीक, इंडिनियर्स
20. 3965793 हृवलदार जालम सिंह, बैंगरा
21. 4049123 हृवलदार भगत सिंह, गढ़वाल राइफल्स

22. 1565066 हृवलदार भ्रसम जाधव, इंडिनियर्स
 23. 6318349 हृवलदार पायस हैरी, सिंगलप्प
 24. 2862100 लांस/हृवलदार ध्वंश सिंह, राजपूताना राइफल्स
 25. 4050043 नायक भीमसिंह कैनथूरा, गढ़वाल राइफल्स
 26. 4053135 नायक बीरेन्द्र सिंह, गढ़वाल राइफल्स
 27. 1403371 नायक महावेद जोशी, इंडिनियर्स
 28. 144079 नायक किशोर सिंह कीशल, इंडिनियर्स
 29. 1524122 नायक प्रताप सिंह, इंडिनियर्स
 30. 9920318 नायक मोहम्मद हुसेन, लद्दाख स्काउट
 31. 4250848 लांस नायक कमलवेद सिंह, बिहार
 32. 2463752 लांस नायक लखा सिंह, पंजाब
 33. 5446291 लांस नायक सुदार सिंह घाया, गोरखा राइफल्स
 34. 9214742 लांस नायक बानुधर बोरा, भरहर
 35. 2767100 लांस नायक सबराव सत्तू भोली, मराठा लाईट इंफैट्री
 36. 1566254 लांस नायक राजाराम कदम, इंडिनियर्स
 37. 2872646 राइफलमैन गजेन्द्र सिंह शेखावत, राजपूताना राइफल्स
 38. 4256842 सिपाही यशुनाथ प्रसाद, बिहार (मरणोपरात)
 39. 2689629 गिरेन्द्रियर भासेवर धर्मी, गिरेन्द्रियर्स
 40. 731110142 सब इंसेक्टर पुखातो सेमा, सीमा सुरक्षा बल
 41. 73111044 हेव कास्टेल विहीरी सेमा, सीमा सुरक्षा बल
 42. 5341545 लांस नायक गोपाल बापा, गोरखा राइफल्स

सं० 4—प्रैज़/85—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्यिकों को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता या साहस के कार्यों के लिए, “सेना मैडल”/“भार्मी बैडल” प्रदान करने का सहर्ष भन्नुमोदन करते हैं:—

1. कमांडर बलजीत सिंह बरार (60090-टी) भारतीय नीसेना
2. सर्जन लेपिटेनेंट कमांडर सलीम जोसेफ बासर (75142 ए) भारतीय नीसेना
3. लेपिटेनेंट कमांडर कुलबल सिंह समरा (01219-इल्यू) भारतीय नीसेना
4. लेपिटेनेंट कमांडर देवेन्द्र कुमार चन्द्रानी (01269-एच) भारतीय नीसेना
5. लेपिटेनेंट शेखर कुमार सिंहा (01480 एन), भारतीय नीसेना
6. लेपिटेनेंट जीवन भाहापाल (01960-टी) भारतीय नीसेना
7. मलयारंजन भाहापाल, मुख्य विद्युत आर्टीफिसर (बायु) (051957-के) भारतीय
8. गोविन्द विड्ल राव शिरसत, मुख्य विमान आर्टीफिसर (094983-वाई) भारतीय नीसेना
9. जसपाल सिंह सीनी, पेटी अफसर चिकित्सा सहायक (059233-वाई), भारतीय नीसेना
10. कमांडर भ्रामक कुमार भेहता (00678-के), भारतीय नीसेना
11. कमांडर भनगाईन बयासोमब्रोन मुरेश (00732-एन), भारतीय नीसेना
12. लेपिटेनेंट कमांडर प्रबिलेस्वर दयाल माधुर (00800-एन), भारतीय नीसेना
13. लेपिटेनेंट कमांडर कुलबीप सिंह रंगाना (01189-ए) भारतीय नीसेना
14. लेपिटेनेंट कमांडर भ्रामक भ्रजय हेमत चिटानिस (01208-इल्यू) भारतीय नीसेना

सं० 5—प्रैज़/85—राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्यिकों को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता या साहस के कार्यों के लिए “बायुसेना मैडल”/एयर फोर्स मैडल” प्रदान करने का सहर्ष भन्नुमोदन करते हैं:—

1. प्रप कैप्टन विष्णु भारायण जोहरी, बीर चक (5676) उडान (पायलट)
2. प्रप कैप्टन पुरेश कुमार बहल (6786) उडान (पायलट)
3. विंग कमांडर वर्णन सिंह बसरा (6519), उडान (पायलट)
4. विंग कमांडर भ्रमत माल भेहता (8146), उडान (पायलट)

८. विल कमोडर सुमार भारत मित्रता (8377), उडान (पायलट)
 ९. स्क्वाइन लीडर चम्पनी नाम सेव (10124), उडान (पायलट);
 १०. स्क्वाइन लीडर प्रफल्ट भुमार मनोहर बेंसिकर (10126) उडान (पायलट)
 ११. स्क्वाइन लीडर विलोव कुमार बर्मा (10462), उडान (पायलट)
 १२. स्क्वाइन लीडर विलोव कुमार बर्मा (11638) उडान (पायलट)
 १३. ४००२२७ मास्टर चम्पनी प्रफल्ट आमोन वैट्रिक, प्लाइट इंजीनियर
 १४. २२१६१८ चार्टर्ड प्रफल्ट चम्पनी गोपाल शुक्ला, प्लाइट इंजीनियर
- दिनांक 15 जनवरी 1985

सं० ६-प्रेज/85—राष्ट्रपति गुजरात पुलिस के निम्नांकित प्रधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

प्रधिकारियों के नाम तथा पद

- श्री भारत भारत देसाई,
पुलिस उप-प्रधीकरक,
- सौ. भारत भी. (सी० एच भारत)
भारतवाचाद।
- श्री पी. एम० विसेन,
निरीक्षक,
- सौ. भारत भी. (सी० एच भारत)
भारतवाचाद।

विवादों का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

४ अक्टूबर, 1981, को श्री भारत भारत देसाई, पुलिस उप-प्रधीकरक, और भी. (सी० एच० भी०) भुष्ट अन्य सिपाहियों सहित राजवार्ष वर उत्तरा छहर बांगे से संबंधित एक मामले की प्रांच कर रहे थे। श्री विसेन ने गुप्तकरण होटल में ०. ३०३ राइफल लिए हुए एक अधिकत छोड़ा। श्री विसेन ने उस अधिकत को राइफल का लाइसेंस पेश करने को कहा अपेक्षित एक नायरिक के पास इसका हीना प्राधिकृत नहीं था। उसमें स्वीकारात्मक उत्तर दिया। किन्तु पुलिस व्यविधारी को लाइसेंस दिखाने की वजाय उत्तर स्वान से भागने की कोशिश की। श्री देसाई और श्री विसेन ने उसका किया तथा उसको एक दूसरे में संबंध हो गए। अपने को छुड़ाने के अपराध में अपराधी ने श्री विसेन पर अपनी कृपाण से हमला किया जिसके कालस्वरूप, वह गिर पड़े। जबकी होने पर भी श्री विसेन में अपराधी को जाने नहीं दिया। अपराधी सहायता के लिए चिल्हाया और तत्काल ७-८ अधिक छक्के पास दाया गए। उन सभी ने श्री विसेन पर भाक्षण करना शुरू कर दिया। श्री देसाई और श्री विसेन को बचाने की कोशिश की किन्तु वे श्री इस कार्रवाई में जबकी हो गए। हाथापाई के दोरान वह अपराधी विसेन के पास ०. ३०३ राइफल वी राजमार्ग पर खड़े दूसरों में से एक की तरफ बचाकर भाव भया। श्री देसाई और श्री विसेन ने उसका दीक्षा किया और दूसरों के टायरों की हुथा निकाल कर उसके भाव जाने के प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाव दूसरे संघात जी दी जी २७४ की प्रांच किए जाने पर तीन अपराधियों को पहचान दिया गया और गिरफतार कर दिया गया। जिस अपराधी के पास ०. ३०३ राइफल वी उसकी बाव में स्वर्ण सिंह के रूप में पहचान की गई। दूसरे और तीसरे सूबा राइफल, एक तमंचा और कारतूस बरामद किए गए। जांच करने पर यह बाला कि सभी अधिकृत तरण-तारण (पंजाब) से करार थे और उनका मृत्युमृत्यु के दीरान हुए अपराधी में उनकी तलाश थी।

अपराधियों को पकड़ने में, श्री भारत भारत देसाई, पुलिस उप-प्रधीकरक और भी. (सी० एच० विसेन, निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि भी कर्तव्यपरायनता का परिचय दिया।

ऐ पदक पुलिस पदक नियमाला के नियम ४ (१) के प्रत्यर्थी वीरता के लिए पदक दिए जा रहे हैं तथा कलस्वरूप नियम ५ के प्रत्यर्थी विशेष स्वीकृत भवा भी विनांक १६ जून, 1983 से दिया जाएगा।

सं० ७-प्रेज/85—राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित प्रधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

प्रधिकारियों के नाम तथा पद

- श्री रामानन्द,
- पुलिस उप-प्रधीकरक,
- जिला भूजपकरनगर।
- श्री भवेन्द्रपाल सिंह,
- पुलिस उप-निरीक्षक,
- जिला भूजपकरनगर।
- श्री विनोद कुमार शर्मा,
- पुलिस उप-निरीक्षक,
- जिला भूजपकरनगर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

१६ जून, 1983, को याता नई मण्डी के पुलिस निरीक्षक को सूचना मिली कि नई मण्डी, भूजपकरनगर के ग्रोरियस्ट बैंक बाक कोर्सर को लूट लिया गया। निरीक्षक और उसका स्टाफ तुरस्त घटनास्थल पर पहुंचा और डाकुओं का पीछा किया। बैंक कर्मचारियों की सहायता से दो अपराधियों पर काबू पा लिया। दो रिवाल्वर, बड़ी मात्रा में गोलियां और एक मोटर सार्किल सहित डाकुओं द्वारा लूटी गई ३. २५ लाख रुपए की बनरायिं बरामद कर ली गई। बैंक कर्मचारियों ने बताया कि २-३ और डाकू और नकादी लेकर स्कूटर सेवा एच० भारत इ० ६३३७ पर सवार होकर भाग गए। उसी दिन मध्याह्न लगभग १. २० बजे सूचना प्राप्त होते ही श्री रामानन्द, पुलिस उप-प्रधीकरक, श्री भवेन्द्रपाल सिंह, उप-निरीक्षक, श्री विनोद कुमार शर्मा, उप-निरीक्षक तथा कुछ उन्हें पुलिस कार्मिकों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। गिरफतार किए गए डाकुओं से भागे हुए डाकुओं के छिपने के स्थान के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस दल उस स्थान की ओर बढ़ा और उस भवन को बेर लिया। गंभीर खतरे के बावजूद पुलिस दल ने जिस कमरे में डाकू छिपे हुए थे उसमें भुग्ने के लिए सीढ़ियों के रास्ते घड़ना शुरू किया। जब पुलिस दल सीढ़ियों के मध्य में ही था तो डाकुओं ने कमरे के प्रवर्द्ध से गोली चलाता शुरू कर दिया। पुलिस दल ने नीची बीचार की ओर लैकर जावा में गोलीबारी की जिसके परिणामस्वरूप दो डाकू गिर पड़े और घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। तलाशी लेने पर उनसे लूटी गई ३. १० लाख रुपए की शेष तक राशि, दो रिवाल्वर, और कुछ गोलीबारूद बरामद की गई। डाकुओं को बाव में पहचान करने पर मालूम हुआ कि वे मेरठ जहार के सुधोध और राजू थे। गिरफतार किए गए डाकुओं से पूछताछ किए जाने पर यह मालूम हुआ कि गिरोह ने पहले भी मेरठ जहार के एक बैंक से १. ९० लाख रुपए की राशि लूटी थी।

इस मुठभेड़ में, श्री रामानन्द, उप-प्रधीकरक, श्री भवेन्द्रपाल गिर हौर, श्री विनोद कुमार शर्मा, उप-निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायनता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमाला के नियम ४ (१) के प्रत्यर्थी वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा कलस्वरूप नियम ५ के प्रत्यर्थी विशेष स्वीकृत भवा भी विनांक १६ जून, 1983 से दिया जाएगा।

सं० ८-प्रेज/85—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित प्रधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

प्रधिकारियों के नाम तथा पद

- श्री बहु बत सिंह,
- सहायक उप-निरीक्षक,
- बाला मुरारपुर,
- जिला नालनदा।
- श्री इसरार बां,
- कास्टेल ३२०,
- बाला मुरारपुर,
- जिला नालनदा।

(मरणोपरात)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

23 मार्च, 1984 की शाम को, श्री ब्रह्म दत्त सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, श्री इसरार खां, कांटेल न और अन्य नालन्दा जिले में थाना सुरारपुर के अन्तर्गत मोहल्ला खानकाह में शही ड्यूटी पर थे। उन्हें सूचना मिली कि खानकाह मोहल्ले में नजदीक के एक दुकान में एक कुछात डाकू बरका मातिन बैठा था और अपने साथियों के साथ ताड़ी थी रहा था। बरका मातिन एक खतरनाक अपराधी था जिसने क्षेत्र में आत्मन उत्पन्न कर रखा था और अनेक अपराध किए थे। श्री ब्रह्म दत्त सिंह के नेतृत्व में पुलिस दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचा। कांस्टेबल इसरार खां ने बरका मातिन को पहचान लिया और उसे गिरफ्तार करने की कोशिश की। लेकिन बरका मातिन ने तुरन्त रिवाल्वर निकाली और श्री इसरार खां पर गोली चलायी। सिर में गोली लगने के कारण श्री इसरार खां गम्भीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। तब श्री ब्रह्म दत्त सिंह के नेतृत्व वाले पुलिस दल और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। नायब कांस्टेबल इसरार खां को पटना में डिक्टेशन अस्पताल भेजा गया जहां उनकी नृत्य हो गई। श्री ब्रह्म दत्त सिंह ने अपराधी को पीछा किया और अपने रिवाल्वर से चार गोलियां चलायी जो बरका मातिन को लगी। जल्दी होने के बावजूद वह भीड़ में मिलकर भगवने में सफल हो गया। जल्दी अपराधी बरका मातिन का पता लगाने के लिए गठन घानबीन की गयी। 24 मार्च, 1984 की सुबह, श्री ब्रह्म दत्त सिंह जब्ते थपराधी का पता लगाने और गिरफ्तार करने में सफल हो गए और उसे अद्भुत स्थिति में थाने लाए। तेजी से खून बहने के कारण बरका मातिन की बाद में मृत्यु हो गयी। कुछात डाकू बरका मातिन के सर्व-नाश का उस क्षेत्र के नोगोद्वारा व्यापक रूप से स्वागत किया गया।

श्री ब्रह्म दत्त सिंह, सहायक उप-निरीक्षक और श्री इसरार खां, कांस्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 23 मार्च, 1984 से दिया जाएगा।

सं० 9—प्र०/85—राष्ट्रपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक मर्हर्ष प्रदान करते हैं—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री जाले सिंह,
पुलिस निरीक्षक,
थाना अधिकारी,
थाना कोतवाली,
शीर्णगांवगढ़ (राजस्थान)।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

12 मई, 1984, को रात्रि के लगभग 9.25 बजे, श्री जाले सिंह, पुलिस निरीक्षक, को सूचना मिली कि चार सिख युवकों ने, श्री हजुरा मिह, कांस्टेबल, सीमा होम गाड़ जो श्री गंगानगर रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर थे, से पिस्तौल दिखाकर, .303 की राइफल छीन ली। घटनास्थल पर पहुंच कर, श्री जाले सिंह, थाना कोतवाली ने अन्य कमान्यों सहित तुरन्त अपराधियों की खोज आरम्भ कर दी। श्री जाले सिंह यह जानते थे कि राइफल छीनने वाले अभियुक्त द्वारा उस पर गांवी चलाने से उसकी मृत्यु हो गई थी। खोज कर रहे पुलिस दल को अपने पास पाकर, अभियुक्त ने 7.65 बोर की पिस्तौल से उस पर गोली चलाई। सीमान्यवज गोली किसी को नहीं लगी। अपनी कार्यवाही को जारी रखते हुए, श्री जाले सिंह ने अपराधी को 4 चालू कारतूसों से भरी 7.65 बोर की पिस्तौल सहित गिरफ्तार कर लिया और .303 की राइफल भी उससे छीन ली। पूछपाल से नालूम हुआ कि अपराधी का नाम दरबारा सिंह पुलिसुर्सिंह और जिला फिरोजपुर, पंजाब का एक जाट सिख था, जो भारतीय सेना की सिख रेजिमेंट में सिपाही के रूप में सेवा कर रहा था और जानबूझ कर ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के कारण उसका कोई मार्गत करने के बाद उसे सेना से निकाल दिया गया था। सेना से निकाले जाने के बाद, वह अपराधियों के एक गिरोह में शामिल हो गया था। उसने शराब की 3 दुकानें, 2 पैट्रोल पम्प, एक बैंक दूने और गुलाबपुरा में दो व्यक्तियों की हत्या करने का अपराध

किया। इस आपाराधिक मिरोह के सदस्यों को पकड़ने वाले अधिकारी, राजस्थान पुलिस ने एक लाजू देते कि नकद पुरस्कार देने की विषयाओं की थी।

25 अप्रैल, 1984 को कालियां गांव स्थित स्टेट बैंक अधिकारी द्वारा जयपुर थाना में हुई डकैती में, श्री जाले सिंह, पुलिस निरीक्षक, ने डाकुओं द्वारा प्रयोग किए गए हथियारों की बरामदगी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

श्री जाले सिंह, पुलिस निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, अनुकरणीय साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 12 मई, 1984 से दिया जाएगा।

दिनांक 26 जनवरी, 1985

सं० 10—प्र०/85—राष्ट्रपति, 1985 के गणतंत्र दिवस के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए अग्रिमशमन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री के० कुमारस्वामी,
फायरमैन,
तमिलनाडु।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 2 मार्च, 1984)।

2 मार्च, 1984, को लगभग 14.30 बजे कुञ्जीतुरई अग्रिम-शमन केन्द्र में सहायता के लिए पुकार सुनकर यूनिट तुरन्त तैयार हुई। घटनास्थल पर पहुंचने पर पता लगा कि नये खोदे गए कुएं में भूस्खलन हो गया था और उसमें दो व्यक्ति फंस गए थे। उन्हें बचाने के लिए दो और मजदूर कुएं में गए थे, परन्तु दुर्भाग्यवश एक और भूस्खलन हो गया और दो व्यक्ति भी दबे गए। इन चारों में से एक व्यक्ति किसी तरह बच निकला। घटनास्थल पर पहुंचते ही फायरमैन के० कुमारस्वामी अपनी जान को भारी खतरा होने के बावजूद, एक रस्सी के सहारे कुएं में घुस गए और तीन फसे हुए व्यक्तियों में से एक व्यक्ति श्री अम्बोस को बचा लिया। श्री अम्बोस को अस्पताल ले जाया गया, परन्तु रास्ते में उसकी मृत्यु हो गई। इस कार्य में श्री के० कुमारस्वामी काफी थक गए थे और उन्हें उठाकर कुएं से बाहर निकाला गया। एक अन्य फायरमैन को कुएं में भेजा गया, परन्तु वह रेत नहीं हटा सका और किसी व्यक्ति को न बचा सका। इसालिए, बचाव कार्य के लिए श्री कुमारस्वामी को दुबारा कुएं में भेजा गया। जब वे बचाव कार्य कर रहे थे तो दुर्भाग्य से एक और भूस्खलन हुआ और श्री कुमारस्वामी भी उसमें फंस गए। फिर भी, उन्हें एक रस्सी के सहारे बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया।

इस कार्यवाही में फायरमैन के० कुमारस्वामी ने अनुकरणीय साहस, पहल तथा उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक अग्रिमशमन सेवा से संबंधित नियमों के नियम 3(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है और फलस्वरूप नियम 5(k) के अन्तर्गत स्वीकृत आर्थिक भत्ता भी पुरस्कार की प्रभावी तिथि से दिया जाएगा।

सं० 11—प्रेज़/85—राष्ट्रपति, गणतन्त्र दिवस, 1985 के अवसर पर, निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए अनिश्चयन सेवा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

श्री अमूल्य चन्द्र महर्त्ता,
स्टेशन अफसर,
असम।

श्री चेन्नाबत्तिनी सत्यनारायणन,
इंजीनियर-संबंध अफसर,
आनंद प्रदेश।

श्री पक्की नरमिह राव,
स्टेशन फायर अफसर,
आनंद प्रदेश।

श्री मोहम्मद गुस्फुद्दीन,
लीडिंग फायरमैन,
आनंद प्रदेश।

श्री अंडव साहू,
अमिस्टेंट फायर अफसर,
उड़ीसा।

श्री नारायण सामंत्रय,
लीडिंग फायरमैन,
उड़ीसा।

श्री तुलसी राम,
फायरमैन,
हिमाचल प्रदेश।

श्री गिर्वमुतु रामास्वामी,
स्टेशन फायर अफसर,
तमिलनाडु।

श्री माणिक्यम पिल्लै वडीवेलु,
लीडिंग फायरमैन,
तमिलनाडु।

श्री गोपाल बलरामन,
लीडिंग फायरमैन,
तमिलनाडु।

श्री चिन्मयन मटराजन,
लीडिंग फायरमैन,
तमिलनाडु।

श्री कादुम्बड़ी इलुमलाई,
ड्राईवर मेकेनिक,
तमिलनाडु।

श्री एन्थ नी सूरीम् तु,
फायरमैन ड्राईवर,
तमिलनाडु।

श्री मारुति पिल्लै सेगमलम,
फायरमैन,
तमिलनाडु।

श्री सतानम विलियम्स,
फायरमैन,
तमिलनाडु।

श्री मलिका पत्तापुरायिल कुन्हा कण्णन नर्मित्यार,
अमिस्टेंट स्टेशन अफसर,
केरल।

श्री माधवन पुरपोत्तमन,
लीडिंग फायरमैन,
केरल।

श्री गीवर्गीज जान,
फायरमैन ड्राईवर-व-पम्प आपरेटर,
केरल।

ये पदक अनिश्चयन सेवा पदक ने मबहिर नियमों के नियम 3(iv) के अन्तर्गत प्रदान किए जा रहे हैं।

सं० 12—प्रेज़/85—राष्ट्रपति, गणतन्त्र दिवस, 1985 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं —

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री दामोदर मिह्र,
जिला कमांडेट,
गृह रक्षक,
चिह्नार।

एयर कोमोडोर एन्जलो रिजनाल्ड लोबो,
उप महानिवेश (नागरिक सुरक्षा),
गृह मंत्रालय,
नई दिल्ली।

यह पदक राष्ट्रपति ने गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक के नियमावली के नियम 3(iv) के अन्तर्गत प्रदान किया जा रहा है।

म० 13—प्रेज़/85—राष्ट्रपति, गणतन्त्र दिवस, 1985 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

श्री शाति लाल,
कम्पनी हॉवलदार मेजर,
वालटियर,
मध्य प्रदेश।

श्री मोहन लाल शर्मा,
हॉवलदार,
वालटियर,
मध्य प्रदेश।

श्री वलदेव सिंह,
कम्पनी कमांडर,
वालटियर,
हिमाचल प्रदेश।

श्री मागर राम,
कम्पनी कमांडर,
वालटियर,
हिमाचल प्रदेश।

कुमारी ठाकुर देवी मैरी,
प्लाटून कमांडर,
बालंटियर,
हिमाचल प्रदेश ।

श्री जुगल किशोर तुली,
जिला कमांडेट,
बालंटियर,
दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र ।
डा० राजेन्द्र नाथ समरवाल,
डिवीजिनल वार्डन नागरिक सुरक्षा,
बालंटियर,
दिल्ली ।

श्री पद्माकर वासुदेव पटवर्धन,
वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी,
प्रशासन और नीति,
महाराष्ट्र ।

श्री मीनू फरदूमजी देवलाली बाला,
स्टाफ अफसर,
छात स्कन्ध,
बालंटियर,
महाराष्ट्र ।

श्री पद्माकर जनार्दन लेले,
जिला कमांडेट,
बालंटियर,
महाराष्ट्र ।

श्री साहेबराव भुंका पाटिल,
जिला कमांडेट,
बालंटियर,
महाराष्ट्र ।

श्री आशोक शंकरराव चहाण,
डिवीजिनल कमांडेट,
बालंटियर,
महाराष्ट्र ।

श्री वी० विभूषणन,
प्लाटून कमांडर,
अवैतनिक,
पांडिचेरी ।

श्री पाल मारियादास,
प्लाटून कमांडर,
अवैतनिक,
पांडिचेरी ।

श्री वी० एम० कृष्णमूर्ति,
कम्पनी कमांडर,
बालंटियर,
तमिलनाडु ।

श्री पी० जे० कृष्णमूर्ति,
कम्पनी कमांडर,
बालंटियर,
तमिलनाडु ।

श्री रतिलाल सोमेश्वर ठाकर,
बालंटियर,
गुजरात ।
श्री मनहर लाल पोपट लाल शाह,
कम्पनी सार्जेन्ट मेजर,
बालंटियर,
गुजरात ।

श्री ईश्वर लाल शंकर लाल चाकड़ा,
सीनियर प्लाटून कमांडर,
बालंटियर,
गुजरात ।

श्री हरि प्रसाद प्रलाल भाई जोशी,
सीनियर प्लाटून कमांडर,
बालंटियर,
गुजरात ।

श्री निर्भय मिश्रा,
इन्सपेक्टर गृह रक्षक,
बिहार ।

श्री नरेश प्रसाद राम,
अवैतनिक कम्पनी कमांडर,
गृह रक्षक,
बालंटियर,
बिहार ।

ये पदक गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा पदक नियमावली के नियम 3(ii) के अन्तर्गत प्रदान किए जा रहे हैं।

सं० 14—प्रेज/85—राष्ट्रपति, 1985 के गणतंत्र दिवस के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

श्री अदुचुम्बराय षम्मुगम बलराज,
पुलिस महानिवेशक,
प्रधान सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार,
गृह विभाग,
हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री प्यापली वेणु गोपाला कृष्णमाचार्युल,
पुलिस महानिवेशक,
उपाध्यक्ष एवं प्रबन्ध मिवेशक,
आन्ध्र प्रदेश राज्य पुलिस आवास मिशन लि०,
हैदराबाद,
आन्ध्र प्रदेश ।

श्री प्रिय नाथ गोस्वामी,
पुलिस अधीक्षक,
जिला कामरूप,
गोदार्दा,
असम ।

श्री कृष्ण देव प्रसाद मित्ता,
पुलिस अधीक्षक,
गोपालगंज,
बिहार ।

श्री मुरारी प्रसाद,
उप पुलिस अधीक्षक,
विशेष शास्त्रा, पटना,
बिहार ।

श्री ठकोरभाई दादुभाई पटेल,
पुलिस अधीक्षक,
अहमदाबाद शहर, गुजरात ।

श्री बाल किशन,
पुलिस उप अधीक्षक,
अपराध अनुसंधान विभाग,
चंडीगढ़,
हरियाणा ।

श्री राजिन्द्र सिंह,
पुलिस उप अधीक्षक,
(एड्जुकेट) प्रथम एचपोएपी बटालियन,
जुनाना, जिला शिमला,
हिमाचल प्रदेश ।

श्री अश्वाहम वर्णज,
पुलिस विशेष महानिरीक्षक,
प्रशिक्षण और अपराध अन्वेषक विभाग,
बंगलौर,
कर्नाटक ।

श्री परमबरमबरथ चन्द्रशेखर मेनन,
पुलिस अधीक्षक,
अपराध शास्त्रा, अपराध अनुसंधान विभाग,
कोझीकोड़,
केरल ।

श्री सुधीर कुमार मिश्र,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
(रेलवेज) भोपाल,
मध्य प्रदेश ।

श्री मीनू फरेदून इरानी,
पुलिस सहायक आयुक्त,
ग्रेटर बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री वालकृष्ण कोशवरगाव मर्जोशी,
पुलिस उप अधीक्षक,
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, नागपुर,
महाराष्ट्र ।

श्री जस्टिस कस्पीयर मारोह,
पुलिस विशेष महानिरीक्षक,
मेघालय,
शिलांग,
मेघानय ।

श्री शिव मोहन सिंह भस्त्रा,
पुलिस अधीक्षक एवं निदेशक,
आंगुर्य छाप ब्यूरो,
फिल्सौर,
पंजाब ।

श्री पूर्ण चन्द्र मिश्र,
निदेशक,
नागरिक सुरक्षा एवं कमार्डेंट जनरल, गह आरक्षी,
जयपुर,
राजस्थान ।

श्री अर्जुन सिंह,
कमार्डेंट प्रथम बटालियन,
राजस्थान सशस्त्र पुलिस,
जोधपुर,
राजस्थान ।

श्री सी० एल० रामकृष्णन,
पुलिस उप महानिरीक्षक (प्रशासन),
पुलिस महानिदेशक कार्यालय,
मद्रास,
तमिलनाडु ।

श्री अरियापड़ी चिन्नास्वामी रामास्वामी,
पुलिस अपर अधीक्षक,
सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक, विशेष यूनिट,
मद्रास,
तमिलनाडु ।

श्री रामेश्वर दयाल शर्मा,
पुलिस महानिरीक्षक,
मुख्यालय, इलाहाबाद,
उत्तर प्रदेश ।

श्री सोम प्रकाश,
पुलिस महानिरीक्षक,
कानपुर जौन,
कानपुर, ||
उत्तर प्रदेश ।

श्री विकाश काली बसु,
पुलिस आयुक्त,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री मखन लाल चन्दा,
पुलिस निरीक्षक,
अपराध अनुसंधान विभाग,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री सुरेन्द्र कुमार सिंधल,
पुलिस महानिरीक्षक (यू० ई०),
चंडीगढ़ प्रशासन।

श्री शिव प्रमाद गांगूली,
पुनिम अधीक्षक,
(बैतार), एजल,
मिजोरम।

श्री मनोहर लाल भनोट,
निदेशक,
नागरिक सुरक्षा एवं कमांडेट जनरल होम गार्ड,
दिल्ली प्रशासन।

श्री देवेंद्र प्रमाद नारायण सिंह,
महानिरीक्षक (मुख्यालय)-II,
मुख्यालय, महानिदेशक,
सीमा सुरक्षा बल,
नई दिल्ली,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री सुरेश चन्द्र वीवान,
महायक निदेशक (संचार),
मुख्यालय, महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल (आर० ए० जी०),
जोधपुर,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह,
उप निदेशक (प्रोविजन),
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल.
नई दिल्ली,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

श्री अरचिशमन घटक,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
पूर्वी क्षेत्र, कलकत्ता,
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।

श्री सुरेन्द्र कुमार सेठ,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
बम्बई,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

श्री अम्बादास देवीदास पावडे,
पुलिस उप अधीक्षक,
आर्थिक अपराध स्कन्ध, बम्बई,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

श्री विद्याधर गोविन्द वैद्य,
संयुक्त निदेशक, एम० आई० बी०,
चंडीगढ़,
आमूचना ब्यूरो।

श्री कृष्ण लाल चौपड़ा,
संयुक्त सहायक निदेशक,
मुख्यालय, नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो।

श्री एम० पी० बनर्जी,
महानिरीक्षक एवं मुख्य सुरक्षा अधिकारी,
उत्तरी रेलवे, नई दिल्ली,
रेल मंत्रालय।

श्री खाजा गाउस मोहिउदीन अहमद,
सहायक सुरक्षा अधिकारी,
रेलवे सुरक्षा बल प्रशिक्षण केन्द्र,
मोला अली, दक्षिण केन्द्रीय रेलवे,
रेल मंत्रालय।

ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(ii) के अन्तर्गत दिए जा रहे हैं।

मं० 15-प्र०/85—राष्ट्रपति, 1985 के गणतंत्र दिवस के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय मेवा के लिए पुलिस पदक महर्ष प्रदान करते हैं:—

श्री रामचन्द्र दिलीप भूपाल,
पुलिस के विशेष महानिरीक्षक,
संचार और प्रशिक्षण,
हैदराबाद,
आंध्र प्रदेश।

श्री विलयानुर सुब्रह्मानियमन रावी,
पुलिस उप महानिरीक्षक और
मलाहकार (मतकंता और सुरक्षा),
आंध्र प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड,
विद्युत साउथ, हैदराबाद,
आंध्र प्रदेश।

श्री कोम्मी आनन्दाया,
पुलिस अधीक्षक,
कुरनूल,
आंध्र प्रदेश।

श्री वीरेपल्ली राम चन्द्रेया,
संयुक्त निदेशक,
भृष्टाचार उन्मूलन ब्यूरो के निदेशक का कार्यालय,
हैदराबाद,
आंध्र प्रदेश।

श्री बोनदुगुला मधुसूदन रेडी,
पुलिस उप अधीक्षक,
भृष्टाचार उन्मूलन ब्यूरो, वरांगल,
आंध्र प्रदेश।

श्री गेतडी वेंकट कृष्ण राव,
पुलिस उप अधीक्षक,
विशाखापत्तनम साउथ,
आंध्र प्रदेश।

श्री मोतूरी श्रीनिवासा राव,
पुलिस निरीक्षक,
भृष्टाचार उन्मूलन ब्यूरो,
विजयनगरम,
आंध्र प्रदेश।

श्री पुष्पाला जगन्नाथ राय,
पुलिस उप निरीक्षक,
फौनड़ पी० एस०,
जिला श्रीकाकुलम,
आंध्र प्रदेश ।

श्री सैयद अमीर हुसैन,
हैड कास्टेबल,
जनरल अपराध स्टेशन,
हैदराबाद, सिटी,
आंध्र प्रदेश ।

श्री पिल्लारी शेंट्री वेंकट सुमन्त,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
उत्तरी रेंज, तेजपुर,
असम ।

श्री पदम धर बानिया,
पुलिस अधीक्षक,
जांच ब्यूरो, (आर्थिक अपराध),
गोहाटी,
असम ।

श्री उपेन्द्र नाथ हंजारिका,
पुलिस उप अधीक्षक,
गोहाटी,
असम ।

श्री अब्दनी कुमार सर्मी,
पुलिस निरीक्षक,
स्पेशल ब्रांच जोनल,
कहिली पाड़ा,
गोहाटी,
असम ।

श्री जोगेश चन्द्र बर्मन,
पुलिस निरीक्षक,
सोनितपुर,
असम ।

श्री जोगेन्द्र चन्द्र तालुकदार,
पुलिस उप-निरीक्षक,
सी० आई० डी०,
गोहाटी,
असम ।

श्री मोहम्मद सुलेमान,
पुलिस अधीक्षक,
समस्तीपुर,
बिहार ।

श्री ठाकुर केशव प्रसाद सिंह,
पुलिस अतिरिक्त अधीक्षक,
स्पेशल ब्रांच चाई बामा,
बिहार ।

श्री निशीकान्त जा,
पुलिस उप अधीक्षक,
बी० एम० पी०, XIV पटना,
बिहार ।

श्री अमर देव सिंह,
पुलिस निरीक्षक,
स्पेशल ब्रांच, पटना,
बिहार ।

श्री डेविड बरनाबस,
पुलिस निरीक्षक,
सी० आई० डी० (फूड). पटना,
बिहार ।

श्री चन्द्र देव सिंह,
पुलिस निरीक्षक, (सशस्त्र),
बी० एम० पी०-१,
दरभंगा,
बिहार ।

श्री शम्भु शरण प्रसाद,
पुलिस उप-निरीक्षक,
सी० आई० डी०,
पटना,
बिहार ।

श्री मोहम्मद कादिर खां,
पुलिस उप-निरीक्षक,
बी० एम० पी०-१,
दरभंगा,
बिहार ।

श्री रामेश्वर प्रसाद, वर्मा,
पुलिस उप-निरीक्षक,
स्पेशल ब्रांच,
एस० बी मुख्यालय,
पटना,
बिहार ।

श्री मुन्नी पाण्डेय,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
स्पेशल ब्रांच,
बेतीया,
बिहार ।

श्री अमृतलाल विठ्ठलजी मेहता,
सहायक निदेशक,
भट्टाचार उन्मूलन ब्यूरो,
राजकोट,
ગुजरात ।

श्री वीरेन्द्र मोहन सिंह गोड़,
पुलिस निरीक्षक,
पंच महल, गौथरा,
गुजरात ।

श्री रमेश चन्द्र जगन्नाथ द्वे, पुलिस उप-निरीक्षक, भ्रष्टाचार उन्मूलन ब्यूरो, राजकोट, गुजरात ।	श्री सुरिन्दर सिंह वजीर, पुलिस उप भवानीक्षक, जम्मू रेंज, जम्मू, जम्मू और कश्मीर ।
श्री बालकृष्ण नानालाल, हैड कांस्टेबल, (निरस्त), राजकोट सिटी, गुजरात ।	श्री बलवन्त सिंह, पुलिस उप अधीक्षक, जिला स्पेशल बोर्ड, जम्मू, जम्मू और कश्मीर ।
श्री बलवन्त राय बघु भाई जाला, हैड कांस्टेबल, (निरस्त), अहमदाबाद, सिटी, गुजरात ।	श्री गुलाम हसन गङ्गा, पुलिस निरीक्षक, जे० के० ए० पी०-III बटालियन, इंचार्ज पर्यटक पुलिस, (कश्मीर), श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर ।
श्री घनशयाम सिंह रणबीर सिंह सोलंकी, हैड कांस्टेबल (सशस्त्र), अहमदाबाद सिटी, गुजरात ।	श्री ए० जे० आनन्दन, पुलिस पुस्तिका के पुनरीक्षण के लिए विशेष अधिकारी, मैसूर, कर्नाटक ।
श्री छंगन सिंह निवांसिंह चौहान, हैड कांस्टेबल, (सशस्त्र), अहमदाबाद, सिटी, गुजरात ।	श्री रामचन्द्र राघवेन्द्र शास्त्रपुर, पुलिस अधीक्षक, स्टेट आसूचना, मैसूर, कर्नाटक ।
श्री शिवराम पंडित देशमुख, हैड कांस्टेबल (सशस्त्र) - सूरत सिटी। गुजरात ।	श्री मैसूर लक्ष्मण नरसिंह मूर्ति, पुलिस उप अधीक्षक, राज्य सतर्कता आयोग, बंगलौर, कर्नाटक ।
श्री मोहम्मद युसुफ शेषारी; पुलिस कांस्टेबल; भ्रष्टाचार उन्मूलन ब्यूरो राजकोट । गुजरात।	श्री वेष्टवत, पुलिस निरीक्षक, राज्य आसूचना, बंगलौर, कर्नाटक ।
श्री राजकुमार पुलिस अधीक्षक कुरुक्षेत्र, हरियाणा ।	श्री बी० के० लिंगप्पा, पुलिस निरीक्षक, सी० प्रो० डी०, बंगलौर, कर्नाटक ।
श्री ऋषि प्रकाश, पुलिस अधीक्षक, बहादुरगढ़, जिला रोहतक, हरियाणा ।	श्री नरसोजी राव, पुलिस उप निरीक्षक, सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, बंगलौर, कर्नाटक ।
श्री अर्जन दास; हैड कांस्टेबल, निदेशक, धी० टी० सी० का कायलिय, मधुबन, हरियाणा ।	श्री आनन्दाप्पा गुरुबसप्पा मलंगर, पुलिस उप-निरीक्षक, आदे बाजार, बेलगाम, कर्नाटक ।
श्री जीधन सिंह, पुलिस निरीक्षक, स्टेशन हाउस आफिसर, शिमला वेस्ट, हिमाचल प्रदेश ।	

श्री पोनकान वीटिस प्रभाकरण
नाम्बियार, पुलिस अधीक्षक,
अपराध अनुसंधान सेल, कोजीकोड़,
केरल।

श्री मूथा लाथोताथिल आक्को जीवर्गीसि,
पुलिस अधीक्षक,
सर्तकता विभाग,
सैट्रल रेंज, कोचीन,
केरल।

श्री माधवन पिहलै कृष्ण पिहलै,
पुलिस अधीक्षक,
एर्णाकुलम (ग्रामीण),
केरल।

श्री कुम्भीयहल कीटट नायर कुटटीकृष्ण मेनन,
महायक कमांडेन्ट, सशस्त्र रिजर्व,
तिचूर,
केरल।

श्री पुलसोली शंकरण नायर,
पुलिस उप निरीक्षक,
स्पेशल ब्रांच, कन्नूर,
केरल।

श्री रंजीथी विट्ठल राधाकृष्णन,
हैड कांस्टेबल,
पालघाट कस्बा पुलिस स्टेशन,
केरल।

श्री चमन लाल,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
(संचार),
भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री विजय कुमार देउसकर,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
एन० पी० सी०, पी० एच० क्य००, भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री रवि शंकर दुबे,
पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण),
स्पेशल ब्रांच, पी० एच० क्य००,
भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री कृष्ण देव सिंह,
सहायक कमांडेन्ट,
२वीं बटालियन,
एस० ए० एफ०, भोपाल,
मध्य प्रदेश।

श्री खंगपत मिह,
पुलिस उप अधीक्षक,
भिल,
मध्य प्रदेश।

श्री दलालेय विष्णु पत कपाले,
पुलिस उप अधीक्षक,
गिवनी,
मध्य प्रदेश।

श्री काशी नाथ मिह,
कम्पनी कमांडर,
९वीं बटालियन, एम० ए० एफ०,
रीवा,
मध्य प्रदेश।

श्री राज किशोर तिवाड़ी,
पुलिस उप-निरीक्षक,
रेलवे, जी० आर० पी०, जबलपुर,
मध्य प्रदेश।

श्री आदित्य नारायण शुक्ल,
पुलिस उप-निरीक्षक,
जिला स्पेशल ब्रांच,
बस्तर,
मध्य प्रदेश।

श्री कृपा शकर तिवाड़ी,
पुलिस उप-निरीक्षक,
राज्य जात्र ब्यूरो,
आर्थिक अपराध, जबलपुर,
मध्य प्रदेश।

श्री बल बहावुर,
कास्टेबल संख्या ५७१,
१०वीं बटालियन, एस० ए० एफ०,
मागर, मध्य प्रदेश।

श्री के० पदमनाभन,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
यातायात, बम्बई,
महाराष्ट्र।

श्री रामचन्द्र दयाराम गोवडे
पुलिस अधीक्षक,
शोलापुर,
महाराष्ट्र।

श्री राम चन्द्र दिम्बला,
पुलिस उप आयुक्त,
भट्टाचार उन्मूलन ब्यूरो,
बम्बई,
महाराष्ट्र।

श्री बसंत लक्ष्मण इंगले,
पुलिस सहायक आयुक्त (II),
स्पेशल ब्रांच (1), सी० आई० डी०,
बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री मधुकर बप्पू राव जेदे,
पुलिस वरिष्ठ निरीक्षक,
अपराध खोज ब्रांच,
सी० आई० डी०, बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री चन्द्रकन प्रतापराव वागडी,
पुलिस निरीक्षक,
डा० डी० डी० मार्गे, पुलिस स्टेशन,
बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री सुरेण केशवराव सराफ,
पुलिस निरीक्षक,
केम्पटी, जिला नागपुर, ग्रामीण,
महाराष्ट्र ।

श्री रामविश्वास चन्दन प्रसाद पाण्डेय,
पुलिस निरीक्षक,
मुख्यालय लाइन, नागपुर सिटी,
महाराष्ट्र ।

श्री नारायण हरी कदम,
पुलिस उप निरीक्षक,
सी० आई० डी० (आई० एन० टी० एम० डब्ल्यू०),
बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री मोहम्मद मोहनदीन मोहम्मद शराफउद्दीन,
पुलिस उप-निरीक्षक,
परमानी जिला,
महाराष्ट्र ।

श्री घनश्याम रामराव भंडारे,
आसूचना अधिकारी, सी० आई० डी० (आई० एस० डब्ल्यू०)
बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री सदाशिव हरी कुलकर्णी,
आसूचना अधिकारी, सी० आई० डी० (आई० एस० डब्ल्यू०)
बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री विश्वनाथ नारायण अवनिकर,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
सांगली, महाराष्ट्र ।

श्री गोपाल मंगेश तेंदुलकर,
पुलिस सहायक उप-निरीक्षक,
कोल्हापुर,
महाराष्ट्र ।

श्री नरहरी श्रंतु सावंत,
हैंड कास्टेबल संघा 1124/वाडला डिवीजन,

सेवरी पुलिस स्टेशन,
बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री मरति लक्ष्मण पारव,
हैंड कास्टेबल संघा बी 128,
अपराध पाला, सी० आई० डी० ,
ग्रेटर बम्बई,
महाराष्ट्र ।

श्री आत्मराव दत्ताराम धौमकर,
हैंड कास्टेबल संघा बो० 988,
अहमदनगर,
महाराष्ट्र ।

श्री लोरेमवम बिजोय मिह,
पुलिस उप अधीक्षक,
सी० आई० डी०, इम्फाल,
मणिपुर ।

श्री हयूझोम भूबन सिह,
पुलिस निरीक्षक,
नेमफेल पुलिस स्टेशन,
मणिपुर ।

श्री माइकल खुलूर बुद्धनाह
पुलिस उप निरीक्षक
स्पेशल ब्रांच, शिलांग,
मेघालय ।

श्री लुखर सेमा,
पुलिस उप महानिरीक्षक,
कोहिमा,
नागालैन्ड ।

श्री एस० ए० जमीर,
पुलिस अधीक्षक,
दीमापुर,
नागालैन्ड ।

श्री लक्ष्मण घन्मौली अमरनाथन,
पुलिस अधीक्षक,
सतर्कता, सेन्ट्रल डिवीजन,
कटक,
उड़ीसा ।

श्री सुवेन्द्र कुमार पाला,
पुलिस सहायक कमांडेन्ट,
जूनियर स्टाफ आफिसर,
कमांडेन्ट जनरल होम गार्ड का कार्यालय;
कटक,
उड़ीसा ।

श्री सुशील कुमार होटा,
पुलिस निरीक्षक,
सतर्कता, उत्तरी डिवीजन,
बम्बलपुर,
उड़ीसा ।

श्री नाहरी धाण,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
सतर्कता मेन्टल डिवीजन,
कटक,
उड़ीसा।

श्री केलु चरण बलियार मिह,
झाइवर हवलदार मेजर,
सतर्कता निदेशालय,
कटक,
उड़ीसा।

श्री मुद्दर्शन मिह,
पुलिस उप अधीक्षक,
सी.आई.डी.ओ यूनिट, चण्डीगढ़,
पंजाब।

श्री मुख्यचरण मिह बाजवा,
पुलिस उप अधीक्षक,
संख्या जे०/२, सब डिवीजन;
गुरदासपुर,
पंजाब।

श्री माधू मिह,
पुलिस निरीक्षक संख्या जे/४६;
श्रीफ ड्रिल अनुदेशक पी०टी०सी०;
फिलौर,
पंजाब।

श्री गम स्वरूप;
कांस्टेबल (झाइवर) संख्या ५८/पटियाला,
पी०ए०स० बस्ती पथाना;
जिला—पटियाला,
पंजाब।

श्री बलभद्र मिह राठौरी,
पुलिस सहायक महा-निरीक्षक,
जयपुर,
राजस्थान।

श्री पुख राज सीखी;
पुलिस अतिरिक्त अधीक्षक;
जयपुर,
राजस्थान।

श्री एम०के० परीक,
पुलिस आर्तारिक्त अधीक्षक,
श्रीगंगा नगर,
राजस्थान।

श्री मोहम्मद शफी,
पुलिस निरीक्षक,
झलावाड़,
राजस्थान।

श्री पिंश दयाल मिह,
पुलिस निरीक्षक,
पुलिस लाइन जयपुर,
राजस्थान।

श्रा फकहदीन शेख,
पुलिस उप निरीक्षक,
जिला चित्तांडिगढ़,
राजस्थान।

श्री नरगत मिह,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक (डी०ए०स०बी०)
नागौर,
राजस्थान।

श्री छोटू राम,
हैड कांस्टेबल सं० २००
जयपुर,
राजस्थान।

श्री वसन्त कुमार
कांस्टेबल सं० ५१९,
मीकानेर,
राजस्थान।

श्री बलभद्र छेत्री,
हैड कांस्टेबल
मोगोथंग पी०पी०,
मिक्किम।

श्री आर०वी० गोपालन,
पुलिस अधीक्षक
व्यापारिक अपराध अन्वेषण स्कन्ध,
अपराध अन्वेषण विभाग,
मद्रास,
तमिलनाडु।

श्री शंकरनारायण चुकुमारन
पुलिस अपर अधीक्षक
सशस्त्र रिंजन,
बेलौर,
तमिलनाडु।

श्री पुष्णीनारायण श्रीनिवासन,
पुलिस उप अधीक्षक
सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोध,
मद्रास शहर
तमिलनाडु।

श्री ग्रयथा स्वामी दशरथसन-
पुलिस उप अधीक्षक
अपराध शाखा, अपराध अन्वेषण विभाग, मुख्यालय,
मद्रास
तमिलनाडु।

श्री कुप्पुस्वामी गणेशन,
पुलिस निरीक्षक,
सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोध,
पुकोट्टे डिटेक्चर्मेंट,
तमिलनाडु।

श्री पुलिम विश्वनाथन सीथारमन,
पुलिम निरीक्षक
डी० सी० बा०, हरोड (ज़िला पेरियार)
तमिलनाडु।
श्री कौरावमपलायम मित्रास्वामी रगास्वामी
पुलिम निरीक्षक,
रेम कोर्स (अपग्राध) आना,
ज़िला कोयम्बटूर शहरी,
तमिलनाडु।
श्री एस० षष्ठमुगम,
पुलिस उप निरीक्षक,
मद्रास शहर,
तमिलनाडु।
श्री करुणास्वामी पेराची पार्डियन,
कास्टेबल सं० 145,
सतर्कता और अष्टाचार निरोध
तिहमेनवेली डिटेचमेट,
तमिलनाडु।
श्री एन० वेणुगोपाल,
काम्पेबल सं० 1257,
ज़िला उत्तर मदुरै,
तमिलनाडु।
श्री ज्योतिर्लिंग देव राय,
पुलिस निरीक्षक,
अपराध अन्वेषण विभाग
ग्रामरतला
तिपुरा।
श्री हरि दास राव
पुलिम उप महानिरीक्षक
कार्मिक, आवास और कल्याण,
पुलिम मुख्यालय
इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश।
श्री शरीक श्रावी,
पुलिस उप अधीक्षक
पुलिम महानिदेशक के उप सहायक,
लखनऊ
उत्तर प्रदेश।
श्री सुभाष चन्द्र जायसवाल,
पुलिस उप अधीक्षक,
आसूचना विभाग,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश।
श्री रमा शकर धर द्विवेदी,
महायक कमाडेट चौथी बटालियन,
पी० ए० सी०,
इलाहाबाद,
उत्तर प्रदेश।

श्री राम किशोर गुप्ता,
सहायक रेडियो अधिकारी
उत्तर प्रदेश पुलिम रेडियो अनुभाग,
लखनऊ
उत्तर प्रदेश।
श्री जीत सिंह नेही,
पुलिम निरीक्षक,
डी० ई० एफ०,
मथुरा,
उत्तर प्रदेश।
श्री जगदीश प्रसाद सिंह,
पुलिम निरीक्षक
उत्तर प्रदेश सतर्कता स्थापना, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
श्री बसन्त राम अनुपम,
पुलिस निरीक्षक,
आसूचना विभाग,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश।
श्री कृष्ण प्रसाद श्रीवास्तव,
पुलिस उप निरीक्षक (एम),
उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय,
इलाहाबाद,
उत्तर प्रदेश।
श्री शंकर लाल,
पुलिम उप निरीक्षक,
पुलिस लाइन्स,
मैनपुरी
उत्तर प्रदेश।
श्री इकबाल सिंह
पुलिस उप निरीक्षक,
ज़िला गोडा,
उत्तर प्रदेश।
श्री चन्द्र शेखर मिह,
काम्पनी कमाडर,
42वी बटालियन,
पी० ए० सी०,
लखनऊ,
उत्तर प्रदेश।
श्री तुरम सिंह,
प्लाटून कमाडर,
28वी बटालियन,
पी० ए० सी०,
इटावा,
उत्तर प्रदेश।

श्री त्रिलोक चन्द,
हैड कास्टेबल सं० 3097,
5वीं बटालियन,
पी० ए० सी० लखनऊ,
उत्तर प्रदेश ।

श्री बेचू पांडे,
हैड कास्टेबल सं० 242,
चौथी बटालियन पी० ए०सी०,
इलाहाबाद,
उत्तर प्रदेश ।

श्री अभय नारायण सिंह,
हैड कास्टेबल,
जी०आर०पी०(सी०) अनुभाग,
गोरखपुर,
उत्तर प्रदेश ।

श्री राजे सिंह,
हैड कास्टेबल,
57 भशस्त्र पुलिम,
जिला बरेली,
उत्तर प्रदेश ।

श्री गणेशी लाल
कास्टेबल सं० 880
सिविल पुलिम
जिला बरेली
उत्तर प्रदेश ।

श्री रघुनाथ सिंह,
कास्टेबल सं० 172 सी०पी०,
जिला बदायुं,
उत्तर प्रदेश ।

श्री महावीर सिंह,
हैड कास्टेबल सं० 68,
जिला बदायुं,
उत्तर प्रदेश ।

श्री राजा राम,
कास्टेबल सं० 388 भशस्त्र पुलिम,
कानपुर नगर,
उत्तर प्रदेश ।

श्री निहाल सिंह,
कास्टेबल सं० 1476,
जिला पुलिम कानपुर देहात,
उत्तर प्रदेश ।

श्री जगत सिंह,
कास्टेबल सं० 15389,
11 बटालियन, पी०ए०सी०,
सीतापुर,
उत्तर प्रदेश ।

श्री विष्णु सहाय,
पुलिस उपायुक्त,
पूर्वी उप शहरी प्रखण्ड,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री विमलेन्दु गुला,
पुलिस उप अधीक्षक,
अपराध अन्वेषण विभाग,
भवानी भवन, अलीपुर,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री गोविन्दा चन्द्र राहा,
पुलिस निरीक्षक,
डी०डी० आई०, अपराध अन्वेषण विभाग,
सेरमपुर,
पश्चिम बंगाल ।

श्री चन्द्र कुमार प्रधान,
पुलिस निरीक्षक,
करसिंग्रोग,
जिला दार्जिलिंग,
पश्चिम बंगाल ।

श्री मरिनल कार्ति दत्त,
पुलिस निरीक्षक,
भ्रष्टाचार विरोध यूनिट,
मतर्कता आयोग,
मालदा,
पश्चिम बंगाल ।

श्री सुजीत कुमार गुप्त,
पुलिस निरीक्षक,
बम दस्ता,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री सुजीत कुमार सान्ध्याल,
पुलिस निरीक्षक,
गुमशुदा व्यक्ति दस्ता,
गुप्तचर विभाग,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री सुभेन्दु भट्टाचार्यजी,
पुलिस निरीक्षक,
सांख्यिकी अनुभाग, प्रवर्तन शाखा,
कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल ।

श्री शैलेश चन्द्र भोहता,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
कृष्ण नगर, नदिया,
पश्चिम बंगाल।

श्री दिनेश चन्द्र चक्रवर्ती,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
पसन प्रभाग, कलकत्ता,
पश्चिम बंगाल।

श्री विष्णु कुमार क्षेत्री,
हैड कॉस्टेबल नं० 731,
जिला शस्त्र पुलिस,
जलपायगुड़ी,
पश्चिम बंगाल।

श्री अनंद शेखर राय,
कॉस्टेबल सं० 4663, डी०आई०बी०,
24 परगना,
पश्चिम बंगाल।

श्री अशोक कपूर,
पुलिस निरीक्षक,
चंडीगढ़,
चंडीगढ़ प्रशासन।

श्री मनालील वरोधुस्त्री जोनी,
पुलिस उप निरीक्षक,
कावरत्ती,
लक्ष्मीपुर।

श्री असीम शेखर चक्रवर्ती,
पुलिस उप निरीक्षक,
आई०ली.पी०के०एस०ओ०,
मिजोरम सरकार,
एजल,
मिजोरम।

श्री आर० दोलियाना,
पुलिस निरीक्षक,
बी०पी०एफ० एजल,
मिजोरम।

श्री मुरुगस्वामी सेल वाराज,
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,
ओडियनशलाय पुलिस स्टेशन,
पांडिचेरी।

श्री राम शरण दीवान,
पुलिस सहायक आयुक्त,
सतर्कता,
दिल्ली,
दिल्ली प्रशासन।

श्री सुरिन्दर सिंह,
पुलिस निरीक्षक नं० डी० I 75,
विशेष शास्त्री,
दिल्ली,
दिल्ली प्रशासन।

श्री मातारीन,
पुलिस उप निरीक्षक नं० 1534 डी०
दिल्ली निरीक्षक, पी०टी०एस०

झड़ीदा कला, दिल्ली,
दिल्ली प्रशासन।

श्री सुरेश चन्द्र,
पुलिस उप निरीक्षक नं०डी०-435,
सुरक्षा पूनिट,
दिल्ली पुलिस,
दिल्ली,

दिल्ली प्रशासन।

श्री करम चन्द्र,
कॉस्टेबल नं० 412/डी०ए०पी०,
प्रथम बटालियन, डी०ए०पी०,
दिल्ली,

दिल्ली प्रशासन।

श्री ओम प्रकाश यादव,
कमानडेंट,

आई०आर०एस०एन० 448,
सहायक प्रशिक्षण केन्द्र,
उद्धमपुर (जम्मू व कश्मीर),
सीमा सुरक्षा बल।

श्री दर्शन सिंह राय,
कमानडेंट,

1 अवीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री मनोहर लाल दीवान,
उप कमानडेंट एडजुटेंट,
बी०एस०एफ० अकादमी ट्रेनिंग पुर,
सीमा सुरक्षा बल।

श्री वीरेन्द्र कुमार तापानि,
उप कमानडेंट,

17 बटालियन बी०एस०एफ०, जैसलमेर (राजस्थान)
सीमा सुरक्षा बल।

श्री राम शरण गुरंग,
उप कमानडेंट,

9 अवीं बटालियन, बी०एस०एफ०, मोपत्त,
शिलोंग,

सीमा सुरक्षा बल।

श्री प्रभु सिंह,

सहायक कमानडेंट, आई०आर०एस०ए० नं० 2658,
13 अवीं बटालियन

सीमा सुरक्षा बल।

श्री मदन सिंह भाटी,
सहायक कमांडेंट,
बी०एस०एफ० सिंगल रेजिमेंट,
नई दिल्ली,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री पूरण सिंह,
सब मेजर (नं० 661210196),
43 वीं बटालियन, बी०एस०एफ०,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री धर्म सिंह लामा,
निरीक्षक (ए०सी० भोनी) (सुबेदार मेजर),
90 वीं बटालियन बी०एस०एफ० भोपत,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री सुरजीत सिंह बर्मा,
निरीक्षक नं० 67232009,
जे०ए०डी०(जी) कार्यालय, बी०एस०एफ०,
फिरोजपुर,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री रघुवीर सिंह,
निरीक्षक (सब मेजर), नं० 661430116,
96वीं बटालियन, बी०एस०एफ०,
पानीसागर,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री तीर्थ सिंह,
निरीक्षक,
बी०टी०सी० नं० 665880106,
बी०एस०एफ०, टी०सी० एण्ड एस०,
हजारी बाग,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री जसवंत सिंह
उप निरीक्षक नं० 675000550,
58 वीं बटालियन, बी० एस० एफ०,
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री रणजीत कुमार एयज
उप निरीक्षक नं० 66711058
74 वीं बटालियन बी० एस० एफ०
शोवासीपाड़ा तुरा, पश्चिम गारो पहाड़ी (मेथालय)
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री अनोख सिंह
हैड कांस्टेबल नं० 67544078
103 वीं बटालियन बी० एस० एफ०
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री इन्द्र वेद गोपाला,
हैड कांस्टेबल नं० 679000521
90वीं बटालियन, बी० एस० एफ०
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री हरबंस सिंह
हैड कांस्टेबल नं० 66243041
मुख्यालय आई० जी०, बी० एस० एफ० पंजाब,
जालधर कैट
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री भुवरा राम
हृष्ण /सी नं० 66232717
2वीं बटालियन बी० एस० एफ०
सीमा सुरक्षा बल ।

श्री पी० एन० रामकृष्णन
पुलिस अपर उप निरीक्षक
जी० सी० सी० आर० पी० एफ०, भुवनेश्वर, उड़ीसा
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री अरनेस्ट सेमसन भक्तवार
पुलिस अपर उप निरीक्षक
जी० सी०, सी० आर० पी० एफ० हैदराबादर ग्रांथ्र
प्रदेश,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री ए० के० कथूरिया
पुलिस अपर उप निरीक्षक
जी० सी०, सी० आर० पी० एफ० दीमापुर (नागालैंड)
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री सुरजीत सिंह गिल
कमांडेंट प्रथम बटालियन, सी० आर० पी० एफ०,
दिल्ली
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री एस० कुट्टी शंकरन
कमांडेंट ।
5वीं बटालियन, सी० आर० पी० एफ०
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री रमा शंकर अग्रवाल
पुलिस उप अधीक्षक ।
प्रथम सिंगल बटालियन, सी० आर० पी० एफ०
नई दिल्ली,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री शिव सहाय शर्मा
निरीक्षक
48 वीं बटालियन सी० आर० पी० एफ०,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री राम अकबाल सिंह
उप निरीक्षक,
31 वीं बटालियन, सी० आर० पी० एफ०
नई दिल्ली,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ।

श्री इन्द्र सिंह उप निरीक्षक नं० 561010178 तृतीय सिंगल बटालियन सी० आर० पी० एफ० रामपुर (उ० प्रदेश) केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।	श्री रमा कुमार सुबेदार, ठठी बटालियान आई टी० बी० पुलिस शिमला (हिमाचल प्रदेश) भारत तिब्बत सीमा पुलिस।
श्री बिक्रम सिंह उप निरीक्षक नं० 570063112 53 बी० बटालियन सी० आर० पी० एफ० केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।	श्री राजेन्द्र कुमार निगम उप-महानिरीक्षक सी० आई० एस० एफ० यूनिट दुर्गपुर इस्पात संघर्ष केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।
श्री महन सिंह हैड कॉस्टेबल नं० 570061332 6वी० बटालियन सी० आर० पी० एफ० चण्डीगढ़ केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।	श्री जनक सिंह उप-निरीक्षक सी० आई० एस० एफ० भिलाई इस्पात संघर्ष भिलाई केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल।
श्री एम० बी० रमन नायक ड्राइवर नं० 680425221 42 बी० बटालियन सी० आर० पी० एफ० बंगलौर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।	श्री गणेश्वर झा पुलिस उप-महानिरीक्षक जोन III, नई दिल्ली केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।
श्री के० सदाशिवन पाणिकर नायक नं० 530051668, सी० आर० पी० एफ० आई० ए० माऊंट आबू केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।	श्री रवीश्वर नारायण सिन्हा पुलिस अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (बैंकिंग) नई दिल्ली केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।
श्री गंजू राम कॉस्टेबल नं० 57052155 बनतलाल (जम्मू), केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल	श्री रणजीत कुमार सरकार पुलिस उप-अधीक्षक, सामान्य अपराध स्कन्ध, कलकत्ता केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,
श्री अजीत सिंह कार्यालय अधीक्षक (एस० एम०), आई० जी० पी० एस/IV का कार्यालय सी० आर० पी० एफ० शिलांग केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।	श्री प्रेम बल्लभ सुन्दरी याल, पुलिस उप-अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण यूनिट (एफ) नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।
श्री राम रत्न फोलोवर (चपरासी) महा निवेशालय, सी० आर० पी० एफ० नई दिल्ली केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।	श्री विठ्ठल देव महेश्वरी, पुलिस उप-निरीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण यूनिट (ए एन टी) नई दिल्ली, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।
श्री० पाला राम कमांडेट स्टाफ (कानूनी और सैन्य तंत्र, मुख्य आई० टी० बी० पुलिस, नई दिल्ली भारती तिब्बत सीमा पुलिस,	श्री प्राक्कल रमन नायर अपूर्णी कूरुप, पुलिस निरीक्षक, कोचीन केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।
श्री० एस० सी० कुलश्रेष्ठ कम्पनी कमांडर चुतुर्थ बटालियन आई० टी० बी० पुलिस भारत विवल सीमा पुलिस।	

श्री विद्या भूषण
पुलिस निरीक्षक,
सामान्य अपराध स्कन्ध
नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

श्री नन्द किशोर,
पुलिस उप-निरीक्षक
अपराध अधिलेख प्रभाग
नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री उमेद सिंह
पुलिस उप-निरीक्षक,
केन्द्रीय अन्वेषण यूनिट (एन० सी०)
नई दिल्ली,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री मुख्यरायन सम्पूर्णन
पुलिस सहायक उप निरीक्षक
केन्द्रीय अपराध स्कन्ध मद्रास,
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री नारा सिम्हन जानकीराम
हैड कांस्ट्यूबल
एस० पी० ई० बंगलौर
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री इस्तायक हुसैन
कांस्ट्यूबल
सी० बी० आई० जबलपुर
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ।

श्री प्रकाश चन्द्र पन्त
उप-निदेशक
सहायक आसूचना ब्यूरो, जबलपुर
आसूचना ब्यूरो ।

श्री सम्वाधिव गणपति
उप निदेशक, मुख्यालय,
नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो ।

श्री सुरेन्द्र वेंकटेश गलगली
सहायक निदेशक, मुख्यालय
नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो ।

श्री एन० एस० एस० चन्द्रन
सहायक निदेशक, मुख्यालय
नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो ।

श्री बीरेन्द्र पाल सिंह
सहायक निदेशक, मुख्यालय
नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो ।

श्री वनविनाथन लक्ष्मनन
सहायक निदेशक, मुख्यालय
नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो ।

श्री ध्रुव देव नारायण
तकनीकी अधिकारी, मुख्यालय
नई दिल्ली,
आसूचना ब्यूरो ।

श्री सुरेश चन्द्र सक्सेना
वरिष्ठ आसूचना अधिकारी
सहायक आसूचना ब्यूरो ।
लखनऊ
आसूचना ब्यूरो ।

श्री गुणनिधि वेहरा
वरिष्ठ आसूचना अधिकारी,
सहायक, आसूचना ब्यूरो,
भुवनेश्वर,
आसूचना ब्यूरो ।

श्री हर मोहन सिंह
केन्द्रीय उप आसूचना अधिकारी
सहायक आसूचना ब्यूरो, दिल्ली
आसूचना ब्यूरो,

श्री अमरनाथ वसु रायचौधरी
केन्द्रीय उप आसूचना अधिकारी
सहायक सूचना ब्यूरो,
कलकत्ता
आसूचना ब्यूरो,

श्री श्रीनिवास वक्टराव मीरजी
केन्द्रीय उप आसूचना अधिकारी
मुख्यालय, नई दिल्ली
आसूचना ब्यूरो ।

श्री प्रबोध चन्द्र चक्रवर्ती
केन्द्रीय सहायक आसूचना अधिकारी
सहायक आसूचना व्यूरो
कलकत्ता,
आसूचना व्यूरो ।

श्री नारायण स्वामी बैंकटरमन,
अप्रवास अधिकारी,
अप्रवास व्यूरो
मद्रास,
आसूचना व्यूरो ।

श्री कृष्ण वेद गुलाटी,
केन्द्रीय सहायक आसूचना अधिकारी,
मुख्यालय,
नई दिल्ली,
आसूचना व्यूरो ।

श्री नोसा शेर्मिंग
केन्द्रीय सहायक आसूचना अधिकारी,
सहायक आसूचना व्यूरो,
गंगटोक,
आसूचना व्यूरो ।

श्री कदयाम सूर्यनारायण सुद्रामनियन,
निदेशक (प्रनुसंधान व नीति प्रभाग)
नई दिल्ली,
गृह मंत्रालय ।

श्री एन० हरि प्रसाद
उप निरीक्षक (तकनीकी)
समन्वय पुलिस
संगणक निदेशलय
नई दिल्ली
गृह मंत्रालय

श्री दिवेणी प्रसाद,
मोटर परिवहन जमादार (ए० एस० आई०)
सरवार वस्तुभाइ पटेल
राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद,
गृह मंत्रालय ।

श्री गोविन्द प्रसाद ठोड़ियाल,
निरीक्षक
उत्तर पूर्वी पुलिस अकादमी,
शिलांग ।

श्री रोहनी एलिन पोट्टर,
सहायक सुरक्षा अधिकारी,
उत्तर पूर्वी रेलवे, गोरक्षपुर
रेल मंत्रालय ।

श्री टी० मलिकार्जन राव,
निरीक्षक आर० पी० एफ०
वक्षिण केन्द्रीय रेलवे,
रेलीगुट्टा
रेल मंत्रालय ।

श्री पूरण सिंह किम्मत सिंह यादव
उप निरीक्षक, आर० पी० एफ०,
केन्द्रीय रेलवे, मथुरा,
रेल मंत्रालय ।

श्री धर्म नाथ राय
सहायक उप निरीक्षक आर० पी० एफ०,
प्रपराध आसूचना व्यूरो,
वक्षिण पूर्वी रेलवे, खड़गपुर
प्रपराध आसूचना व्यूरो,
रेल मंत्रालय ।

श्री हमीद खां
हैड रेक (अनुबेशक)
आर० पी० एफ० प्रशिक्षण स्कूल,
पश्चिम रेलवे, बलसर
रेल मंत्रालय ।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (II)
के अन्तर्गत दिये जा रहे हैं।

(सु० नीलकण्ठ)
राष्ट्रपति का सचिव

मंत्रिमंडल सचिवालय

नई दिल्ली, विनायक ४ जनवरी, 1985

संकल्प

स० 11/2/85—देस्क “ग”—राष्ट्रपति ने भारत सरकार, मंत्रिमंडल कार्य
विभाग के संकल्प स० 26/7/70—एन० सी० विनायक १ फरवरी, 1971 विसे
मंत्रिमंडल सचिवालय के संकल्प स० 26/2/82—सीए०३ विनायक ११ दिसंबर
1982 हारा बाव में संक्षेपित करके इलेक्ट्रॉनिकी आयोग का गठन किया गया
था, में विस्तृत संक्षेप करने का निर्णय लिया है:—

(क) पैरा 4 (क) को विस्तृत से प्रतिस्पापित किया जाए:—
“इलेक्ट्रॉनिकी आयोग का घट्टक वह व्यक्ति होगा जिसे इस रूप में
प्रशासनमन्त्री हारा भारत किया जाएगा।”

(क) पैरा 7 (क) को विस्तृत से प्रतिस्पापित किया जाए:—
“भाष्यक, तकनीकी प्रदर्शनों पर निर्णय लेने के लिए और इलेक्ट्रॉनिकी से
संबंधित नीति के यात्रलों में सरकार को सहाय होने के लिए उत्तराधीन
होगा।”

संकल्प

प्रतिशोधित जाता है कि संकल्प की प्रति भारत सरकार के सभा मंत्रालयों/
विभागों और सभी शास्त्र सरकारी/संस्कृत राज्य लोदों को विविध ढंगी जाए।

यह भी भ्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को जनसाधारण की सुविधा हेतु भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

भारत बेकेटेशन
संयुक्त सचिव, भौतिकीश्वर

सिवाई मंत्रालय

नई दिल्ली, विहारी 2 जनवरी, 1985

गृहिणी

मा० का० 194/81—ति० स०—राजस्थान सरकार ने 7-11-84 से राजस्थान नहर का नाम इंदिरा गांधी नहर करने का नियम किया है। यह सल्कारीन सिवाई तथा बिहु भौतिकीय के संकल्प सं० ई० अस्ट्र० सी० 26 (4)/58 दिव्यांक 10 विसम्बर, 1958 के आधिक संशोधन में, “राजस्थान नहर बोर्ड” का नाम इंदिरा गांधी नहर बोर्ड करने का नियम किया है। जहाँ कहीं भी “राजस्थान नहर बोर्ड” तथा “राजस्थान नहर परियोजना” के शब्द हॉवहा पर ज्ञात: “इंदिरा गांधी नहर बोर्ड” तथा “इंदिरा गांधी नहर परियोजना” को व्यापकतापूर्वक किया जाए।

भारत के० भारिया
उप सचिव

पर्यावरण और बन संशालन

(बन और बन्ध-जीव विभाग)

नई दिल्ली, विहारी 2 जनवरी 1985

नियम

तं० 17011/1/84-आ००० एस० (II)—भारतीय बनकेता में रिक्षियों को भारती के लिये 1985 में तंच सोक सेवा आयोग द्वारा दी जाने वाली प्रतिवेदित परीक्षा के लिये आम ज्ञानकारी के लिये व्यक्तिगत रिक्षियों को जारी रखे हैं:

1. इस परीक्षा के परिचाय के आवार पर जीव जाने वाली रिक्षियों की तंच साधारण द्वारा जारी किये गये नोटिस में विविध की जाएंगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिये रिक्षियों के आवारण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किये जावेंगे।

2. इस परीक्षा में बैठने वाले प्रत्येक उम्मीदवार जो भी प्रक्षेपण द्वारा ही तीन बार परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। यह प्रतिवेद 1984 में हुई परीक्षा से लागू है।

परन्तु अन्यतर्यां की सुन्दरी के अनुष्ठान यह प्रतिवेद अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अन्यथा वह उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा।

टिप्पणी-1: यदि उम्मीदवार परीक्षा के लिये एक वा अधिक विषयों के अनुष्ठान: परीक्षा देता है तो यह समझ दिया जाएगा कि उसने एक अवसर प्राप्त कर लिया है।

टिप्पणी-2: अव्याप्ति/उम्मीदवारी के एक हीने के वायाचूद उम्मीदवारी भी परीक्षा में उपर्युक्त का तर्ज एक अवसर दिया जाएगा।

3. तंच सोक सेवा आयोग यह परीक्षा इन नियमों के परिवर्तन-1 में निर्धारित हुए से देगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जावेंगे।

4. उम्मीदवार या तो :—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) नेपाल की प्रजा हो, या
- (ग) भूटान की प्रजा हो, या
- (घ) ऐसा तिब्बती जनजाती हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत पा गया हो, या
- (ङ) ऐसा भारत भूलक व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से उन्हें की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, लीनिया, उगांडा, बंगलादेश गणराज्य दंतानिया, (भूतान्त्र दंतानिया तथा अजीबार), बांग्लादेश, मलायी, जेरे, इयियोपिया के पूर्वी प्रफ़ीकी देशों और वियतनाम से पाया हो।

परन्तु उपरोक्त (घ), (ग), (ङ) वर्गों के प्रन्तमें पाये जाने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पालता पाण-पात्र अवधय होना चाहिए।

ऐसे उम्मीदवार की भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है यदि उसके बारे में पालता प्रमाण-बदल प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसको नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उसके संबंध में पालता प्रमाण-बदल आदी कर दिये जाने के बावजूद भी देखा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जूलाई, 1985 की 21 वर्ष पूरी हो गई हो किन्तु 28 वर्ष तक ही हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जूलाई, 1957 से पहले और 1 जूलाई, 1964 से बाद का न हो।

टिप्पणी—उम्मीदवार व्यावहर रूपे कि 1986 और उसके बाद ली जाने वाली भारतीय बन सेवा परीक्षाओं के लिए अपरी आदृ लाला 28 के बावजूद 26 वर्ष कर दी गई है।

(ख) छपर निर्धारित अधिकतम आयु में नियमिति विवितों में छूट दी जा सकती है :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष;
- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भव बंगला देश) का भारतीय विद्यापित व्यक्ति हो तो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के वीरान व्राजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति भववा अनुसूचित जन जाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के वीरान भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (भव बंगला देश) से प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (4) यदि उम्मीदवार अप्रूप, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के प्रभीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से भूलक्षण से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या उसे वस्तुतः से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या उसे वस्तुतः भूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक भाठ वर्ष;
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति भववा अनुसूचित जन जाति का हो और ताव ही प्रकृष्ट, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के प्रभीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या उसे वस्तुतः भूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक भाठ वर्ष;
- (6) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद वर्षीय विवितों में वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

- (7) यदि उम्मीदवार भनुसूचित जाति प्रथका भनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 को या उसके बाद, वर्षा से बहुत: प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक भाठ वर्ष;
- (8) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विवेकी देश के साथ संबंध में भ्रष्टा प्रशान्तिप्रस्त शेष में फौजी कारबाह के दौरान विकलांग हुए वथा उसके परिणामस्वरूप निर्भृत हुए हों और जो भनुसूचित जातियों या भनुसूचित जन जातियों के हैं;
- (9) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिकतम भाठ वर्ष तक जो किसी विवेकी देश के साथ संबंध में भ्रष्टा प्रशान्तिप्रस्त शेष में फौजी कारबाह के दौरान विकलांग हुए वथा उसके परिणामस्वरूप निर्भृत हुए हों और जो भनुसूचित जातियों या भनुसूचित जन जातियों के हैं;
- (10) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलसः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास विषयताम में भारतीय राजदूतावास हारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो विषयताम में जुलाई, 1975 से पहले भारत मही आया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (11) यदि उम्मीदवार किसी भनुसूचित जाति या भनुसूचित जन जाति का हो और विषयताम से बहुत: प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा ही उम्मीदवार जिसके पास विषयताम में भारतीय राजदूतावास हारा जाते किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र हो और जो विषयताम से जुलाई, 1975 के बाद भारत मही आया हो, तो उसके लिये अधिक से अधिक भाठ वर्ष तक;
- (12) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका वथा जंजीबार), संयुक्त गणराज्य से प्रव्रज्ञत किया हो या जाकिया, मलाकी, और और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (13) यदि उम्मीदवार भनुसूचित जाति या भनुसूचित जन जाति का हो और भारत मूलक वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रवर्तित हो या जाकिया, मलाकी, और और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक भाठ वर्ष तक;
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/प्रलक्षकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) में 1 जुलाई, 1985 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कावाचार या अक्षमता के प्रावार पर बहस्त वा सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपेगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर धन्य कारणों से भार्यकाल के समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी अन्वित हैं जिनका कार्यकाल 1 जुलाई, 1985 से छ: महीनों के भूतपूर्व होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/प्रलक्षकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) में 1 जुलाई, 1985 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कावाचार या अक्षमता के प्रावार पर बहस्त वा सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपेगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर धन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी अन्वित हैं जिनका कार्यकाल 1 जुलाई, 1985

से छ: महीनों के भूतपूर्व पूरा होना है) तथा जो भनुसूचित जातियों या भनुसूचित जन जातियों के हैं, या उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक;

- (16) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की घटविधि के दौरान भारत प्रवणत कर चुका था तो अधिक से अधिक दीन वर्ष तक;
- (17) यदि उम्मीदवार भनुसूचित जाति या भनुसूचित जन जाति का हो और भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी है जो पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 की घटविधि के दौरान भारत प्रवणत कर चुका था, तो अधिक से अधिक भाठ वर्ष तक।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छठ नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार के पास भारत के केंद्र या राज्य विधान प्रस्ताव द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय से या संसद के प्रविनियम द्वारा व्यापित या विश्वविद्यालय भनुवान आयोग भविनियम, 1956 के बाल्य 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य विकास संस्था से प्राप्त वरन्स्परि विकास, रक्षण विकास, मू-विकास, गणित, गणिती और प्राणि विकास में एक विषय के साथ स्नातक विद्यी व्यवस्थ होनी चाहिए व्यवस्था कृति विकास या इंजीनियरी की स्नातक विद्यी होनी चाहिए। टिप्पणी 1—कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीका दे दी है, जिसके पास करने पर वह आयोग भी परीका में बैठने का अधिक रूप से पाल होगा परन्तु उसे परीकाल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसे उम्मीदवार जो ऐसी व्यक्ति परीका में बैठने का इच्छुक है, आयु की परीका, में प्रवेश पाने का पाल नहीं होगा।

टिप्पणी 2—बिलेव परिस्थितियों में संच लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीका में प्रवेश पाने का पाल मान सकता है, जिसके पास उपर्युक्त प्रहृताओं में से कोई भी प्रहृता न हो वा वास्तविक तथा उस उम्मीदवार में अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीकाएं पास कर ली हों जिनके स्तर को बेजोड़ हुए आयोग उसको परीका में प्रवेश देने के लिए प्रावेदन करने उचित समझे।

7. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित कीस व्यवस्था देनी होगी।

8. जो व्यक्ति पहले से ही मरकारी गौकरी में आकर्त्यक या दैनिक वर कमचारी से इतर स्थाई या प्रस्थाई हैसियत से या कार्य प्रसारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे या जो लोक उच्चों के प्रतीर्ति सेवा कर रहे हैं उन्हें परिचन (प्रांडरटेकिंग) प्रत्युत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के प्रबंध को सुचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीका के लिये आवेदन किया।

उम्मीदवारों की आयोग द्वारा चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीका के लिये आवेदन करने/परीका में बैठने से सञ्चाल अनुमति दी गई हो तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीका में बैठने के लिये उम्मीदवार की पालता या अपालता के बारे में आयोग का निर्णय प्रतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार की रीका में तब तक नहीं बैठने विधा आयोग जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (प्रार्टिकिले अफ एवेनियन) नहीं होगा।

11. यदि किसी उम्मीदवार की आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिये दोषी पाया हो या दोषी वीचित कर दिया गया हो कि उसने—

- (1) किसी भी प्रकार से प्रत्यनी उम्मीदवारी के लिये समर्पण प्राप्त किया है, प्रवेश

- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, प्रथम
 (3) किसी ग्रन्थ व्यक्ति से छठम रूप से कार्य साधन कराया है,
 प्रथम
 (4) जाली प्रमाण—पत्र या ऐसे प्रमाण—पत्र प्रस्तुत किये हैं, जिनमें
 तथ्यों की विवाहा गया हो, प्रथम
 (5) गलत या शूट वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को
 छिपाया है, प्रथम
 (6) परीक्षा में अपनी उम्मीदवारी के लिये किसी ग्रन्थ प्रतियापित
 ग्रन्थ अनुचित उपायों का सहारा लिया है, प्रथम
 (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाये हैं, प्रथम
 (8) उत्तर-पुस्तकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अपलील
 भावा में या अभूत ग्राहण की हों, प्रथम
 (9) परीक्षा मध्यम में और किसी प्रकार का तुष्ट्यवहार किया हो,
 प्रथम
 (10) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों
 को परेशान किया हो या इन्हें किसी प्रकार की शारीरिक
 अति वृद्धिहीन हो, प्रथम
 (11) परीक्षा में प्रबोध हेतु उम्मीदवार की जारी किसी भी अनुबंध
 का उल्लंघन, या
 (12) उपयुक्त घट्टों में उल्लिखित सभी ग्रन्थों किसी भी कार्य
 को करने या कराने के लिये उक्साने का प्रयत्न किया हो,
 तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल आरोपणकृत)
 चलाया जा सकता है उसके साथ ही उसे :—
 (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में, जिसका वह उम्मीदवार
 है, बैठने के लिये अनन्हीं छहराया जा सकता है, प्रथम
 (ख) उसे अस्थाई रूप से ग्रन्थवा एक विनिष्ठ अवधि के लिए
 (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा ग्रन्थ
 चयन के लिये,
 (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नीकरी
 से अपवृत्ति किया जा सकता है, और
 (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है
 तो उसके विषद् उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक
 कार्रवाही की जा सकती है।

किन्तु यह यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक
 नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (i) उम्मीदवार को इस संघर्ष में लिखित अप्पायेदन, जो वह
 देना जाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
 (ii) उम्मीदवार द्वारा अनुगत समय में प्रस्तुत अभ्यायेदन पर, यदि
 कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने अनुसार अनुसूचित जातियों
 या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार हैं जो जातियों के लिये भारक्षित
 व्यक्तियों को भरने के लिये सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या
 में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साकालाकार के लिये नहीं बुलाये जा सकेंगे तो उसे
 आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साकालाकार के लिये बुलाएगा।

किन्तु यह यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों
 या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार हैं जो जातियों के लिये भारक्षित
 व्यक्तियों को भरने के लिये सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या
 में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साकालाकार के लिये नहीं बुलाये जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में छोटी देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन
 जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साकालाकार के लिये
 बुलाया जा सकता है।

13. परीक्षा के बाद आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कल अंकों
 के आधार पर योग्यता कम से उनकी सूची बनायगा और उसी कम से
 उन उम्मीदवारों में से जिसने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर
 योग्य समझा उसको इन व्यक्तियों पर नियुक्त करने के लिये अनुशंसा
 4—432GI/84

दी जायगी। ये नियुक्तियाँ जितनी अनारक्षित व्यक्तियों को भरने का
 निर्णय किया जाता है उसकी देखकर होंगी।

परस्त यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन
 जातियों के लिये भारक्षित व्यक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों
 अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों
 जो भारक्षित कोडा में कमी को पूरा करने के लिये आयोग द्वारा स्तर में
 छोट देखकर, जाहे परीक्षा के योग्यता कम में उनका कोई भी स्थान नहीं
 है तो, नियुक्ति के लिये उनकी अनुशंसा की जा सकेगी बासते कि ये
 उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को गरीबीफल की सूचना किस रूप में
 और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग
 परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्रान्तर नहीं करेगा।

15. परीक्षा में पास हो जाने पर नियुक्ति का अधिकार तब तक
 नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न
 हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में
 नियुक्ति के लिये हर प्रकार से योग्य है।

16. उम्मीदवार उक्त सेवा के जिस राज्य/संयुक्त संघों में आवंटन
 हेतु विचारण का इच्छुक है उसे उसके बारे में आवंटन प्रयत्न के कालम 24
 में अपना बौद्धित कम लिखना होगा। उसके द्वारा निविष्ट वरीयताओं
 में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जाएगा जब
 तक ऐसे परिवर्तन का प्रनुरोध आयोग के कार्यालय में उक्त परीक्षा के
 लिखित भाग के परिणाम के “रोजगार समाचार” में प्रकाशित की जारीब
 से 30 दिन के अवधर प्राप्त नहीं हो जाता है। आयोग या भारत सरकार
 उम्मीदवारों को कोई ऐसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन-पत्र
 प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न राज्य/संयुक्त संघों के लिये परिवर्तित
 जारीता निविष्ट करने को कहा जाए।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना
 चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिनमें
 वह संबंधित सेवा के व्याधिकारी के रूप में अपना कर्तव्यों को कुप्रलक्षणपूर्वक
 न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी, जैसी भी स्थिति
 ही द्वारा निर्धारित बाबटरी परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे
 में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है
 तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये आयोग
 द्वारा बुलाये गये उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा कराई जा सकती है।
 उम्मीदवार द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के लिये चिकित्सा बोर्ड को कोई शुल्क
 नहीं देगा।

नोट : कहीं निराश न होना पड़े इसलिये उम्मीदवारों की सलाह
 ही जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजन से पहले
 सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी विकल्पी अधिकारी से अपनी
 जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की
 डाक्टरी जांच होती ही और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना
 चाहिए, इसके बारे इन नियमों के परिषिष्ट-3 में दिये गए हैं। रक्त
 सेनाओं के भूतपूर्व विकलांग दंतियों की सेवाओं की आवश्यकताओं के
 और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान लड़ाई में विकलांग हुए
 तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा बल के कार्मियों
 की सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरी जांच के स्तर में छोट
 ही जाएगी।

पूछ उम्मीदवारों के लिये 4 घंटे में 25 किलोमीटर दूरी चलने की
 और महिला उम्मीदवारों के लिये 4 घंटे में 14 किलोमीटर दूरी चलने
 की स्वास्थ्य की दृष्टि से क्षमता की गई की ओर विशेषतः ध्यान आकर्षित
 किया जाता है।

18. ऐसा कोई पुरुष/स्त्री

- (क) जिसने किसी ऐसे स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो, जिसका
 पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या
 (ख) जिसकी पत्नी/पति जीवित होते हुए उसने किसी स्त्री/पुरुष
 से विवाह किया हो,

उक्त सेवा में नियमित का बाब नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे पुरुष/स्त्री तथा जिस स्त्री/पुरुष से उसने विवाह किया हो, उन पर लागू व्यक्तिगत कानून के अधीन ऐसा किया जा सकता हो और ऐसा करने के प्रत्यक्ष प्राप्तार हों तो उस उम्मीदवार को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती से पहले ही हिती का कुछ शान होना उन विभागीय परीक्षाओं की पास करने वाले द्वारा दिए गए जो उम्मीदवारों की सेवा में भर्ती होने के बाब देनी पड़ती है।

20. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिये भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त और परिशिष्ट-2 में दिया गया है।

एमो थी० केशवम, उप सचिव

परिशिष्ट-1

खण्ड-1

परीक्षा की रूपरेखा

भारतीय बन सेवा के लिये प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित हैं—

(क) लिखित परीक्षा—

- (1) दो अनिवार्य विषय अध्यात्म सामान्य अंगेजी और सामान्य शान [नीचे खण्ड-2 का उप-खण्ड (क) देखें] पूर्णांक 300
- (2) निम्नलिखित खण्ड-2 के उप-खण्ड (क) में दिये गये दोकलिक विषयों में से चुने गये विषय। इस उप-खण्ड की व्यवस्था के अधीन उम्मीदवार उच्चमें से कोई दो विषय ले। पूर्णांक 400

(ब) ऐसे उम्मीदवारों का, जो प्रयोग द्वारा साकारात्मक के लिये (इस परिशिष्ट की अनुसूची के बाग ब के अनुसार) बहाए जाएंगे का व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साकारात्मक।

खण्ड-2

परीक्षा के विषय—

- (म) अनिवार्य विषय [अपर खण्ड-1] के उप-खण्ड (क) (i) के अनुसार—

विषय	कोड सं०	पूर्णांक
(1) सामान्य अंगेजी	21	150
(2) सामान्य शान	22	150

- (ब) दोकलिक विषय [अपर खण्ड-1] के उप-खण्ड (क) (ii) के अनुसार—

विषय	कोड संख्या	पूर्णांक
हिन्दी विज्ञान	01	200
वानस्पति विज्ञान	02	200
रसायन विज्ञान	03	200
सिविल इंजीनियरी	04	200
भू-विज्ञान	05	200
हिन्दी इंजीनियरी	06	200
रसायन इंजीनियरी	07	200
गणित	09	200
योगिक इंजीनियरी	10	200
चीहकी	11	200
प्राणि विज्ञान	13	200

परन्तु उपर्युक्त विषयों पर निम्नलिखित वार्ताविधा लागू होगी—

- (1) कोई भी उम्मीदवार कोड 01 तथा 06 वाले विषयों को एक साथ नहीं ले सकेगा,
- (2) कोई भी उम्मीदवार कोड 03 तथा 07 वाले विषयों को एक साथ नहीं ले सकेगा।

नोट : ऊपर लिखे विषयों का स्तर और पाठ्य-विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के बाग 'क' में दिया गया है।

खण्ड-3

सामान्य

1. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंगेजी में ही लिखने होंगे।

2. उपर्युक्त खण्ड-2 के उप-खण्ड (क) और (ब) में उल्लिखित प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिये 3 बंडे का समय दिया जाएगा।

3. उम्मीदवारों को प्रश्नों का उत्तर घपने हावे से लिखना होगा। उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिये किसी समय व्यक्ति की सहायता नहीं दी जाएगी।

4. प्राप्तों घपने नियम से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के घर्षक घंटे (प्रदालीकार्य मास्क) निर्धारित कर सकता है।

5. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पहले लाभकारी नहीं होती तो उसे प्रत्यक्ष भिजने वाले कुछ घंटे में से कुछ घंटे काढ़ दिया जायेंगे।

6. प्रत्यावर्त्यक शान के लिये घंटे नहीं दिये जायेंगे।

7. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का अवधारणा किया जाएगा कि अधिक्षित कम से कम शब्दों में, कमबढ़, प्रभावपूर्ण दंग की ओर सही ही।

8. इन-पत्र में प्रावधारणक होने पर डेल प्रश्नों में दोष और मार्ग की दोहिक विवारी वर्णित करने ही कुछ वार्ता।

9. उम्मीदवारों की प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय खण्डों के अंतर्गतीय घंट (घण्ड-1, 2, 3, 4, 5, 6 घण्ड) का ही अवधारण करना जाएगा।

10. उम्मीदवारों की परम्परागत (घण्ड-2) ग्राकार के प्रश्न-पत्रों के लिये बहरी से उत्तर देने के लिये कौशलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। यहाँ वे उन्हें परीक्षा भवन में न आएं।

अनुसूची

खण्ड-4

सामान्य अंगेजी और सामान्य शान के प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिका) का उत्तर देने के लिये कौशलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते।

प्रत्येक विषय में प्रश्न-पत्रों का स्तर अनुभव भारतीय विश्वविद्यालयों और स्नातक उपाधि (पास) के समान होगा।

किसी भी विषय में प्राथमिक परीक्षा नहीं दी जाएगी।

सामान्य अंगेजी (कोड-21)

उम्मीदवारों को एक विषय पर अंगेजी में निवन्ध लिखना होगा। अव्यक्ति इस प्रकार से पूछे जायेंगे कि जिससे उसके अंगेजी माना के बाब तथा शब्दों के कार्य साधक प्रयोग की जात हो सके।

सामान्य शान (कोड-22)

सामान्य शान जिसमें सामयिक बढ़नामों का शान तथा प्रतिविधि के प्रेक्षण और यान्त्रिक की दृष्टी वालों का वैज्ञानिक वृष्टि से शान भी सम्मिलित है जिसकी दृष्टी विश्वविद्यालय से आणा की जा सकती है जिसमें किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न दिया गया है। इस प्रश्न-

पद में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिसका उत्तर उम्मीदवार को विशेष प्रध्ययन के बिना ही आना चाहिए।

नोट :—सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र में केवल वस्तुपरक प्रश्न होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित औरों के लिये कृपया प्रायोग के नोटिस के प्रत्युत्तम-2 में उम्मीदवारों के लिये मूचना विवरणिका दें।

कृषि विज्ञान (कोड-01)

उम्मीदवारों की नीचे खण्ड (क) और (ख) या खण्ड (क) और (ग) में दिये हुए प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

(क) कृषि-प्रथेशास्त्र

कृषि-प्रथेशास्त्र का वर्च तथा क्षेत्र, प्रध्ययन का महत्व तथा अन्य विज्ञानों से संबंध, भारतीय आर्थिक स्थिति में कृषि का महत्व, राष्ट्रीय प्राय में उसकी देन, अन्य वेष्टों से तुलना, भारतीय कृषि उत्पादन, विपणन, श्रम, उदार इत्यादि महत्वपूर्ण आर्थिक समस्याओं का प्रध्ययन।

फार्म प्रबन्ध के प्रध्ययन के तरीके, इसका वर्च तथा क्षेत्र, अन्य भौतिक तथा सामाजिक विज्ञानों से संबंध, फार्म प्रबन्ध की व्यवस्थाएँ और मूल सिद्धांत। फार्म के निर्वाचन के प्रकार और तरीके, भूमि, जल, श्रम और उपस्कर के सामग्री के प्रयोग का आयोजन, फार्म की आमता को मापने के तरीके, फार्म के हिसाब-किताब के प्रकार और उद्देश्य, फार्म के अधिलेख तथा लेख, वित्त लेखा-विधि उद्यम—लेखा-विधिपूर्ण तथा लागत लेखा-विधि।

(ख) सस्त विज्ञान

फसल उत्पादन—खरीफ की फसलों—ज्ञान, मक्का, ज्वार, बाजरा, मूँगफली, तिल, कपास, सनई मूँग, उड्डव का विस्तृत प्रध्ययन जो उनके प्रारम्भ, वितरण, बीज बालने योग्य भूमि तैयार करने, सुष्ठरी किस्म, बुधाई तथा बीजों के विभ्रण की मात्रा, कठाई, भंडारण, फसलों के भौतिक निवेश के स्वर्ग में हों।

रक्ती की महत्वपूर्ण फसलों, गेहूँ, जौ, जना, सरसों, ईव, तम्बाकू, बरसीम का विस्तृत प्रध्ययन, जो उनके उद्याम इतिहास, बटन, भूमि तथा जलबायु की आवश्यकतायें, बीज की क्यायियों की हीयारी, सुष्ठरी प्रकार की किस्में बोता, और बीज की मिश्र दर, कठाई, भंडार में रखने, फसलों के भौतिक निवेश के स्वर्ग में हों।

धास-पात और धान-पात नियंत्रण—धास-पात का वर्गीकरण, भारत प्रमुख धास-पात के प्राकृतिक बास तथा विशेषतायें, धास-पात के कुप्रभाव तथा उसके द्वारा पहुँचाई जाने वाली हानियां, धास-पात के बोने की प्रमुख एजेंसियों और धास-पात पर संवर्धन, जैविक और रासायनिक नियंत्रण।

सिंचाई और जल निकास के सिद्धांत—सिंचाई जल की आवश्यकता और लीट, फसलों को जल की आवश्यकता की मात्रा, साधारण जल की लिपटें, जल, जान, सिंचाई के जल को व्यर्थ जाने से रोकना, सिंचाई के तरीके और ढंग, प्रत्येक ढंग के साम और सीमायें। सिंचाई के जल की माप, पृथ्वी की नमी, पृथ्वी की नमी के विभिन्न प्रकार और उनका महत्व, जल निकास और इसकी आवश्यकता, जल की अधिकता के कारण जली पहुँचना, जल निकास के ढंग।

मूदा-विज्ञान और मूदा-संरक्षण

मूदा (सोपल) की परिभाषा, इसके मुख्य अंग, मूदा, प्रोकाइस, मूदा व्यविज कोलाइड्स, अन्यत विनियम आमता आधार और संतुलित प्रतिशत आयन विनियम, पौधे की बढ़ोत्तरी के लिए आवश्यक पौधक पदार्थ, भूमि में उनकी आकृति और पौधे के पोषण में उनका कार्य, मूदा जैव पदार्थ, इसका गलती और इसका भूमि के उपजाऊ होने पर प्रभाव। एसिड और क्षारीय, मिट्टी, ऊनवी बनावट और भूमि उद्धवार। भूमि गुणों पर आर्थिक व्यापों, हरी व्यापों और उर्भरणों का प्रभाव। साधारण नाइट्रोजन, काल्फाइक और पोटेशियल जर्वरणों के गुण।

यांत्रिक बनावट और भूमि की रखना, भूमि रखात्तर, भूमि संरक्षण, भूमि जल, भूमि जल के प्रकार, इसकी रुक्ते की किया, भूमि जल का सुलभ होना तथा भूमि जल की भाष्य। भूमि का तापमान, भूमि बायु तथा इसका महत्व, भूमि संरक्षण, इसके प्रकार, तथा भूमि के भौतिक रासायनिक गुणों पर उनका प्रभाव।

भूमि आकारिकी और भूमि का सर्वेक्षण—भूमि का दृष्टान्, मूदा बनाने वाली बट्टाएँ और खनिज, मूदा बनाने में उनका बटन और महत्व। बट्टानों तथा खनिजों का प्रयोग; मूदा बनाने के कारण और प्रक्रम, संसार के बड़े मूदा समूह, तथा उनका कृषि संबंधी महत्व। भारतीय मूदाओं का प्रध्ययन। मूदा का सर्वेक्षण तथा वर्गीकरण।

भूमि संरक्षण के सिद्धांत—मूदा का प्रपरदन, प्रपरदन के कारण, भूमि संरक्षण, शास्त्र तथा इंजीनियरी तरीकों से संबंधित मूदा के गुण, कृषि भूमियों के लिए भूमि से जल निकास की आवश्यकतायें तथा प्रचलित तरीके, भूमि प्रयोग का वर्गीकरण, भूमि संरक्षण, योजना तथा कार्यक्रम।

बनस्पति विज्ञान (कोड-02)

1. पावप जगत का सर्वेक्षण—पशुओं तथा पावपों में महत्व; जीवित प्राणियों के गुण; एक सैल तथा भूमिक सैल वाले प्राणी; वाहरस; पावप जगत के विभाजन का आधार।

2. आकारिकी—(1) एक सैल वाले पावप-सैल, इसकी बनावट तथा अंग, सैलों का विभाजन तथा गुण।

(2) भूमिक सैल वाले पावप—

संबंधी और संबंधी-रहित पावपों के तनों में विभिन्नता, संबंधी पावपों की बाहरी तथा सीतरी आकारिकी।

3. जीवन युत, नीचे विद्ये गये पावपों में कम से कम एक प्रकार के पावप का प्रध्ययन—जीवाणु, साइटाकाइसी, क्लोरीकाइसी, फियोकाइसी, रोडोफाइसी, फाइकोमीकाइट्स, एसकोमीसाइट्स, बेसीडाइया, बीसाइट्स, लिक्सोट्टस, काईया, डेसियोडोकाइट्स, जिमनोस्पर्मस और एंजीयोस्पर्मस।

4. वर्गीकरण—वर्गीकरण के सिद्धांत—एजीयोस्पर्मसे के वर्गीकरण के प्रमुख ढंग: निम्नलिखित प्रजातियों के भिन्न-भिन्न लक्षण तथा आर्थिक महत्व—मेमिनिया, साइटोमिनाए, पामेसिनाए, लिलीएसाई, मारकोंडेसीआई, मोरासीआए, लोरान्यासियाए, मगनोलियासामाए, लोराइसी, औसीफरिए, रोसासीएह, लेग्मूनासाई, रुटासीज, मेलियासीएह, यूफारेबियासेह, एनाकाडिएसाई, मालावासेह, प्रोटोसेह, एसलेडीसेह, डिप्टोकारपेसेह, मिरटेसेह, अम्बलीफरेलविएट्स, सोलेनाइसी, स्विडियासियाई, कुकरवाइट्साई, बरकानार-सेह और कम्पोजिटाई।

5. पावप-शरीर-किया-विज्ञान:—स्वपोषण, परपोषण, जल तथा पोषकों को भीतर लेना, वाष्पोसर्जन, फोटोसिन्थेसिस, खनिजपोषण, इवसन, वृद्धि पुतर्जन्म, पावप/पशु संबंध, सिम्बोलिसिस, परजीविता, एंजाइम, आक्सीमस, हामोग्लोबिन, फोटोप्रेसिरिडिज्म।

6. पावप रोग विज्ञान:—पावप रोगों के कारण तथा उपचार, रोगी अंग, वाहरस हीनताजन्म रोग, रोग से बचाव।

7. पावप परिस्थिति विज्ञान:—भारतीय पेड़-पौधों तथा भारतीय बनस्पति क्षेत्रों के विशेष संवर्धन में परिस्थिति तथा पावप भूगोल से सम्बन्ध बनियादी सिद्धांत।

8. सामान्य जीव विज्ञान:—कोशिकाविज्ञान, प्राणुशशिकी, पावप प्रजनन, मध्दसिज्ज, संकर घोज, उत्परिवर्तन विकास।

9. आर्थिक बनस्पति विज्ञान:—मानव कल्याण की दृष्टि से पावपों विशेषकर पुष्ट पावपों के आर्थिक प्रयोग जो विशेषतया इन वनस्पति उत्पादों में हों, खाद्याल, दालें, फल, चीनी तथा स्टार्च, तिलहन, मसाई, मेय, तन्तु, लकड़ी, रबड़ की दधाइया, और आवश्यक तेल।

10. बनस्पति विज्ञान का इसिहास:—बनस्पति विज्ञान से सम्बन्धित विज्ञान की जानकारी।

रसायन विज्ञान (कोड 03)1. अकार्बनिक रसायन विज्ञान

तत्वों का इलैक्ट्रोनिक विश्वास, आफ़बाऊ सिद्धांत, तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण। परमाणु क्रमांक। संकरण तत्व और उनके लक्षण में परमाणु और अधिनिक विज्ञान, अध्ययन विभव। इलैक्ट्रान, बंधन और विद्युत शृंखलामक्ता।

प्राकृतिक और कृत्रिम विधटनामिकता। नाभिकीय विद्युतन और संलग्न।

संयोजकता का इलैक्ट्रोनिक सिद्धांत, सिम्मा और पाई बन्ध के बारे में प्रारंभिक विचार, सहसंयोजी आवश्य की संकरण और विशिक प्रकृति।

बारनेर का समर्थ्य विकास, उपयनिष्ठ, धातु कर्माणीय तथा विपलण प्रचालनों में निहित सम्मिश्रणों का इलैक्ट्रोनिक विद्यास।

आक्सीकरण स्थितियाँ और अक्सीकरण संक्षय। सामान्य उपचायक तथा उपचायक आक्सीकरण। आयनिक समीकरण।

ल्यूइस और लस्टेन के अप्ल और आरसिद्धांत।

सामान्य तत्वों का रसायन विज्ञान और उनके आविष्ट जिनकी विशेष रूप से आवर्ती वर्गीकरण की दृष्टि से अधिक्रिया की गई हो। निष्कर्षण के सिद्धांत महत्वपूर्ण तत्वों का वियोजन (धौर धातुकी)।

हाइड्रोजन परायाक्साइड की संरचना डाइबोरेन, ऐलुमिनियम क्लोराइड तथा नाइट्रोजन, कास्कोरस, ब्लोरीन और गन्धक के महत्वपूर्ण आक्सी-रेसिड।

अक्रिय गैस: वियोजन तथा रसायन।

अकार्बनिक रसायन विश्लेषण के सिद्धांत।

सोडियम कार्बोनेट, सोडियम हाइड्रोक्साइड, अमोनिया, नाइट्रिक अम्ल, गन्धकीय अम्ल, सीमेण्ट, ग्लास और कृत्रिम ऊर्जरक्तों के निर्माण की रूप-रेखा।

2. कार्बनिक रसायन विज्ञान

सहसंयोजी आवधन की आविष्टिक संकलनाएं, इलैक्ट्रान, विष्यापन-प्रेरणिक मैसोमरी और प्रति संयुक्त प्रभाव। अनुनाव और कार्बनिक रसायन में उसका अनुप्रयोग। वियोजन स्थिरांक (डिसी-सिएशन कास्टेंट) पर संरक्षण का प्रभाव।

ऐकेन, एल्कीन और एल्काइन। कार्बनिक मिश्रण के स्रोत के रूप में पेट्रोलियम। एलिफिटिक मिश्रणों के सरल व्युत्पन्न, एल्डी-हाइड्रॉल, फ्लोटोन, अम्ल, हैलाइट एस्टर्स, ईथर, अम्ल, ऐनाड्राइट क्लोराइड और अमिड। एक्सारकीय हाइड्रोक्सी कीटनी और ऐमीनी अम्ल। कार्बनिक विश्वक मिश्रण और एसीटी-एसीटिक एस्टर। टार्किंस डिट्रिक, मैलाइक और फूर्मिटिक अम्ल। कार्बोहाइड्रेट वर्गीकरण और सामान्य अधिक्रिया ग्लूकोस, फल शर्करा और इथ शर्करा।

विशिष्ट रसायन: प्रकाशकीय और ज्यामितीय समावयता। संरूप की संकलन।

ऐकेल, ऐल्कीन और एल्काइन। कार्बनिक मिश्रण के स्रोत हैलाइट माइट्रो और एसीटोन मिथ्रण। बैन्जोइक सैन्सिक मैडेलिक और सल्फोनिक अम्ल। एरोमेटिक एलिफ्हाइड और कीटोन। डाइ-ऐजो, एजो और हाइड्रोजो मिश्रण। एरोमेटिक प्रतिस्पान। मैप्पर्सीन पिरिडोन और क्यूनोलिन।

3. भौतिक रसायन

गैसों और नियमों का गतिक सिद्धांत। मैक्सवेल का बेग वितरण नियम। बन देखान का समीकरण। संगत अवस्थाओं का मियम। गैसों का व्यावरण। गैसों की विशेष ऊर्जा। सी० पी०/सी० बी० का अनुपात।

ऊपरागतिकी

ऊपरागतिकी का पहला नियम। समतापी और लद्धोष्म प्रसार। पूर्ण ऊर्जा। ऊर्जा धारिता। उमरसायन—अधिक्रिया ऊर्जा विचार, विश्वयन और दहन। आवंत ऊर्जा की गणना। किरसोफ समीकरण।

स्वतः प्रवर्तित परिवर्तन का मानवधृष्ट। ऊर्जा गतिकी का इसरा नियम। इन्द्रापी मुक्त ऊर्जा। रसायनिक संतुलन का मानवधृष्ट।

ओल वायोमरण दाब वाय नाय को कम करना। वायप्रिमोक प्रवर्तन व्यवस्थाक वडाना। औल में अणुभार निश्चित करना। विलयों का संगुलन और वियोजन।

रसायनिक संतुलन। व्यवस्थान अनुपाती अधिक्रिया और समानी तथा विषमांगी संतुलन। ला-शात लिये नियम। रसायनिक संतुलन पर साप का प्रभाव।

विद्युत रसायन: फैराड विद्युत प्रवर्तन नियम, विद्युत प्रवर्तन की जालकता में तुर्योंकी जालकता और तनुता में उसका परिवर्तन; अल्प विलेप लक्षणों की विलेपता; लैविद्युत प्रवर्तनी वियोजन। औरस्टवाल्ड तनुता नियम, प्रवल विद्युत प्रवर्तनों की असंगति, विलेपता गुणनकल, अम्लों और क्षारकों की प्रवलता, लक्षणों का जल प्रवर्तन; हाइड्रोजन अयन की साप्रता, उमय प्रतिरोधन किया (बफर किया) सूचक सिद्धांत।

उत्कर्मणीय सेल। मात्रक हाइड्रोजन और कोलमेन इलैक्ट्रोड और रेडाक्स विमव। सान्द्रता सेल। पी० एच० का निर्धारण। अभिगमनाक पानी का आयनी गुणनकल। विश्व भूतक अनुपात।

रसायनिक व्यवस्थाविज्ञान। अणुसंख्यता और अधिक्रिया की कोटि। प्रथम कोटि की अधिक्रिया और दूसरी कोटि की अधिक्रिया। तापमान अधिक्रिया और दूसरी कोटि की अधिक्रिया। तापमानत अधिक्रिया। कोटि का निर्धारण अधिक्रिया। तापमानत अधिक्रिया की कोटि का निर्धारण संचालन। संकुल सिद्धांत।

प्रावस्था नियम: इसकी शब्दावलियों की व्याख्या। एक और वो घटक तत्त्व का अनुप्रयोग। वितरण नियम।

कोलाइड: कोलाइड विलयन का रामान्य स्वरूप और उसका वर्गीकरण, कोलाइड के विचार और गुणों की सामान्य रीति। स्फन्दन। रक्त क्रिया और स्त्रीक। अधिशोषण।

उत्प्रेरण: समांग और विषमांग उत्प्रेरण, विपाकत वर्षक।

प्रकाश रसायन: प्रकाश रसायन के नियम। सरल संक्षयात्मक।

सिविल इंजीनियरी : (कोड 04)1. भवन निर्माण कार्य सामग्री तथा उस सामग्री के गुण तथा सामग्र्य:

भवन निर्माण कार्य सामग्री—इमारती लकड़ी, पत्थर, हट, चूला, टाइल, सेढ़, सुरखी, मोर्टार तथा कंक्रीट, धातु तथा काढ़ इंजीनियरी प्रैक्टिस में प्रयुक्त होने वाली धातुओं और अयस्कों के गुण।

स्ट्रेस तथा का का सिद्धांत—वैरिंग। दारान तथा डाइरेक्ट स्ट्रेस शहरीरों के मुड़ने का इलेक्ट्रिक सिद्धांत, केल्वीय रूप से बोक्स पड़ने के कारण अधिकतम और न्यूनतम दबाव। वैरिंग मूर्मेंट और शिपर कोर्स के डायग्राम तथा टिपर और चलायमान दबाव के अधीन शहरीरों का विभेद।

2. भवन निर्माण, जल प्रदाय और सफाई से संबंधित इंजीनियरी :

निर्माण—हैंट तथा पत्थर की विजार्ड-विचार, फैरों तथा छत, जीने, लकड़ी के दरवाजों पर नक्काशी, छतें, दरवाजे खिड़कियां तेयार करना। प्लास्टर, प्लाइटिंग, पेट तथा बारिनिश आदि से संबंधित अन्तिम कार्य।

मूदा यांत्रिकी (सोइल मैकेनिक्स) मूदा और उससे संबंधित ऊर्जा, भारवाहन अमता और भवनों तथा निर्माण की बुनियादी डिजाइन बनाने के सिद्धांत।

भवन निर्माण सम्बन्धी अनुमान तेयार करना—जल की सिद्धांत इकाईयां, भवनों के लिये उनकी मात्रा निर्धारित करना तथा होने वाले व्यय तथा महत्वपूर्ण भवनों के विवरण तेयार करना।

जल प्रदाय—पानी के श्रोत विशुद्धता के मानक, शुद्ध करने की प्रणालियां, जल प्रदाय के दंग, पम्प तथा बुस्टर आदि की रूप रेखा सेयार करना।

सफाई—नवी नालियां, तुकान से बड़े हुए पानी के लिए और मकानों के लिए अपेक्षित, नालियों की आवश्यकतायें जांचना, सेटिंग टैक ऊम्होफ टैक, कचरे की रखने के लिए खाइया तैयार करना—एकटीवेटेट स्लाज पद्धति।

3. सड़क तथा पुल:

सर्वेक्षण तथा संरक्षण (अलाइटमेंट)—रोजमार्ग के लिये अपेक्षित सामग्री तथा उनके विनियोग, डिजाइन के सिद्धांत, नीचे तथा पटरियों की थोड़ाई, कम्बर, शेडिंग्ट, मोड़ और सुपर एलिवेशन, रिटेनिंग वाल्स।

निर्माण—कच्ची सड़कें, स्थिर तथा पानी के बने हुए मेकडम सड़क, विट्रूमिन्स, तलीवाली तथा कंकीट सड़कें, सड़कों पर नालियां, पुल—उनके प्रकार, इकोनोमिकल स्पेन, आई० आर० सी० लॉडिंग, छोटे पुलों के ऊपरी ढाँचों के डिजाइन बनाने, पुलों के पाया तथा पायर, यह तथा हुए की नीचे तथा डिजाइन तैयार करने के सिद्धांत तैयार करना।

सड़कों और चहल के लिए मिट्टी के काम का प्रारंभकलन।

4. संरचना इंजीनियरी

इसपात के ढाँचे—अनुमत ढाँचे, साधारण शहरीय तथा तैयार किए गए स्टेप और साधारण छत के द्रूस और गार्डरों के डिजाइन तैयार करना, स्तम्भों के आधार तथा ढाँचों और से बीच से दबाव पड़ने वाले स्तम्भों के लिए ढाँचे बनाना—विटकनी लगे, रिपट लगे हुए और बेल्ड किए हुए जोड़।

आर० सी० सी० कट्टूक्कर (ढाँचे)—युक्त सीमान का विवरण—अपेक्षित मजबूती और उसके हिसाब से उनके प्रयोग आवश्यक करना। डिजाइन हॉलस के लिए भारतीय मानक संस्थान के मानक/आर० सी० सी० के व्यायों में अनुमत स्ट्रेस जोड़, सीधी बिंडिंग स्ट्रेस के अनुसार हो। साधारण रूप से राहगेर के साथ लटकते हुए कैन्टीलीवर लट्टू, बौद्धी तथा टी० श्रकल के लट्टू जो फाँसी, छतों और लिटल में प्रयुक्त होते हों—बारों और से दबाव सहारने वाले स्तंभ तथा उनके आधार।

मू—विज्ञान : (कोड 05)

1. सामग्री मू—विज्ञान :

पृथ्वी की उत्पत्ति, बाल और आत्मिक भाग, विभिन्न मू—विज्ञानिक एजेंसियों और स्थलकृति, अपवाय और अपरखन (रोजन) पर उनका प्रभाव, मूदा के प्रकार, उनका वर्गीकरण और मारत के मूदा समूह, भारत के मू—प्राकृति उप—भाग, बनस्पति और स्थलकृति ज्यालामुखी, घूर्कम्प, पर्वत पट्टि विरूपण।

2. संरचनात्मक मू—विज्ञान :

आनेय, प्रवसादी और कायान्तरित, बट्टाने, नति, नति लम्ब और लालान बलन, झंश और विषेम विन्यास और व्यव्यायों पर उनका प्रभाव, मू—विज्ञानिक सर्वेक्षण और मानविज्ञन की विधियों के संबंध में प्रारंभिक ज्ञानकारी।

3. क्रिस्टल विज्ञान और खनिज विज्ञान :

क्रिस्टल समिति के बारे में प्रारंभिक ज्ञानकारी, क्रिस्टल विज्ञान के नियम, क्रिस्टल, वी प्रकृति और अमलन (ट्रिविनिंग)। मूर्मम खनिजों, महत्वपूर्ण शस्त्र रथन, रासायनिक संषटन, भौतिक गुण, प्रकाशिक गुण घर्म परिवर्तन और व्याणियिक उपयोग संबंधी अध्ययन।

4. आर्थिक मू—विज्ञान :

भारत के महत्वपूर्ण खनिजों और उनकी उपस्थिति की अवस्था का अध्ययन। अग्रस्क निषेधों का उद्धरण और वर्गीकरण।

5. गैल विज्ञान :

आनेय, घबसादी और कायान्तरित बट्टानों तथा उनके उद्धरण और वर्गीकरण का प्रारंभिक ज्ञान। बट्टानों के सामग्री प्रकारों का अध्ययन।

6. स्तर कम—विज्ञान :

स्तर कम—विज्ञान के नियम; मू—विज्ञान अभिलेखों का असम, वैशानिक और कालामूक्तम उप—विज्ञान। भारतीय स्तर कम विज्ञान की महत्वपूर्ण विशेषताएं।

7. जीवाशम विज्ञान :

जीवाशम विज्ञान संबंधी आधार सामग्री का विकास से संबंध। जीवाशम (फासिस) उनका स्वरूप और उनके परिक्षण की विधि। प्राणी जीवाशमों और पायप जीवाशमों की मिलपूर्ण आकृतियों के आकृति विज्ञान और विज्ञान की प्रारंभिक ज्ञानकारी।

कृषि इंजीनियरी (कोड—06)

1. मूदा तथा जल संरक्षण : मूदा संरक्षण की व्याख्या तथा उसका क्षेत्र, भूरक्षण के प्रकार तथा जल विज्ञान, उनके कारण, जल विज्ञान सम्बन्धी व्यक्ति, वर्षा तथा जलवाह ऊपर प्रभाव डालने वाले तथा तथा उनके आकार, स्ट्रीम गार्डिंग, वर्षा के जलवाह का मूल्यांकन, भूरक्षण पर नियंत्रण के उपाय, जैविक तथा इंजीनियरी।

मूलभूत खुले हुए जलमार्गों की बनाना। मूदा संरक्षण सम्बन्धी ढाँचों, टैरेस बांध, नालियों तथा धास उपरी हुए पानी के निकास के मार्गों का डिजाइन बनाना, बाढ़ नियंत्रण के सिद्धांत। बाढ़ के पानी की निकासी के लिए मार्ग बनाना, फार्म के लिए तालाब तथा मिट्टी के बांध तैयार करना, नवी के किनारों पर भूरक्षण तथा उसका नियंत्रण, धार्य—जनित भूरक्षण तथा उस पर नियंत्रण। जल संचरण की वेखाला के सिद्धांत।

नवी धाटी परियोजनाओं से संबंधित जाँच तथा योजनाओं को तैयार करना।

2. सिंचाई तथा इनेज़ :

मूदा, जल पौधों के पारस्परिक संबंध, सिंचाई के स्रात तथा प्रकार। सघु सिंचाई परियोजनाओं की योजना तथा डिजाइन तैयार करना, मिट्टी की नमी का पता लगाने की तकनीक।

जल के उपयोग। फसलों के लिए जल की आवश्यकता। मिचाई का परिमापन तथा उसका व्यय। रेंध्रों, नालों, तथा नालियों द्वारा जल प्रभाव नापने की प्रणाली। सिंचाई प्रणालियों की रूपरेखाएं बनाना। नहरों, क्षेत्रों की नालियों, पाइप लाइनों, हैण्ड प्रेट्स, डाइवर्जन बाक्स स्ट्रॉकर तथा रोड कारिंग के डिजाइन बनाना तथा उनका नियमण करना। भू—जल प्राप्ति। कुओं की द्रव इंजीनियरी, कुओं के प्रकार, उनके नियमण तथा उनकी खुवाई की प्रणाली, कुओं के विकास। कुओं की टेस्ट करना।

इनेज—परिमाण—जलाकांत के कारण। इनेज के ढंग। सिंचाई की जाने वाली भूमि में नालियों की बनाना। जल तथा भूमि से नीचे नालियों बनाने के डिजाइन तैयार करना।

3. नियमण सामग्री—नियमण सामग्री के प्रकार—उनके गुण शर्म :

टिस्टर, लिंक, बर्स तथा आर० सी० कस्ट्रूक्शन, शहरीयों, छतों के जोड़ तथा स्तम्भों के डिजाइन तैयार करना। फार्म स्टेन्ड की योजना बनाना, फार्म बाउसेज, पशुशाला तथा भंडार के लिए ढाँचों का डिजाइन बनाना। प्रामाणी जल प्रदाय तथा सफाई की व्यवस्था।

4. फार्म विद्युत तथा मशीनरी :

पिण्ड—पिण्ड प्रकार के आतंरिक वहन इंजिन लगाना। आतंरिक वहन इंजिनों का बातामूक्तम तथा नियंत्रण तथा उनमें तेल डालना और उनके लिए वहन की सामग्री उपलब्ध करना। ट्रैकटरों के बेसिस, ट्रॉसमिशन और स्टीयरिंग के भिन्न-भिन्न प्रकार। प्रारंभिक तथा माध्यमिक जुताई के लिए हृषि की मशीनरी, बीजने की मशीनरी, गुणार्द्दि के भ्रीजार आदि। पीछों के संरक्षण का सामान। फसलों की कटाई, धनाज गाहने के भ्रीजार भूमि विकास के लिए मशीनरी पम्प मशीनरी।

5. विजली तथा ग्रामों में विजली उपलब्ध करना :

विजली लैयार करना तथा उसका विनरण, ५० सी० तथा ६० सी० सर्किट ।

फोर्म में विजली ऊर्जा के उपयोग । हृषि में प्रयोग होने वाले विजली के मोटर, उनके प्रकार संबंधी लगान, उन्हें लगाना तथा उनकी वेष्टरेक ।

रसायन इंजीनियरी : (कोड—07)

1. परिवहन की घटनाएं (स्थिर स्थिति के प्रधान) :

(क) मोमेटम ट्रांसफर ।

(1) बहाव के विभिन्न ढंग तथा उनके मापदंड ।

(2) बैलोसिटी प्रोफाइल ।

(3) फिल्ट्रेशन, सेल्समेटेशन, सेंट्रीफ्यूज ।

(4) तरल पदार्थों में ठोस, पदार्थों का बहाव ।

(ब) ऊर्जा स्थानान्तरण : ऊर्जा स्थानान्तरण के विभिन्न डाइमेशन ढंग, चैपट, बेलताकार, बार्गाकार, एकमात्र तथा मिश्रित भीशी, की तहों के लिए गति भापना ।

कन्वेक्शन—फोर्स और फोर्स कन्वेक्शन में प्रयुक्त विभिन्न डाइमेशन रहित सूप ।

अलग तथा पूर्ण रूप से स्थानान्तरण का रूप निर्धारित करना ।

वाय्वोकरण—विकीकरण—स्टेफन, बोल्टजमैन का नियम—एमिसिविटी तथा एवजेपिटीविटी ऊर्जान्विकल सेप फैक्टर अट्रियो में ऊर्जा के व्यावर का हिसाब लगाना ।

(ग) सहित स्थानान्तरणीय गैसों तथा तरल पदार्थों का विमरण । एवजोपर्सन, (डिगोपर्सन), हुमिडिफिकेशन, डोह्यामिडिफिकेशन इहां तथा डिस्टीलेशन । मोमेटम हीट तथा भाप और ट्रांसफर के मेंद ।

2. ऊर्जा गतिकी :

(क) ऊर्जा गतिकी के प्रयम और तृतीय नियम ।

(ख) एन्टरल एनर्जी, एम्प्राकी, एन्थालपी और स्वतंत्र ऊर्जा निर्धारण । सजातीय तथा विजातीय सिद्धांतों के लिए कैमिकल इविलिप्रियम कॉटेट निर्धारित करना । दहन डिस्टीलशन तथा ऊर्जा स्थानान्तरण में ऊर्जा गतिकी का उपयोग तरल पदार्थों—ठोस और तरल पदार्थों तथा ठोस पदार्थों के मिश्रण के सिद्धांत तथा मैकेनिजम ।

3. प्रतिक्रिया इंजीनियरी :

(1) बलगतिका सजातीय और विजातीय प्रातिक्रियाएं, प्रथम और द्वितीय प्रकार की प्रक्रियाएं, बच तथा किलो-रिएक्टर तथा उनके डिजाइन ।

(2) केटलेसिस—केटलेसिस का चुनाव तैयारी ।

मैकेनिजम पर आधारित केटलेसिस का मिक्रोनक रूप ।

4. ट्रांसपोर्टेशन :

सामग्री, विशेषतः पाउडरों, रेजिन, उड़ जाने वाले तथा न उड़ने वाले पदार्थ, एम्लेन और डिस्ट्रिशन, पिंपों, कम्प्रेशन तथा सुलोप्रस एकत्रित करना तथा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना । मिक्सर-इव-इव; धन-इक्सन, धन-धन के लिये विभिन्न मिक्सरों को मिलाने की प्रक्रिया तथा सिद्धांत ।

5. सामग्री

वे सामग्री जिनसे रासायनिक उद्योग में निर्माण की सामग्री का चुनाव किया जाता है । धातु और एलाय, चीनी मिट्टी, प्लास्टिक तथा रबर, इमारती लकड़ी तथा उससे बनी चीजों, प्लाईवड लमिनेट ।

बाट और बैरल फिल्टर प्रेसेज आविष्कार के निर्माण के लिए उपस्थक तैयार करना ।

6. बैंडीकरण तथा प्रक्रिया नियमण :

यांत्रिक हाइड्रोक्सेरिक न्यूमेट्रिक, थर्डल, माटिकल, गेनेटिक, इलेक्ट्रिकल तथा इलेक्ट्रोनिक औजार नियमण तथा नियमण के हंग, आटोमेशन ।

गणित (कोड—09)

भाग—‘क’

बीज गणित :

समुच्चय (सैट्रस)—बीज गणित, सम्बन्ध तथा फलन (फंक्शन) फलन का प्रतिलोम, मिश्रित फलन, तुल्यता सम्बन्ध ।

संख्या :

पूर्ण संख्या, परिमेय संख्या, वास्तविक संख्या, (गुणधर्मों के विवरण) सम्मिश्र संख्या, समिक्षण का संख्याओं का बीजगणित ।

समूह :

उप समूह, प्रसामान्य उप समूह, चक्रीय तथा क्रमचय समूह, लागरेज की प्रमेय, प्राइमो-फिल्यम । परिमेय, इंडेपेंस की डी-मोइवरस प्रमेय तथा इंसके साधारण प्रयोग ।

समीकरण के सिद्धांत—बहुपदीय समीकरण, समीकरण का रूपान्तरण, बहुपदीय समीकरणों के मूलों तथा गुणांकों के बीच संबंध, सिधात तथा चतुर्भास समीकरणों के मूल । समिति फलन, मूलों का स्थान निर्धारण तथा मूल निकालने का पूर्ण का सिद्धांत ।

आव्यूह, (मेट्रिसेज), आव्यूहों—सारणिकों का बीजगणित, सारणिकों का साधारण गुण घर्ष, सारणिकों का गुणसफल, सह खंड आव्यूह, आव्यूहों का प्रतिलोम, आव्यूहों की जाति, रेखिक समीकरण के हुल निकालने के लिए आव्यूहों का प्रयोग (तीन आव्यूह संख्याओं में) ।

प्रसमताएं: गणित तथा ज्यामितीय माध्य, कोशी, स्वार्ज, प्रसमत (केवल परिमित संख्याओं के लिये) ।

द्विविम छोर त्रिविम की विश्लेषिक ज्यामिति

द्विविम का विश्लेषिक ज्यामिति—सीधी रेखाएं, युग्म सरल रेखाएं, वृत्त, निकाय, शीघ्रवृत्त, परवलय प्रतिपरवलय (मुच्याक के नाम से, लिंबिट) । द्वितीय प्रश्न के समीकरण का मानक रूप तक लघु करण । नियाएं तथा अविलम्ब ।

त्रिविम की विश्लेषिक ज्यामिति

समतल सीधी रेखाएं तथा गोलक (केवल कार्तीय नियंत्रांक) । फलन प्रोर विभिन्न समीकरण ।

फलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणित—सीमांत की संकल्पना, वास्तविक चर फलन का संतोष और प्रवकलनीयता, मानक फलन का प्रवकलन, उत्तरोत्तर प्रवकलन । रोल का प्रमेय । मध्यसामान्य—प्रमेय, वैकलारित और टलर शीरिज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका प्रतुप्रयोग; परिमेय सूक्ष्मांकों के लिए द्विपदमारण, चर्यातीय प्रसरण, लघुगणीय लिकोणमितीय और भ्रति परवलयिक फलन । अनिर्धारित रूप, एकल चर फलन का उच्चिष्ठ और अतिप्रिष्ठ, स्पर्श रेखा, अभिलम्ब, अधारस्थानी, अधोलम्ब, प्रतनस्तरीय धनकान (केवल कार्तीय, नियंत्रांक) जैसे ज्यामितिय प्रतुप्रयोग । एनवेलप आशिक प्रवकलन । सामग्री फलनों से सम्बन्धित आपलर प्रमेय ।

समाकलन—गणित इंटीग्रल (कैलकुलस)

समाकलन की मानक प्रणाली, सतत फलन के नियित समाकलन की रीमान परिभाषा । समाकलन गणित के मूल सिद्धांत परिवोष्टम, सेक्रेटरेक, धनात्मक और परिक्रमण धनात्मक का पृष्ठीय का क्षेत्रफल । संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्पसन का नियम ।

अनुक्रम और सीरीज का अभिसरण, वन संख्याओं के साथ सीरीज प्रभिसरण का परिष्कार । अनुपात, मूल, और गैस परीक्षण । एकात्मर श्रेणी ।

अवकलन समीकरण—प्रथम कोटि के मानक अवकलन समीकरण का हल निकालना । नियम गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि का रेखिक समीकरण का हल निकालना । वृद्धि और छय की समस्याओं का सरल प्रतुप्रयोग । सरल प्रांत गति, सरल लोलक तथा उसके समदिशा ।

भाग 'ब'

यात्रिकी (बेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)

त्विति विज्ञान—बल का निरूपण, बल समानास्तर चतुर्भज, बल, संयोजन और बल वियोजन और समतलीय तथा सामानी बलों को साम्यावस्था की स्थिति । बल विमूज । जातीय और विजातीय समतरतर-बल । मात्रूण् । बल युग्म । समतलीय, बलों का साम्यावस्था की सामान्य स्थिति । साप्ताहारण तर्बों के गुरुत्व केन्द्र । स्पैटिक घर्षण । साम्य घर्षण और सीधात घर्षण । घर्षण कोण । रुक्ष आनंद समतल पर के कण की साम्यावस्था । सरल निमेय । साप्ताहारण मरीन (उत्तोलक घिरनी की निरंदेश पद्धति गियर) कल्पित कार्य (यो आयामों में) ।

गति विज्ञान शुद्ध गतिविज्ञान—कण का त्वरण, वेग, आज और विव्यापन, आपेक्षिक वेग । निरन्तर त्वरण की ग्रविट्या में सीधी रेखा गति एक्टन के गति सम्बन्धी सिद्धांत । संकेत्र कक्षा सरल प्रसवदा गति । (निर्वात में) गुरुत्वावस्था में गति । आपेक्षक कार्य और कर्जा । रैखिक संवेग और कर्जा का संरक्षण । एक समान बर्तल गति ।

खगोल विज्ञान

गोलीय लिंगोण मिति—ज्या एवं कोटिज्या फार्मूला । समकोण गोलीय लिंगोणों के पृष्ठ ।

गोलीय लिंगोण मिति—ज्या एवं कोटि ज्या फार्मूला । और उसका रूपान्तरण । रैखिक गति मकान समय, सीधे समय, सौर समय और मानक समय, समय समीकार । सूर्य और मकानों का उत्तर और ग्रस्त, लिंगित गति । खगोलीय ग्रपवर्तन । सांघ्रय प्रकाश, लक्षण घारपरण, पुरस्मरण और विदोलन । केपलर के नियम । ग्रह कक्षा और स्थलगति । खगोलीय कल्पनास्टेन प्रेषण यह । सांख्यिकी

प्रायिकता—प्रायिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय परिभाषा, संचयात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गुणन सिद्धांत, संप्रतिवर्षष प्रायिकता । यादृच्छिक चर (विवित और प्रवर्तित), यस्त फलन, गणितीय प्रताशा ।

मानक वितरण—हिपर-परिभाषा माध्य और प्रसरण वैज्ञानिक सीमान्त रूप, सरल ग्रन्तप्रयोग । व्यासी—परिभाषा माध्यम और प्रसरण घोष्यता उपलब्ध ग्राकड़ों में व्यासी बंदन का सम्बन्ध सामान्य—सरल समानुपात और सरल ग्रन्तप्रयोग उपलब्ध ग्राकड़ों में सामान्य और प्रसामान्य बंदन का सम्बन्ध ।

हिपर वितरण—सह संबंध, दो चरों का रैखिक समीक्षण, {सीधी रेखा का सम्बन्ध, परवलयिक और चल घानाकी, वक्र, सह संबंधित गुणों के गुणक ।

सरल प्रतिवर्षष वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण ।

यादृच्छिक प्रतिवर्षष । सांख्यिकी! प्रतिवर्षष बंदन और मानक बूटि मध्यपदों के अन्तर की ग्राह्यता के परीक्षण में प्रसामान्य टी० सी० एच० शाई० (i)२ और एफ० का सरल वितरण ।

नोट :—

उम्मीदवारों को पाद्य विवरण के भाग "क" में से तीन विषयों में से नामतः (1) शीज गणित (2) द्विविम और त्रिविम विशेषिक व्याप्तित तथा (3) कलन (कलकूलस) और विभिन्न समीकरण प्रत्येक पर, एक-एक प्रश्न का उत्तर देना ग्रन्तिवार्य होगा । पाद्यविवरण के भाग 'ब' में से तीन विषयों में से नामतः (1) यात्रिकी, (2) खगोल विज्ञान और (3) सांख्यिकी, किसी एक पर कम से कम प्रश्न का उत्तर देना ग्रन्तिवार्य होगा ।

मिकेनिकल इंजीनियरी :*(कोड—10)

1. पदार्थों की शक्ति :

स्ट्रेस तथा स्ट्रेन—दृक का नियम तथा इलास्टिक कॉस्ट्रॉस के शीज के संबंध—टेन्शन व कम्प्रेशन बार्ज तथा तापमान में परिवर्तन के हारण हुए स्ट्रेस ।

ग्राहारण लदान के लिये सामान्य सहारों के माध्य लटकते हुए और कल्टीलिवर बीम्स के बंकन ग्रापूर्ण, ग्रपरूपक बल और विभागण ।

राउंड बार्ज में टार्फन—

स्पैटर द्वारा बिजली पारेशन—स्प्रिन्ग ।

समिलित बंकन धीरे सीधे प्रतिबल तथा समिलित व टार्फन के सामान्य मामले ।

फल्पोर की इलास्टिक व्योरी—स्फस कम्पेन्डेशन तथा केडीग ।

मरीनों और वीन डिजाइनों का सिद्धांत :

मरीनों में पुजारी की सापेक्ष बेलोसिटी तथा गणना करके विद्याना ।

ईंजनों के लक एफटर ड्राइव मॉर्ट ल्यूस्स की गति विविदता । गवर्नर्ट—वेस्ट ब्राइव द्वारा पारेशित बिजली जनरल तथा अस्ट वियरिंग बल तथा रोलर वियरिंग की फिक्शन तथा सुरक्षिकेशन । फासिंग और लार्किंग डिवाइस के डिजाइन बनाना—रिबट लगाए हुए बोल्ट और बेल्ड लिये हुए जोड़ों और फासिंग के लिये मालायें ।

3. प्रयुक्त कल्पा गतिका :

ईंजन घटन—बायू दूरी—ईंजन तथा निकास गैस का विप्रवेषण ।

ब्लायलर्ट, सुपर हीटर्स तथा इकोनोमाइजर्ट—ब्लायलर द्वापास ।

बायूके भौतिक गृह ग्राम ।

बायू सारणियों और उसके उपयोग ।

कल्पा गतिकी के नियम—सी स नियम—गेसों का विस्तार तथा संपीडन बायू समीकृत ।

मावर्ष और बास्टिक ईंजन कम ।

तापमान का उपयोग—एस्ट्रोपी, ताप-एन्ट्रोपी तथा प्रेशर ब्ल्यूम चार्ट और आयग्राम ।

साधारण बायू ईंजन और प्रतिरिक्त बहन वाले ईंजन ।

सूचक और सूचक बायग्राम—यांकिक । तापीय, बायू मालक और बास्टिक घोलाताएं—सामान्य नियम—ईंजन द्वायल और ताप संतुलन ।

4. प्रोइक्शन इंजीनियरी :

आम मरीन औजार—सेप, शेपर्स, ब्लेसर्स, ड्रिलिंग मरीनों के प्रबलन सिद्धांत—मिलिंग मरीन, ग्राइंडिंग मरीनों—बिंग तथा फिल्सचर । धातु काढने वाले औजार—प्रौजार सामग्री—प्रौजार व्यामिति ।

कटिंग फोर्स—शपवर्स ब्लौलस ।

बेर्लिंग—संबंधीयता और विधिल बेर्लिंग प्रक्रियार्थ—बेल्डों का टेस्ट करना ।

फारिंग प्रासेस—डाटुप्रौजों का मोलिंग, कार्टिंग, फोर्जिंग, रोलिंग तथा ब्राइंग ।

मायिकी—लाइनियर तथा एंगुलर परिमाण—सीमाएं तथा आक्षेप । झूंझू और गियर का परिमाप—सफस किनिश—प्रकाशकीय घंटा ।

प्रौजोगिक इंजीनियरी—प्रणाली प्रध्ययन और कार्य मापन—गति समय संबंधी तथ्य कार्य मूलता—कार्य मूल्यांकन, मजबूरी और प्रोत्साहन आयोजन, नियन्त्रण, संयंत्र की रूपरेखा ।

तरल यात्रिकी और पन विजाती :

बरलोली का समीकरण—मूलिंग लेट तथा ईम्स—पम्प और टर-बाइन । प्रसिक्षण नियम, प्रयोग और विशिष्ट ब्रक समानता के सिद्धांत, गवर्निक जलीय संचायक और तीव्र—फैल और लिफ्ट सर्ज टैक और रिजवर्स ।

मायिकी : (कोड 11)

पदार्थ के सामान्य गुण और यात्रिकी :

पूनिट और विपार्श, ल्केलर और बेक्टर मालाएं, जड़त्व ग्रापूर्ण कार्य कर्जा और संवेग/यात्रिकी के मूल वियम, चर्ची, गति, गुरुत्वाकर्षण, सरल प्रायत, गति, सरल और ब्रसरल लोलक, टैटर लोलक, प्रस्तावता—पुस्त तवाय, इव के श्यामता, रोटरी पर्य, बल्लसिल्ड गज ।

३. द्वान :

प्रबन्धित, प्रणोदित और मुक्त कपम, तथा गति आप्लर प्रभाग छवनि तरंग देग, किसी गैस में छवनि के देग पर दाढ़, तापमान, भाइता का प्रभाव, डोरियों छड़ों, प्लेटों और गैस स्टम्पों का कम्पन, अनुनाद, विस्तृद, स्थिर तरंग, छवनि का तापमान और उसका मापन; तारीय प्रसार, गैसों में समतापी पराश्रव्य के मूल तत्व, प्रामोक्त और लाकड़ सीकरण के प्रारंभिक सिद्धांत।

३. ऊम्हा और ऊम्हा गति विज्ञान :

तापमान और उसका मापन: तारीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा रघोष (ऐडियोटेक) परिवर्तन/विशिष्ट ऊम्हा और उसमा चालकता, व्यव्य के अणुसति सिद्धांत में तत्व बोल्टसमत के वितरण नियम का भीतक थोक; बाहुर बाल की अवस्था समीकरण; जुल आम्पसन प्रभाव; गैसों का व्यवण, ऊम्हा इंजन; कालों प्रभय, ऊम्हा गति विज्ञान के नियम और उनके सरल अनुप्रयोग, कृणिका विकिरण।

४. प्रकाश :

ज्यामितीय प्रकाशकी, प्रकाश का देग, समतल और गोलीय पूँछों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन, प्रकाशीय प्रतिक्रियों में दोष और उनका निवारण; नेत्र और अन्य प्रकाशिक वंश का तरंग सिद्धांत; व्यतिकरण सरल व्यतिकरण मापी विवरण: विवरण, डेटिंग प्रकाश का घृणन। स्पेक्ट्रम विज्ञान के तत्व।

५. विद्युत और चुम्बकत्व :

सरल मामलों में विद्युत ध्रुव तीव्रता और विभव का परिकलन, गाउस प्रेसेय और उसके सरल अनुप्रयोग; विद्युत गार्पी, विद्युत ध्रुव के कारण ऊर्जा व्यव्य के बैश्य और चुम्बकीय गुण धर्म, हिल्टेरिसित चुम्बकीता और चुम्बकीय प्रवृत्त धारा से उत्पन्न चुम्बकीय ध्रुव मूर्खिय मैग्नेट एवं मूर्खिय, क्षायल ग्लैबेनोमीटर; धारा और प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव सक्टिएट ऐसिमेंट्स के गुण धर्म और उनका निवारण; ताप विद्युत प्रभाव; विद्युत चुम्बकीय प्रेरण—प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन, ट्रांसफार्मर और मोटर। इलेक्ट्रोनिक वाल्व और उनके सरल अनुप्रयोग।

बोर के परमाणु सिद्धांत के तत्व इलेक्ट्रोस; फैयोड-ए और एक्स-ए इलेक्ट्रोनिक आर्ज और व्यव्यमान का मापन।

प्राणि विज्ञान : (कोड 13)

प्राणि जगत का प्रमुख समूहों में वर्गीकरण; विभिन्न वर्गों के विशिष्ट स्वरूप।

रज्जु रहित (नान-कार्डेंट) किस्म के प्राणियों की बनावट, धावत और जीवन-वृत्त।

भ्रमीवा, मलेरिया—पर जीवी। संज, लिपरप्लू, कीता हृष्मि; गोल हृष्मि, केंचुप्रा, जोंक, तिल छटा; गृह मक्खी, मच्छर, बिंचू ताजे पानी का मस्तल, ताल घोंचा, दार फिंग (केवल जाहू-संक्षण)।

कीटों का प्रार्थिक महत्व। निम्नलिखित कीटों की परिस्थित और जीवन वृत्त:

वीमक, टिड्डी, शहद की मक्खी और रेशम का कीड़ा।

रज्जु की—क्रम वर्गीकरण।

निम्नलिखित प्रकार के रज्जुमान प्राणियों की बनावट और तुलनात्मक शरीर:—

प्रकिंगोस्टोमा; स्कलिमोडान; मेडक; यूरोमेस्टिक्स या कोई अन्य छिपकली (वर्सस का अस्थिपंजर); कबूतर (कुक्कुट का अस्थिपंजर); और खरोंगा, चूहा या गिलहरी।

मेंढक और खरोंगा के सम्बन्ध में जन्मुकाय के विभिन्न वर्गों के उत्तर विज्ञान और शरीर किया विज्ञान की प्रारंभिक जानकारी अस्त-स्त्रावी प्रणियों और उनका कार्य।

मेंढक और खरोंग के विज्ञान की रूप-ऐक्य, स्त्री जन्मुकायों की बनावट और कार्य।

विकास के सामान्य नियम; विविधता, ग्रानुबिंधिकता, ग्रन्तकुलन ग्रन्तरावर्तन परिकल्पना; मैंडलीय अनुबिंधिकता प्रांगिक जनन और लंगिय जनन की विधियाँ, अनिष्टक जनन, पार्थे गोजेनिमिस, कार्यरिण वीठी एकांतरण।

विशेष रूप से भारतीय जन्मुकाय के मंदर्म में जन्मुकायों का परिस्थितिक और भूविज्ञानिक वितरण।

भारत के अन्य प्राणी जिसमें विद्युत और विषहीन सांप भी शामिल हैं; शिकार पक्षी।

भाग 'C'

व्यक्तिगत परीक्षण :

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग और निष्पक्ष विद्वानों के बोई द्वारा किया जाएगा जिनमें सामने उम्मीदवार का सर्वांगीन जीवन वृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिये व्यक्तियों की वृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं। उम्मीदवारों से प्राप्त की जाएगी कि वे केवल विज्ञान्ययन के विशेष विषयों में ही सूझ-बूझ के साथ रुचि न लेते हों अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों जो उनके चारों और प्रपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा प्राप्तिक विज्ञानवाराओं और उन नई खोजों में रुचि लें जिनके प्रति एक सुविधित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

2. साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं है, अपितु स्वामानिक निवेशन प्रयोजनयुक्त वातालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति को प्राप्तिकरण करना है, और द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक सतर्कता प्राप्तो-चनात्मक प्रहृणशक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, आरिंगिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और समता के मूल्यांकन पर विशेष बहु दिया जाएगा।

परिशिष्ट—II

(देखिए नियम 20)

भारतीय जन सेवा संबंधी संक्षिप्त व्याप्रे (देखिए 20) :

(क) नियुक्तियों परिवीक्षा के धार्धार पर की जाएगी जिसकी अर्थात् तीन वर्षों की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परिवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णय के अनुसार नियिक त्याग पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यक्रम को द्वारा संभावना न हो तो सरकार उसे ताकाल सेवा मुक्त कर सकती है या यथास्थित उस स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित किया जा सकता है जिस पर उसका पुनर्ग्रहण अधिकार है या होगा बर्तों कि उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले उस पर लागू नियमों के असरगत पुनर्ग्रहण अधिकार निलम्बित न कर दिया गया हो।

(ग) परिवीक्षा की अवधि के समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो, तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि को जितना उचित हो, बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्ति करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो अह अधिकारी ऊपर खण्ड (ख) और (ग) के अन्तर्गत, सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) भारतीय जन सेवा के अधिकारी को केवल तरंग सरकार या राज्य सरकार के असर्वात, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवा करनी पड़ सकती है।

(४) वेतनमान .	
कनिष्ठ वेतनमान	६० ७००-४०-९००-८० ८०- ४०-११००-५०-१३०० (१५ वर्ष) ।
वरिष्ठ वेतनमान :	
(क) समय वेतनमान	८० ११०० (छठे वर्ष या उससे पहले)-५०-१६०० (१६ वर्ष) ।
(ख) वयन प्रेरणा	८० १६५०-७५-१८००
बनसंरक्षक	८० १८००-१००-२०००
उप-मुख्य बन संरक्षक	८० २०००-१२५/२-२२५०
(राज्यों में जहाँ ऐसा पद विद्यमान है) ।	
शपर मुख्य बन संरक्षक	८० २२५०-१२५/२-२५००
(राज्यों में जहाँ ऐसा पद विद्यमान है)	
मुख्य बन संरक्षक	८० २५००-१२५/२-२७५०
उप बन महानिरीक्षक	८० २०००-१२५/२-२२५० तथा साथ में श० ३००/- प्र० मा० विशेष वेतन ।

प्रतिरिक्षित बन महानिरीक्षक र० २५००-१००-३०००
बन महानिरीक्षक र० ३०००-१००-३५००

समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुमार मंहगाई

परियोजनाओं विधिकारी की सेवा कनिष्ठ वेतनमान में प्रारम्भ होनी और उसे परियोजना पर विताई गई प्रधारणी को समय वेतनमान में इवाका, वेशन या वेतन वृद्धि के लिए गिनते की मनुष्यता होगी ।

(८) प्रविष्ट्य निधि—भारतीय बन सेवा के प्रधिकारी प्रविष्ट्य भारतीय सेवा (प्रशकारा) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं ।

(ज) इवाका—भारतीय बन सेवा के प्रधिकारी प्रविष्ट्य भारतीय सेवा (प्रशकारा) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं ।

(झ) आकटरी परिचर्या—भारतीय बन सेवा के प्रधिकारीर्यों को प्रविष्ट्य भारतीय सेवा (आकटरी परिचर्या) नियमावली, 1954 के प्रन्तर्गत प्राप्त डाकटरी परिचर्या को मुनिवारां पाने का हक है ।

(ञ) सेवा निवृत्ति लाभ—प्रतिशोधिता परीक्षा के प्रार्थी पर नियुक्त किए भारतीय बन सेवा के प्रधिकारी, प्रविष्ट्य भारतीय सेवा (मूल्य बन सेवा निवृत्ति लाभ) नियमावली, 1958 द्वारा शासित होते हैं ।

परिणाम-III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विविधम्

(देखिए नियम १७)

[ये विविधम् उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे प्रयोक्तित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विविधम् स्वास्थ्य परीक्षाओं के माध्यम स्वरूप निर्वेशन के लिए भी हैं ।

2. भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण प्रधिकार होगा ।]

1. नियुक्ति के लिए स्वास्थ्य छहगाए जाने के लिए यह अक्षरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक शोषन हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में दबाव पड़ने की सम्भावना हो ।

2. चलने की परीक्षा—पुरुष उम्मीदवारों को चार घण्टे में पूर्ण होने वाली २५ किलोमीटर और महिला उम्मीदवारों को ४ घण्टे में पूर्ण होने वाली १५ किलोमीटर चलने की परीक्षा में सफलता प्राप्त करनी होगी । बन महानिरीक्षक भूमत गरकार द्वारा इस परीक्षा की व्यवस्था इस कार्र की जाएगी कि वह स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड के साथ-साथ हो सके ।

3. (क) मारतीय (एंग्लियन मॉडल) जारी के उम्मीदवारों की भाषा, कद और छाती के धेर के परम्परा सम्बन्ध के बारे में प्रधिकार बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग वर्णन के रूप में तो भी परस्पर सम्बन्ध के बोर्ड सबसे प्रधिकार उपयोग समझे, इवाका, वेतनमान में लाए । यदि वजन, कद और छाती के धेर में विवरण हो, तो जांच के लिए उम्मीदवार को प्रस्तुताल में रखना चाहिए और छाती का एकम-रेल लेना चाहिए । ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ ग्राह्यता प्रस्वस्थ घोषित करेगा ।

(ख) कद और छाती के धेर के लिए कद से कम मानक नियम-लिखित हैं, जिस पर पूरा त उत्तरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता :-

कद	छाती का धेर	फैलाव (पूरा फैलाव)
१६३ सें. मी०	८४ सें. मी०	५ सें. मी० (पूर्णों के लिए)
१५० सें. मी०	७९ सें. मी०	५ सें. मी० (महिलाओं के लिए)

मनुसंचित जनजातियों तथा गोरबों, नेपालियों, असमियों, भेषालय, जन जातियों, लहानियों, तिथिकमियों, मृदानियों, गढ़दालियों, कुमाऊनियों, नागार्यों तथा प्रसाराचल प्रदेश के उम्मीदवारों के मामले में, जिनका औसत कद विशिष्टतया कम होता है, कद में छूट देने के लिए कद से कम नियमित मानक नियम-लिखित है :-

पुरुष १५२.५ सें. मी०
महिला १४०.० सें. मी०

4. उम्मीदवार का कद नियम-लिखित विधि से मापा जाएगा :-

वह प्रपते जूते उनार बेग और उस मापदण्ड (स्टैंडर्ड) से इस प्रकार सटा कर छाड़ा किया जाएगा कि उसके पांच घण्टे आपस में जुड़े रहें और उसका बजन सिवाए एड्डियों के पांचों की उंगलियों या फिसी और हिस्से पर लगे । यह बिना एकड़े भी दो बड़ा छाड़ा होगा और उसकी एहिया, पिण्डलिया, नियम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे । उगकी नोडो नीचो रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर का स्तर (स्टेम आफ हैड लेवल) हारिंटेल थार (आड़ी डृढ़ी) के नीचे जाए । कद मेटोमीटर और ग्रामेंटोमीटरों में मापा जाएगा ।

3. उम्मीदवारकी छाती नापों का तरीका नियम प्रकार है :

उसे इस भांति छाड़ा किया जाएगा कि उसके पांच घण्टे हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों । कींते को छाती के गिर्व इस सरह लगाया जाएगा कि वीछे और उसका ऊपरी किनारा असकलक (गोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्सीरियर एंग्लस) से लगा रहे और विसर्जन के साथ लटका रहे हों । किरण्यार्थों को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहे हों । किस्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या दोषों की ओर न किए जाएं ताकि फीगा ग्राप्टे स्थान से हट न पाए तब उम्मीदवार को कई बार गड़ा गांस लेने के लिए कहा जाएगा और कद से कम कद और प्रधिक से अधिक फीगाव बेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, ८४-८९, ८६-९३.५ ग्राम । नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रेशन) को नोट नहीं करना चाहिए ।

मोट—प्रतितम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती नापों चाहिए ।

५. उम्मीदवार का बजन की किया जाएगा और उगका बजन किसो—प्राप्त में रिकार्ड किया जाएगा, आधे किनोग्राम से कम के फ्रेशन को नोट नहीं करना चाहिए ।

६. उम्मीदवार की तजर की जांच नियम-लिखित नियमों के अनुसार ही जाएगी । प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा ।

(1) सामान्य (जनरल) —किसी रोग या असामयता (एवनार्म-लिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार को बेंगापन या आँखों, पलकों अथवा साथ लगती संरक्षणात्मकों (कंटेनर और स्ट्रॉकेंस) का विकास होगा जिसे भविष्य में किसी भी समय सेवा के लिए उसके प्रयोग होने की सम्भावना हो तो उम्मीदवार को अस्त्रीकृत कर दिया जाएगा।

(2) वृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी) —वृष्टि की तीक्ष्णता का निष्ठारण करने के लिए दो बार जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की ग्रलग से परीक्षा की जाएगी।

बास्टे के बिना (नेकेड ग्राई विजन) की कोई असंतुष्टि सीमा (मिनी-मम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अध्यक्षिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (वेसिक इन्कारमेंशन) मिल जाएगी।

आरतीय बन सेवा एक तकनीकी सेवा है।

बास्टे के साथ और बास्टे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक नियमित होगा :—

दूर की नजर	नजदीक की नजर
प्राची आंख	खराब आंख
(ठीक की हुई आंख)	(ठीक की हुई आंख)
6/6	6/12
या	जें. I जें.
6/6	6/9

टिप्पणी :

(1) फँडस परीक्षा—मायोपिया फँडस के प्रत्येक मामले में जांच करनी चाहिए और उसके नतीजों को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक अवस्था हो जिसके बाने और उससे उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ने की सम्भावना हो तो उसे अध्योग्य घोषित कर देना चाहिए।

मायोपिया का कुल परिणाम (सिलेंडर सहित) 4.00 डी० से नहीं बढ़ेगा। हाइपरमेट्रोपिया (सिलेंडर सहित) +4.00 डी० से नहीं बढ़ेगा।

यह यह है कि उम्मीदवार पारी निकट वृष्टि के कारण अध्योग्य पाया जाए तो वह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञों के विशिष्ट बोर्ड को में दिया जाएगा जो यह घोषणा करेंगे कि निकट दृष्टि रोगात्मक है या नहीं। यदि यह मामला रोगात्मक नहीं ही तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा, बारे वह अन्यथा दृष्टि सम्बन्धी घोषकार्य पूरी करे।

(2) कलर विजन, (1) रंगों के सम्बन्ध में नजर की जांच आवश्यक नहीं।

(2) नीचे वी हुई लालिका के असुमार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हाथ पर) और निम्नतर (लोभर) दोनों में होना चाहिए जो लैटर्न के द्वारक (एपर्चर) के ग्राकार पर निर्भर हो।

प्रेष	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का प्रेष
1. लेप्स और उम्मीदवार के बीच की कुरी	16 फीट
2. द्वारक (एपर्चर) का ग्राकार	1.3 मीटर
3. दिखाने का समय	5 सेकण्ड

(3) लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग को आसानी से घोर हिक्किचार्ट के बिना पहचान लेना सम्भोजनक कलर विजन है। इशिहारा की प्लेटों के इस्तेमाल को जिम्मेदारी दीन को लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न पर उम्मीदवार में दिखाया जाता है, कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वसनीय समझा जाएग। वैसे तो होनों जांचों

में से किसी भी एक जांच को गायारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन सहक, रेल और हवाई यात्रायात से सम्बन्धित सेवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना जानी है। जांच वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर प्रयोग्य पाया जाए तो वोनों ही नरीके से जांच करनी चाहिए।

(3) दृष्टि खेत्र (फील्ड ऑफ विजन) —सभी सेवाओं के लिए सम्मूख्य विधि (कन्फैटेशन मध्य) द्वारा दृष्टि खेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का मतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो सम दृष्टि खेत्र की परीक्षा (पैरा मीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(4) रत्तोंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) —केवल विषयों मामलों को छोड़कर रत्तोंधी की जांच में रूप से जल्दी नहीं है। रत्तोंधी या अध्यक्षरे में विवाही न देने की जांच करने के लिए कार्ड नियत स्टैण्डर्ड टेस्ट नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर देने चाहिए जैसे रोगी कम करके या उम्मीदवार को अध्यक्षरे द्वारा में से जाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विधिधीजी की बहुचाल करवा कर दृष्टि की अवधिता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के प्राप्तने क्यनों पर कभी भी बास नहीं करना चाहिए किस्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

(5) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की प्रवस्थाएं (आपूरुत नियोजन) :

(क) आंख की इस वीमारी को या ब्रैडली हुई प्रपत्तर्न दृष्टि (प्रोग्रेसिव रिफेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्थलप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की सम्भावना हो अध्योग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (द्रूकोमा) —यदि रोहे जटिल न हो तो ये आमतौर से अध्योग्यता का कारण नहीं होगे।

(ग) भैगायन—द्विनेत्री—(वाहनाकुलर) दृष्टि का होना जाजियी है। नियत स्टैण्डर्ड की दृष्टि की तीक्ष्णता होने पर भी भैगायन की अध्योग्यता का कारण समझना चाहिए।

(घ) एक आंख वाले व्यक्ति—नियुक्ति के लिए 1 के इन वाले व्यक्तियों की अनुप्रा सा नहीं की जाती।

(8) रक्त दाढ़ (ब्लड प्रेशर) :

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड प्रपत्ते निर्णय से काम लेगा। मार्मस उच्चतम मिस्टालिक प्रेशर के ग्राकलन की काम चलाऊ विषय में जाती है :

(1) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में भ्रौसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+प्रायु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की प्रायु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के ग्राकलन का सामान्य नियम पह है कि 110 में प्रायु आयु जोड़ दी जाए। यह सरीका बिल्कुल सम्भोजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिए—सामान्य नियम के रूप में 140 से ऊपर के सिस्टालिक प्रेशर की 90 से ऊपर के डायस्टालिक प्रेशर की संविधान मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अध्योग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में प्रायु ग्राहितम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगता चाहिए कि यदराहृ (एसाइटमेट) ग्राविट के कारण ब्लड प्रेशर धोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यिक (आगामिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में कूपथ के एक्सर्चरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त दाढ़ ग्राहितम नियम (फिलरेस) की जांच भी नेमी-त्सीर पर की जानी चाहिए किर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में ग्राहितम कैलसा केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाढ़) लेने का तरीका :

नियमित : पारे वाले दायगामी (मर्कंटी मैनोमीटर), फिस्म के माला इस्तेमाल करना चाहिए। किसी फिस्म के व्यापार्य या घबराहृट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाढ़ नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो व्यक्ति के बाहर से घर्षण करना चाहिए।

बूँद हाइजेंटल स्थिति में रोटी के पासवं पर से कन्नर तक कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रवड़ को भूंगा के अधर की ओर रखकर और उसके निचले किनारे को छोड़ कर दोहरे एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी भी फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए। ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर न निकले।

छोड़नी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (बेकिप्रल ग्राउंडरी) की दबा-दबा कर हूँह जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेयस्टोप की हस्के से लगाया जाता है। जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बावजूद में दी-बीरे हवा निकाली जाती है। हल्ली कम ध्वनियाँ सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम डिल होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियाँ सुनाई पड़ती। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हस्की दबो हुई सी लुप्त प्राप्त हो जाए यह डायस्टालिक प्रेशर है। लड़ प्रेशर काफी धीरी ध्रुवित में ही की लेना चाहिए क्षयोक्ति कफ के लम्बे समय का दबाव रोटी के लिए खोपकर होता है और इससे रीढ़िग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करती जरूरी ही तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बावजूद ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक नियन्त्रित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, वाल गिरने पर ये गायब हो जाती हैं जिस स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "साइलट गेप" से बिंदि में गलती ही सकती है।)

9. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूँक की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूँग में रासायनिक जोष द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मध्यमेह (डाय-विटीज) के थोड़क चिह्न और तक्षणों की भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार लूकोज मेह (लाइकोसूरिया) के सियाए ध्रेवित डिक्कल किनेस के स्टैन्डर्ड के ब्रन्चरूप पाए तो यह उम्मीदवार को इस बात के साथ फिट थोड़ित कर मरकाता है कि लूकोज मेह धूमूलमेही (नान-आयविटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसन के किसी ऐसे नियिट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हैं। मेडिकल विशेषज्ञ स्टडर्ड लॉड शूगर टालरेस डैस्ट समेत जो भी किसनिक या सेबोरेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा, करेगा और प्राप्ती रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड की भेज देगा। जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" "प्राप्टिट" की घनित राय आशारित होगी। दूसरे ध्रवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होता। ध्रवष्टि के प्रशाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कहीं दिन तक अस्पताल में पूरी देख-देख में रखा जाए।

10. यदि जाच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हप्ते या उससे प्रार्थिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक अस्वस्थ थोड़ित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रेत्र न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड थारीयता का स्वास्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकृती की तारीख के 6 हप्ते बावजूद आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

11. निम्नलिखित अनुचित बातों का प्रेक्षण करना चाहिए।

(क) उम्मीदवार की कानों से ग्रज्जा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की बीमारी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ ड्वारा की जानी चाहिए यदि सुनने की बीमारी का इलाज शस्य किया (धारपरेन) या हिर्यार्ग एड के इसेमाल से ही सके तो उम्मीदवार को इस धार्षार पर ध्रयोग्य थोड़ित नहीं किया जा सकता बशत कि कान की बीमारी बदले वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जाती है :

- (1) एक कान में प्रकट धरवा पूर्ण बहुरापन इतरो कान सामान्य होगा। यदि उच्च फोकर्वेटी में बहुरापन 30 डेसिबल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।
- (2) दोनों कानों में बहरेपन का प्रथम बोध, जिसमें अवण यंत्र (हिर्यार्ग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच व फोकर्वेसी में बहुरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।
- (3) सेद्गल धरवा मार्जिनल टाइप के टिम्पेनिक मेम्ब्रेन में छिपा। (1) एक कान सामान्य हो इतरे कान में टिम्पेनिक मेम्ब्रेन में छिपा हो तो धर्स्याई धार्षार पर ध्रयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या ध्रव्य छिपा वाले उम्मीदवारों को धर्स्याई रूप से ध्रयोग्य धोक्का करके उस पर लौटे विए गए नियम 4 (ii) के प्रश्नीय विचार किया जा सकता है।
- (ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिपा होने पर ध्रयोग्य। (iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल लिप्पा होने पर धर्स्याई रूप से ध्रयोग्य।
- (4) कान के एक और से/वीनों और से मस्टायप फैविटी से तब-नार्थल अवण। (1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक और से मस्टायप फैविटी से सुनाई देता हो, इसे कान में, सबनार्थल अवण वाले कान/मस्टायप फैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कायी के लिए योग्य।
- (2) दोनों और से मस्टायप फैविटी तकनीकी काम के लिए ध्रयोग्य, यदि किसी भी कान की अवणता अवण यंत्र संभार कर 30 डेसिबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कायी के लिए योग्य।
- (5) बहते रहने वाला कान धार्प-ऐशन किया गया/विज्ञा धार्प-ऐशन वाला। तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कायी के लिए धर्स्याई रूप में ध्रयोग्य।
- (6) नासापट की ही सम्बद्धी/विस्पताओं (बोनी डिफा-मिटी) सहित धरवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाह-हक/एलजिक वशा। (1) प्रत्येक गामले की परिस्थितियों के घनुसार निर्णय लिया जाएगा। (2) यदि लज्जणों सहित नासापट धक्कसरण विद्यमान होने पर धर्स्याई रूप में ध्रयोग्य।
- (7) टासिल्स और/धरवा स्वर यंत्र लेस्सी की जीर्ण प्रवाह-हक वशा। (1) टासिल और/धरवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रदाहक वशा योग्य। (2) यदि धायाज में ध्रयोग्य कर्कशसा विद्यमान हो तो धर्स्याई रूप से ध्रयोग्य।
- (8) कान, नाक, गले (५० एन० टी०) के हस्ते धरवा धरने से ध्रयोग्य। (1) हल्का दृप्तर—धर्स्याई रूप स्थान पर तुर्प दृप्तर। (2) तुर्प दृप्तर—धर्योग्य।

- (9) भ्रास्टोकिनरासिस। श्वरण तत्त्व की सहायता से या आपरेशन के बाद अवश्यता 30 द्वितीय के प्रवर्द्ध होने पर योग्य।
- (10) कान, नास परवा गर्ने के अन्म-जात दोष। (1) यदि राम कान में बाधा न हो तो योग्य।
(2) भारी मात्रा में हक्काहट हो स्थानीय।
- (11) नेजलपोली। भ्रस्टाई रूप में प्रयोग्य।
- (अ) उम्मीदवार बाने में दृक्काना/हुक्काती नहीं हो।
- (ग) उसके बात अच्छी हुक्कात में है या नहीं और अच्छी तरह उपाय के लिए ज़फरी होने पर नकली बात लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़ा ठीक है या नहीं।
- (इ.) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (इ) उसे रपवर है या नहीं।
- (ए) उसे हाइड्रोसील बढ़ी हुई बेरिकोसिल बेरि-साजिशा (बैन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उम्मके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्राहियाँ खली-भाति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसके कोई चिरस्थायी तथ्या की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई ज़म्मजात कुरुक्षमा या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमज़ोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टाके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संचारी (काम्प्निकेशन) रोग है या नहीं।
12. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता उपाय के लिए जो साधारण पारीकर्ता परीक्षा से जात न हो, सभी मामलों में देखी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।
- जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में प्रयोग्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनों राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से उपेक्षित दक्षतापूर्ण शृंखला में इससे बाधा पड़ने की सम्भावना है या नहीं।
- सरकारी सेवाओं के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहाँ कहीं सल्लेह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अवश्य अध्योग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त भ्रस्तात्मक के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे किसी उम्मीदवार पर मान-सिक्क त्रुटि अध्ययन (ऐवरेण) से पीछित होने का सन्वेद होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।
- टिप्पणी :**—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उनकी योग्यता का निश्चिरण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टेटिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई दृढ़ नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की सम्भावना के सम्बन्ध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने उस अधिकारी को उपस्थित होने के लिए कहने में सम्बन्धित प्राधिकारी स्वतन्त्र है। यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अधीयक्ष करार दिया जाए तो दुवारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम 45 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निवृत्त अधिकारी के बाद जब दुवारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर आयोग घोषित न कर नियुक्त के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अध्यवा वे इस नियुक्त के लिए अयोग्य हैं ऐसा अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की सम्भावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उत्तराखण्ड में विवार नहीं किया जाएगा जबकि इसे नवदिनियन मेडिकल प्रैक्शियर का इने शायर का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञात के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रयोग घोषित करके भ्रस्तीकृत किया जा चुका हो।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट :—

मेडिकल परीक्ष के मार्ग-दर्शन के लिए नियन्त्रिति सूचना दी जानी है :—

(1) शारीरिक योग्यता (किट्सेम) के लिए आवानाएं जाने आले दैर्घ्यों से सम्बन्धित उम्मीदवार की प्रायु और सेवाकाल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पनिलक संसिद्धि में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (प्रायाईटिंग प्रायाईटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बोर्डों या शारीरिक दुर्भाग्य (बाइली इनकर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की सम्भावना हो।

यह बात समझ लेनो चाहिए कि योग्यता का प्रश्न अविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय धूंप धूप जान या प्रदायगियों को रोकता है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की सम्भावना का है और उम्मीदवार को भ्रस्तीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं की जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में नहुओजित किया जाएगा।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट को गोनोप्रे रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके प्रस्तीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किस्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खाराबी बताई हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छोटी-मोटी खाराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर ही सकती है वहाँ मेडिकल बोर्ड द्वारा इस आधार का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुनित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब यह खाराबी दूर हो जाए तो दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस अधिकारी को उपस्थित होने के लिए कहने में सम्बन्धित प्राधिकारी स्वतन्त्र है। यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अधीयक्ष करार दिया जाए तो दुवारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम 45 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निवृत्त अधिकारी के बाद जब दुवारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर आयोग घोषित न कर नियुक्त के लिए उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अध्यवा वे इस नियुक्त के लिए अयोग्य हैं ऐसा अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

प्रपत्री मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को नियन्त्रित अप्रेक्षित फ्लैटमैट देना चाहिए और उसके साथ लगी दूर्घी घोषणा पर हस्ताक्षर करने से चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उत्तिलित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार को विशेष कम से व्यापार देना चाहिए।

1. भ्रपना पूरा नाम लिखें
(साफ अक्षरों में)
2. भ्रपनी प्रायु और जन्म स्थान बताएं
- (2) (क) क्या आप प्रनुसूचित जनजाति या ऐसी जाति जैसे गोरखा, नेपाली, ब्रह्मण्य, मेघालय आदिवासी, लहड़ो, सिनिकमी, भूटानी, गढ़वाली, कुमाऊँनी, नागा और झणणाचल प्रदेशीय जातियों से सम्बन्धित हैं जिनका श्रीसत कद स्पष्टतः दूसरों से कम होता है। उत्तर ही या नहीं लिखें और यदि उत्तर 'हाँ' है तो उस जनजाति/जाति का नाम लिखें।
3. (क) क्या आपको कभी चेचक रुक-रुककर होने वाली या कोई दूसरा बुज्जार 'बियों (गैरेंडस) का बहना या इनमें दीप पड़ना, घूंक में छून आना, दमा, दिल की बीमारी, 'फेकड़े की बीमारी, मूर्ढा के थोरे, रुमेटिजम, एपेंडिसाइटस हुआ है ?
- भ्रया
- (अ) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिनके कारण शैम्या पर लेटे रहना पड़ा है, और जिनका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है।
4. आपको चेचक आदि का टीका आधिकारी बारकर लगा था ?
5. क्या आपको भ्रथिक काम या किसी दूगरे कारण से किसी की भ्रधीरता (नर्सनेस) हुई है ?
6. आपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित बोरे दें :—

यदि पिता जीवित मृत्यु के समय हो तो उनकी भ्रायु	आपके कितने भ्रायु की भ्रायु	आपके किसने
भ्रीर स्वास्थ्य की भ्रायु का	उनको भ्रायु और	भ्रायुओं की मृत्यु
भ्रवस्था कारण	स्वास्थ्य की	मृत्यु के समय

यदि माता जीवित मृत्यु के समय हो तो उनकी भ्रायु	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु
भ्रीर स्वास्थ्य की भ्रायु का	उनकी भ्रायु और	हो चुकी है
भ्रवस्था कारण	स्वास्थ्य की	उनकी भ्रायु और

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल थोर्ड ने आपकी परोक्षा की है ?
8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर हाँ हो तो बताइए किस देवा/किन सेवाओं के लिए आपकी थोर्ड परीक्षा की गई थी ?
9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था ?
10. कब और कहाँ मेडिकल थोर्ड हुआ ?
11. मेडिकल थोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हूं भ्रया आपको मालूम हो ?

यदि जीवित करता है कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिए गए सभी जवाब सही औरठोक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—
मेरे सामने हस्ताक्षर किए—
थोर्ड के व्यवधान के हस्ताक्षर—

टिप्पणी:—उपर्युक्त कथन की धार्यात्मता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होता। जान बूझकर किसी सूचना को छिपाने से यह नियुक्त थोर्ड बैठने की जोक्यम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो धार्यात्मता भ्रता (सुपरएन्युएशन प्रलॉइस) या उपदान (प्रेस्फूटी) के सभी वायों से हाथ छोड़ देंगा।

(अ) (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा को मेडिकल थोर्ड की रिपोर्ट—

1. सामान्य विकास—प्रचला शीघ्र का...
कम पोषण: पतला दौसत माप...
..... कद (जूते उतारकर) बजन
..... मृत्युसम (बजन लग या)
..... बजन में थोर्ड हाल ही में हुआ परिवर्तन
सापमान:
छाती का थेर
(1) पूरा सास खीचने पर
(2) पूरा सास निकालने पर
2. ब्रचा—कोई शाहिरा बीमारी
3. नेत्र—
(1) कोई बीमारी
(2) रसौषी
(3) कलर विजन का दोष
(4) बुज्जि थेव (फोल्ड आफ विजन)
(5) दुर्घट तीक्ष्णता (विजुअल एक्विटी)
(6) फैंडस की जांच
वृष्टि की सीणता वरमे बिना वरमे से वरमे की पावर

गोल सास
एक्सिस

दूर की नजर	
दा० न०	
दा० न०	
पास की नजर	
दा० न०	
दा० न०	
हाईपरमेंट्रोपिया	
(घटक)	
दा० न०	
दा० न०	
4. काम : निरीक्षण	सुनना शायी कान
कान	बायीं कान
5. ग्रथियाँ	याइराइ
6. दोनों की हालत	
7. इवसन तेल (रिस्पिरेटरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है यदि पता लगा ही तो असमानता का पूरा व्यूह है।	
8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलेटरी सिस्टम)	
(क) हृदय : कोई आणिक गति (आर्गेनिक लीजन) —गति (टेट) : खड़े होने पर	
कुदाए जाने के आद	
कुदाए जाने के 2 मिनट बाद	
(ख) ब्लाइ प्रेशर—	सिस्टालिक
शायस्टालिक	
9. उदर (टेट) थेर—	सहायता
(टेक्टेलेस) हानिया—	
(क) दबाकर मालूम पड़ना/ जिगर	
तिल्सी—	गुर्ज
द्यूमर	
(ख) रक्तार्थ	संगवर

10. तांत्रिक तंत्र (नई सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अशक्तता का सकेत :
11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम) की असमानता—
12. जनत मूल तंत्र (जेनिटो यूरिनो लिस्टम)—हाइड्रोसील, बेरिकासील मार्किंग का कोई सकेत मूल परीक्षा —
 - (क) कैसा दिखाई पड़ता है
 - (ब) प्रयोगित पूरव स्पेसिफिक (प्रेशरी)
 - (ग) एस्ट्रूमेन्ट
 - (घ) शाकर
 - (इ.) कास्टर
 - (ए) कोशिकां (सेल्स)
13. छाती की एक्सरे परीक्षा रिपोर्ट
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी वात है जिससे वह भारतीय बन सेवा को छुट्टा का दमतापूर्वक निमाने के लिए अधोग्रह हो सकता है ।

टिप्पणी :—यदि उम्मीदवार कोई भृता है भूरे यदि वह 1 सप्ताह या उससे अधिक समय से घर्षती है तो उसे विनियम 10 के अनुसार प्रस्तावी रूप से अधोग्रह घोषित कर दिया जाएगा ।

15. क्या वह भारतीय बन सेवा में दमतापूर्वक भूरे निराशर खड़ी निमाने के लिए सभी तरह से योग्य पाया गया है ।

टिप्पणी :—बार्ड को प्रपना परिणाम निम्नलिखित तीन बगौर में से किसी एक बगौर में रिकार्ड करना चाहिए ।

- (1) योग्य (फिट)
- (2) अयोग्य (प्रतिक्रिया) जिसका कारण

- (3) प्रस्तावी आधार पर अयोग्य जिसका कारण

स्थान _____

तारीख _____

* भ्रष्टक _____

सरक्ष्य _____

सदस्य _____

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January, 1981

No. 1-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of the "SENA MEDAL"/"ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

SENA MEDAL

1. Major Dalip Singh (IC 18884), Jat.
2. Major Prem Chand (IC 21802), KC, VSM, Dogra.
3. Major Mahavir Singh Balhara (IC 24568), Bihar.
4. Major Ajit Kamal (IC 32750), Raj Rifles.
5. Capt. Prem Chand (IC 31126), JAK Rifles.
6. Capt. Kanwar Vijay Singh Lalotra (IC 27962), 11 Gorkha Rifles.
7. Capt. Virendra Kumar Sharma (IC 27970), JAK Rifles.
8. Capt. Rajendra Singh (IC 34567), Garhwal Rifles.
9. Capt. Arjun Singh Negi (IC 30011), 1 Gorkha Rifles.
10. Capt. Raghunathan Ramaswamy Iyengar (IC 25357), ADC.
11. Capt. Ramesh Chandra Patial (IC 31429), 11 Gorkha Rifles.
12. Capt. Atul Vikram Srikant Gupta (MR 9747), AMC.
13. Capt. Nutakki Rama Koteswar Rao (MS 6999), AMC.
14. Second Lieutenant Rakesh Kumar Sharma (IC 35188), JAK Light Infantry.
15. Second Lieutenant Bharat Singh (SS 28900), 3 Gorkha Rifles.
16. JC 67668 Subedar Pitam Singh, Jat.
17. JC 62253 Naib Subedar Gopi Lal Limbu, Assam Rifles.
18. JC 78612 Naib Subedar Rizgin Namgial, Ladakh Scouts.
19. JC 86899 Naib Subedar Krishna Singh Rawat, Garhwal Rifles.
20. JC-NYA 1320298 Naib Subedar Veeraswamy Kanniah, Engineers.
21. 13602007 Company Havildar Major Puran Chand, Para.
22. 4044225 Havildar Jeet Singh, Garhwal Rifles.
23. 47414 Havildar Jasbir Sarki, Assam Rifles.
24. 2756955 Lance Havildar Ramrao Sadhu Lamne, MLI.
25. 3159694 Naik Jalley Singh, Jat.
26. 2863369 Naik Jagram Singh, Raj Rifles.
27. 1458616 Lance Naik Garib Singh, Engineers.

28. 4344803 Lance Naik Chura Bahadur, Assam.

29. 5745491 Lance Naik Sher Bahadur Rana, 8 Gorkha Rifles.

30. 4162259 Lance Naik Ram Singh, Kumaon.

31. 5843794 Rifleman Moti Lal Chhetri, 9 Gorkha Rifles (Posthumous).

32. 13736724 Rifleman Anchal Singh, JAK Rifles.

33. 4254508 Sepoy Magistar Singh, Bihar.

34. 9921405 Sepoy Chherring Nurbu, Ladakh Scouts.

35. 59245 Assistant Leader Tashi Wangdu, Establishment 22, SFF.

No. 1(a)-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of the "BAR TO SENA MEDAL" to the undermentioned person for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

BAR TO SENA MEDAL

1. 5840308 Havildar Nima Dorjee Sherpa, KC, SM, 3 Gorkha Rifles.

No. 2—Pres/84.—The President is pleased to approve the award of the "SENA MEDAL"/"ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

1. Major Kuldeep Singh Kahlon (IC-18814), Artillery.
2. Major Kanwar Hem Singh Shekhawat (IC-19288), Para.
3. Major Vikram Kumar Jaitly (IC-32044), Kumaon.
4. Major Pritam Singh Bhandral (IC-17740), Maratha Light Infantry.
5. Major Bhopinder Singh Malik (IC-23159), Jat.
6. Captain Rajeev Singh Jamwal (IC-3499), Rajput.
7. Captain Pagdish Singh Puri (IC-21011,) Army Ordnance Corps.
8. Captain Antony Roche (IC-31233), Engineers.
9. Captain Jagdish Raj Sharma (IC-30476F), The Sikh Light Infantry.
10. Captain Biligeri Narayana Bhat Mahaveera Prasad (MS-10105), AMC.
11. Lieutenant Ajay Anand (IC-35908), Engineers.
12. Second Lieutenant Om Parkash (IC-38424), Gorkha Rifles.
13. JC-83832 Subedar Keshar Singh, Kumaon.
14. JC-86456 Subedar Dal Bahadur Gurung, Gorkha Rifles.
15. JC-88101 Subedar Deshraj Sharma, Dogra Regiment.
16. JC-36246 Subedar Sukhdev Singh, Engineers.

17. JC-73041 Subedar Ranjit Singh, Sikh Light Infantry.
18. JC-NYA (1329985) Naib Subedar Cheruvalath Balakrishnan, Engineers.
19. 3148447 Naib Subedar Ram Kishan Dhaka, Jat.
20. 7104944 Havildar Major Sarwan Singh Gill, EME.
21. 3962480 Havildar Vinod Kumar, Dogra Regiment.
22. 4050811 Havildar Kalan Singh Bhist, Garhwal Rifles.
23. 7050672 Havildar Mehinga Singh, EME.
24. 5337883A Havildar EK Prasad Rana, 4th Gorkha Rifles.
25. 13729184 L/Hav. Hars Raj, J&K Rifles.
26. 2453433 Lance Havildar Kirpal Singh, Punjab.
27. 4152477 Lance Havildar Narayan Sineh, Kumaon.
28. 73025 Naik Chandra Bahadur Rai, Assam Rifles.
29. 4052105 Naik Mohan Singh, Garhwal Rifles.
30. 150624 Naik Tham Bahadur Pun, Assam Rifles.
31. 1444895 Naik Nazar Singh, Engineers.
32. 13662992 Naik Rameshwari Dass, Guards.
33. 2758779 Naik Shankar Daulat Mule, Maratha Light Infantry.
34. 1355382 Lance Naik Kocha Subair Kutty, Engineers.
35. 2960744 Lance Naik Thakar Singh, Rajput.
36. 72877 L/NK. Jagat Bahadur Tamang, Assam Rifles.
37. 2571045 Sepoy Annamalai, Madras.
38. 14526009 Sepoy Raghbir Singh, EME.
39. 3166821 Sepoy Room Chand Dhindhyawal, Jat.
40. 4546117 Sepoy Shyam Singh, Mahar.
41. 9214015 Sepoy Jagtar Singh, Mahar.
42. 1546149 Sapper Rakha Laxman Hinwanta, Engineers.
43. 13738281 Rifleman Mohd Rashid, JAK Rifles.
44. 13731129 Rifleman Carpenter Nek Ram JAK Rifles.
45. 1356902 Sapper Krishnan Vasudevan Sahajan, Engineers.
46. 5343331 Rifleman Padom Bahadur Gurung, Gorkha Rifles.
47. 2574253 Sepoy Bak'havatchalu Doraisamy Naidu, Madras.

New Delhi, the 26th January 1983

No. 3-Pers./85.—The President is pleased to approve the award of the "SENA MEDAL"/"ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

1. Lieutenant Colonel Yash Pal Bhatia (JC-20391), Rajputana Rifles.
2. Lieutenant Colonel Narayan Chatterjee (JC-15543), Artillery.
3. Major Kamlesh Pant (JC-19068), Artillery.
4. Major Shivendra Singh Rajwar (JC-23738), Garwal Rifles.
5. Major Vijay Kumar Datta (JC-29732), Gorkha Rifles.
6. Captain Satwant Singh Gill (SS-29040), Garhwal Rifles.
7. Captain Chhotu Ram (JC-32053), Assam Regiment.
8. Captain Manik Sabharwal (JC-34015), Engineers.
9. Second Lieutenant Jayant R. Pendse (JC-38322), Rajputana Rifles.
10. Second Lieutenant Prem Prakash (JC-40315), Mahar.
11. Second Lieutenant Pankaj Awasthi (JC-40348), Parachute.
12. JC-58900 Subedar Yeshwant Savant, Mahar.
13. JC-79232 Subedar S. Muthuswamy, Engineers.
14. NYA-3363330 Naib Subedar Avtar Singh, Sikh.
15. NYA-4041714 Naib Subedar Rudar Singh, Garwal Rifles.
16. JC-89457 Subedar Rattan Chand Sharma, Signals.
17. 2453862 Havildar Sohan Singh, Punjab.
18. 5442591 Havildar Bhangu Singh Mall, Gorkha Rifles.
19. 2647145 Havildar Mohammad Hanif, Grenadiers.
20. 3965793 Havildar Jalam Singh, Dogra.
21. 4049123 Havildar Bhagat Singh, Garhwal Rifles
22. 1565066 Havildar Anna Jadhav, Engineers.

23. 6318349 Havildar Pnis Harry, Signals.
24. 2862100 Lance/Havildar Bhanwar Singh, Rajputana Rifles.
25. 4050043 Naik Bhim Singh Kaintura, Garhwal Rifles.
26. 4053135 Naik Birendra Singh, Garhwal Rifles.
27. 1403371 Naik Mahadev Joshi, Engineers.
28. 144079 Naik Kishore Singh Kaushal, Engineers.
29. 1524122 Naik Pratap Singh, Engineers.
30. 9920318 Naik Mohammad Hussan, The Ladakh Scouts.
31. 4250848 Lance Naik Kamal Dev Singh, Bihar.
32. 2463752 Lance Naik Lakha Singh, Punjab.
33. 5446291 Lance Naik Sudar Singh Thapa, Gorkha Rifles.
34. 9214742 Lance Naik Banudhor Borah, Mahar.
35. 2767100 Lance Naik Subrao Sattu Bholse, Maratha Light Infantry.
36. 1566254 Lance Naik Raja Ram Kadam, Engineer.
37. 2372645 Rifleman Gajendra Singh Shekhawat, Rajputana Rifles.
38. 4256942 Sepoy Yadhu Nath Prasad, Bihar (Posthumous).
39. 2669629 Grenadier Shamsher Ali, Grenadiers.
40. 731110142 Sub Inspector Pukhato Sema, Border Security Force.
41. 73111044 Head Constable Vilashe Sema, Border Security Force.
42. 5341545 Lance Naik Gopal Thapa, Gorkha Rifles.

No. 4-Pers./85.—The President is pleased to approve the award of the "NAO SENA MEDAL"/"NAVY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

1. Commander Daljit Singh Brar (60090-T), Indian Navy.
2. Surgeon Lieutenant Commander Salim Joseph Thomas (75142A), Indian Navy.
3. Lieutenant Commander Kulwant Singh Samra (01219-W), Indian Navy.
4. Lieutenant Commander Devendra Kumar Chandani (01269-H), Indian Navy.
5. Lieutenant Shekhar Kumar Sinha (01480N), Indian Navy.
6. Lieutenant Jiban Mahapatra (01960-B), Indian Navy.
7. Malayaranian Mahapatra, Chief Electrical Artificer (Air) (051957-K), Indian Navy.
8. Govind Vithal Rao Shirsat, Chief Aircraft Artificer (094983-Y), Indian Navy.
9. Jasna Singh Saini, Petty Officer Medical Assistant (059233-Y), Indian Navy.
10. Commander Ashok Kumar Mehta (00676-K), Indian Navy.
11. Commander Mangarden Vayalombrone Suresh (00732-N), Indian Navy.
12. Lieutenant Commander Akhileshwar Dayal Mathur (00600-N), Indian Navy.
13. Lieutenant Commander Kuldip Singh Randhawa (01189-A), Indian Navy.
14. Lieutenant Commander Ajay Hemant Chitnis (01208-W), Indian Navy.

No. 5-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of the "VAYU SENA MEDAL"/"AIR FORCE MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of exceptional devotion to duty or courage :—

1. Group Captain Vishnu Narain Johri, Vr. C. (5676), Flying (Pilot).
2. Group Captain Suresh Kumar Behal (5786), Flying (Pilot).
3. Wing Commander Darshan Singh Basara (6519) Flying (Pilot).
4. Wing Commander Amrit Lal Mehta (8146), Flying (Pilot).
5. Wing Commander Subhash Chandra Mittal (8377), Flying (Pilot).
6. Squadron Leader Chandra Nath Ghosh (10124), Flying (Pilot).
7. Squadron Leader Prafullkumar Manohar Velankar (10126), Flying (Pilot).

8. Squadron Leader Viswanathan Natarajan (10462), Flying (Pilot).
9. Squadron Leader Vinod Kumar Verma (11638), Flying (Pilot).
10. Flight Lieutenant Dinesh Chandra Kumar (13366), Flying (Pilot).
11. Captain Karamdeep Singh Aulakh (IC-25863-M), Artillery, Air OP.
12. Flying Officer Subhash Mohan (15553), Flying (Pilot).
13. 400277 Master Warrant Officer Aaron Patrick, Flight Engineer.
14. 221618 Warrant Officer Chandra Gopal Shukla, Flight Engineer.

New Delhi, the 15th January 1985

No. 6-Pres./85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Gujarat Police :—

Names and rank of the officers

Shri R. R. Desai,
Deputy Supdt. of Police,
CID(C&R), Ahmedabad

Shri P. M. Visen,
Inspector,
CID (C&R), Ahmedabad.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 4th October, 1981, Shri R.R. Desai, Deputy Supdt. of Police (CID) and Shri P.M. Visen, Inspector (CID) alongwith a few other Policemen were conducting investigation of a case on Highway concerning Unjha Town Police Station. Shri Visen saw a person with a 0.303 rifle at Gurukrupa Hotel. Shri Visen asked the concerned person to produce the licence of the rifle as its possession by a civilian is not authorised. The person replied in affirmative but instead of showing the licence to the police officer, he tried to run away from that place. Shri Desai and Shri Visen chased him and managed to catch hold of him. In his attempt to free himself the accused assaulted Shri Visen with a Kirpan, with the result he fell down. Inspite of the injury sustained by him, Shri Visen did not let the culprit go. The culprit then shouted for help and immediately 7-8 persons joined him. All of them started assaulting Shri Visen. Shri Desai and other policemen tried to protect Shri Visen but they were also injured in the process. In the scuffle the culprit who had 0.303 rifle, managed to escape towards one of the trucks parked on the Highway. Shri Desai and Shri Visen followed him and thwarted the attempt to escape by deflating the tyres of the trucks. Subsequently, on checking the truck No. GTG 2744, three culprits were identified and arrested. The culprit having 0.303 rifle was later identified as Swaran Singh. The unlicensed rifle, a tamancha and cartridges were recovered from the truck. On investigation, it was revealed that all the accused were absconding from Tarn Taran (Punjab) and were wanted in crimes which took place during the extremists movement in Punjab.

In apprehending the criminals Shri R. R. Desai, Deputy Supdt. of Police and Shri P. M. Visen, Inspector exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 4th October, 1981.

No. 7-Pres./85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the officers

Shri Ramanand,
Deputy Supdt. of Police,
District Muzaffarnagar.

Shri Maghendra Pal Singh,
Sub-Inspector of Police,
District Muzaffarnagar.

Shri Vinod Kumar Sharma,
Sub-Inspector of Police,
District Muzaffarnagar.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 16th June, 1983, the Inspector of Police, Nai Mandi Police Station, received information that Oriental Bank of Commerce of Nai Mandi, Muzaffarnagar had been looted. The Inspector and his staff rushed to the spot, chased the dacoits and over-powered two accused with the help of Bank staff. An amount of Rs. 3.25 lacs looted by the dacoits was recovered alongwith two revolvers and a large quantity of ammunition and a Motor Cycle. The Bank employees disclosed that 2-3 more dacoits had fled away on a scooter bearing No. HRE 6337 with more cash. Immediately on receiving this information at about 1.20 p.m., on the same day, Shri Ramanand, Deputy Supdt. of Police alongwith Shri Maghendra Pal Singh, Sub-Inspector and Shri Vinod Kumar Sharma, Sub-Inspector, and a few other police personnel reached at the spot. On getting information from the arrested decoits regarding hide-out of the escaped dacoits the police party rushed to the site and surrounded the building. At grave risk the police party started climbing the stair-cases from where they could have an access to the room in which the dacoits were hiding. When the police party was at the middle of the stair-cases, the dacoits started firing from inside the room. The police party taking shelter of the low wall fired back with the result two dacoits fell down and died on the spot. On conducting a search the remaining amount of looted cash totalling Rs. 2.10 lacs, two revolvers and some ammunitions were recovered from them. The dacoits were later identified as Subodh and Raju, both of Meerut town. An interrogation of the arrested dacoits revealed that the gang had earlier committed a robbery of Rs. 1.90 lacs in a Bank in Meerut town.

In this encounter, Shri Ramanand, Deputy Supdt. of Police Shri Maghendra Pal Singh, Sub-Inspector and Shri Vinod Kumar Sharma, Sub-Inspector, exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(1) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 16th June, 1983.

No. 8-Pres./85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Bihar Police :—

Names and rank of the officers

Shri Braham Datta Singh,
Assistant Sub-Inspector,
P.S. Murarpur,
District Nalanda.

Shri Israr Khan,
Constable No. 320,
P.S. Murarpur,
District Nalanda.

(Posthumous)

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the evening of the 23rd March, 1984, Shri Braham Datta Singh, Assistant Sub-Inspector, Shri Israr Khan, Constable, and others were on patrolling duty at Mohalla Khan-kah under Murarpur Police Station in Nalanda District. They got information that the notorious criminal Barka Matin was sitting in a nearby shop in Khankah Mohalla. Barka Matin was a dreadful criminal who had created a reign of terror in the area and had committed several crimes. The Police Party headed by Shri Braham Datta Singh rushed to the spot. Constable Israr Khan identified Barka Matin and tried to arrest him. But Barka Matin at once drew his revolver and fired at Shri Israr Khan with the result he sustained a fatal bullet injury on his head and fell down seriously wounded. Then an encounter took place between the criminals and the police party headed by Shri Braham Datta Singh. The injured Constable Israr Khan was sent to Patna Medical College Hospital where he succumbed to his injuries. Shri Braham Datta Singh chased the criminal and fired four rounds from his service revolver which hit Barka Matin. Even though injured, he managed to escape by mixing up with a crowd of people. A massive hunt was made to locate the injured criminal Barka Matin. On the morning of the 24th March,

1984, Shri Braham Datta Singh succeeded in locating and arresting the injured criminal and brought him to the Police Station in a precarious condition. Barka Martin later died owing to profuse bleeding. The liquidation of notorious criminal Barka Matin was widely welcomed by the people of the area.

Shri Braham Datta Singh, Assistant Commissioner of Police and Shri Israr Khan, Constable, exhibited exemplary courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 23rd March, 1984.

No. 9-Pres./85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name and rank of the officer

Shri Jale Singh,
Inspector of Police,
SHO Police Station Kotwall,
Srigananagar, Rajasthan.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 12th May, 1984, at about 9.25 p.m., Shri Jale Singh, Inspector of Police, received information that four unknown Sikh Youths snatched a .303 rifle at the point of pistol from Shri Hazoor Singh, Constable, Border Home Guard, who was on duty at Railway Station Shriganganagar. Shri Jale Singh alongwith other staff of Police Kotwali immediately rushed to the spot and started pursuing the culprits. Shri Jale Singh knew that the accused, who had looted the rifle, could fire at him causing death. The accused sensing that the police is in pursuit of him and is nearing him fired at the police party with 7.65 bore pistol. Fortunately the bullets did not hit anybody. Shri Jale Singh continued his pursuit and ultimately arrested the accused with one 7.65 bore pistol loaded with 4 live cartridges and the snatched .303 rifle. On interrogation the accused revealed his name as Darbara Singh son of Suba Singh, a Jat Sikh of District Ferozepur, Punjab. He had served as a soldier in the sikh Regiment of Indian Army and was dismissed from the Army after Court Marshal on account of wilful absent from duty. After dismissal from the Army, he joined the criminal gang. He confessed to have robbed 3 liquor shops, 2 petrol pumps, a Bank and killing of two persons at Gulabpura. The Government of Rajasthan had announced a cash reward of Rs. 1 lakh for the arrest of the members of this criminal gang.

Shri Jale Singh, Inspector had also played a vital role in the recovery of weapons used by dacoits in a dacoity which took place in the State Bank of Bikaner & Jaipur Branch of Kalla village on the 25th April, 1984.

Shri Jale Singh, Inspector, exhibited conspicuous gallantry, exemplary courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 12th May, 1984.

New Delhi, the 26th January 1985

No. 10-Pres./85.—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 1985, to award the Fire Service Medal for gallantry to the undermentioned officer :—

Name and rank of the officer

Shri K. Kumaraswamy,
Fireman,
Tamil Nadu.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

(Effective date of the award—2nd March, 1984).

On the 2nd March, 1984, at about 1430 hours, a rescue call was received at Kuzhithurai Fire Station and the unit was turned out. On reaching the spot, it was found that there was a landslide in the newly dug in wall and two persons were trapped under it. To rescue them, two other workers had got into the wall, but unfortunately there was another landslide and these two also got trapped under the landslide, out of the four one person somehow escaped. Immediately on

arrival, Fireman Kumaraswamy despite great risk to his own life got into the well with the help of a rope and rescued Shri Ambrose one of the three trapped persons. Shri Ambrose was rushed to the hospital, but he died on the way. Shri K. Kumaraswamy was very tired after this operation and was lifted out from the well. Another Fireman was sent in, but he was not able to remove the sand and rescue anyone. Hence Shri Kumaraswamy was sent in again for the rescue operations. While he was engaged in the rescue operations, unfortunately there was another landslide and Shri Kumaraswamy also got trapped in it. However, he was lifted out with the help of rope and rushed to the hospital.

In this action Fireman K. Kumaraswamy exhibited exemplary courage, initiative and devotion to duty of a very high Order.

This award is made for gallantry under rule 3(i) of the rules governing the award of the Fire Service Medal and consequently carries with it the monetary allowance admissible under rule 5(a) from the effective date of the award.

No. 11-Pres./85.—The President is pleased on the occasion of the Republic Day, 1985, to award the Fire Service Medal for meritorious service to the undermentioned officers :—

Shri Amulya Chandra Mahanta,
Station Officer,
Assam.

Shri Chennabatini Satyanaryana,
Engineer—Sub Officer,
Andhra Pradesh.

Shri Pakki Narasingha Rao,
Station Fire Officer,
Andhra Pradesh.

Shri Mohd. Yousufuddin,
Leading Fireman,
Andhra Pradesh.

Shri Pandab Sahu,
Assistant Fire Officer,
Orissa.

Shri Narayan Samantray,
Leading Fireman,
Orissa.

Shri Tulsi Ram,
Fireman,
Himachal Pradesh.

Shri Pichamuthu Ramaswamy,
Station Fire Officer,
Tamil Nadu.

Shri Manikkam Pillai Vadivelu,
Leading Fireman,
Tamil Nadu.

Shri Gopal Balaraman,
Leading Fireman,
Tamil Nadu.

Shri Chinnappan Natarajan,
Leading Fireman,
Tamil Nadu.

Shri Kadumbadi Elumalai,
Driver Mechanic,
Tamil Nadu.

Shri Anthony Sourimuthu,
Fireman Driver,
Tamil Nadu.

Shri Maruththa Pillai Sengamalam,
Fireman,
Tamil Nadu.

Shri Santhana Williams,
Fireman,
Tamil Nadu.

Shri Maliva Pathazhapurayil Kunhi Kannan Nambiar,
Assistant Station Officer,
Kerala.

Shri Madhavan Purushothaman,
Leading Fireman,
Kerala.

Shri Geevarghese John,
Fireman Driver-cum-pump Operator,
Kerala.

These awards are made under rule 3(ii) of the rules governing the grant of the Fire Service Medal.

No. 12-Pres./85.—The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 1985, to award the President's Home Guards and Civil Defence Medal for distinguished service to the undermentioned officers :—

Shri Damodar Singh,
District Commandant,
Home Guards,
Bihar.

Air Commodore Angelo Reginald Lobo,
Deputy Director General (Civil Defence),
Ministry of Home Affairs,
New Delhi.

2. This award is made under rule 3(iv) of the rules governing the grant of President's Home Guards and Civil Defence Medal.

No. 13-Pres./85.—The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 1985, to award the Home Guards and Civil Defence Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers :—

Shri Shanti Lal,
Company Havildar Major,
Volunteer,
Madhya Pradesh.

Shri Mohan Lal Sharma,
Havildar,
Volunteer,
Madhya Pradesh.

Shri Baldev Singh,
Company Commander,
Volunteer,
Himachal Pradesh.

Shri Sagar Ram,
Company Commander,
Volunteer,
Himachal Pradesh.

Miss Thakur Devi Negi,
Platoon Commander,
Volunteer,
Himachal Pradesh.

Shri Jugal Kishore Tuli,
District Commandant,
Volunteer,
Delhi U.T.

Dr. Rajinder Nath Sabharwal,
Divisional Warden Civil Defence,
Volunteer,
Delhi.

Shri Padhmakar Wasudeo Patwardhan,
Senior Staff Officer,
Administration and Policy,
Maharashtra.

Shri Minoo Fardooni Devlali Walla,
Staff Officer,
Students Wing,
Volunteer,
Maharashtra.

Shri Padmakar Janardan Lele,
District Commandant,
Volunteer,
Maharashtra.

Shri Sahebrao Bhunka Patil,
District Commandant,
Volunteer,
Maharashtra.

Shri Ashok Shankarrao Chavan,
Divisional Commandant,
Volunteer,
Maharashtra.

Shri V. Vibhushanan,
Platoon Commander,
Honorary,
Pondicherry.

Shri Paul Mariadoss,
Platoon Commander,
Honorary,
Pondicherry.

Shri V. S. Krishnamoorthy,
Company Commander,
Volunteer,
Tamil Nadu.

Shri P. J. Krishnamoorthy,
Company Commander,
Volunteer,
Tamil Nadu.

Shri Ratilal Sofneshwar Thaker,
Volunteer,
Gujarat.

Shri Manhar Lal Popat Lal Shah,
Company-Sergeant Major,
Volunteer,
Gujarat.

Shri Ishvar Lal Shanker Lal Chavda,
Senior Platoon Commander,
Volunteer,
Gujarat.

Shri Hari Prasad Prahlad Bhai Joshi,
Senior Platoon Commander,
Volunteer,
Gujarat.

Shri Nirbhay Mishra,
Inspector Home Guards,
Bihar.

Shri Naresh Prasad Ram,
Honorary Company Commander,
Home Guard,
Volunteer,
Bihar.

2. These awards are made under rule 3(iii) of the rules governing the grant of the Home Guards and Chief Defence Medal.

No. 14-Pres./85.—The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 1985, to award the President's Police Medal for distinguished service to the undermentioned officers :—

Shri Aduchumvarai Shanmugam Balraj,
Director General of Police,
Principal Secretary to the Govt. of Andhra Pradesh,
Home Department,
Hyderabad,
ANDHRA PRADESH.

Shri Pyapali Venu Gopala Krishnamacharyulu,
Director General of Police,
Vice Chairman and Managing Director,
A.P. State Police Housing Corporation Limited,
Hyderabad,
ANDHRA PRADESH.

Shri Priya Nath Goswami,
Superintendent of Police,
Kamrup District,
Guwahati,
ASSAM.

Shri Krishnadeva Prasad Sinha,
Superintendent of Police,
Gopalganj,
BIHAR.

Shri Murari Prasad,
Deputy Superintendent of Police,
Special Branch, Patna,
BIHAR.

Shri Thakorhai Dadubhai Patel,
Superintendent of Police,
Ahmedabad City,
GUJARAT.

Shri Bal Kishan,
Deputy Superintendent of Police,
C.I.D., Chandigarh,
HARYANA.

Shri Rajender Singh,
Deputy Superintendent of Police,
(Adjutant) 1st HP AP Bn.,
Jungla, District Shimla,
HIMACHAL PRADESH.

Shri Abraham Varghese,
Special Inspector General of Police,
Training and C.I.D.,
Bangalore,
KARNATAKA.

Shri Parambarambath Chandrasekhara Menon,
Superintendent of Police,
Crime Branch CID, Kozhikode,
KERALA.

Shri Sudhir Kumar Misra,
Deputy Inspector General of Police,
(Railways) Bhopal,
MADHYA PRADESH.

Shri Minoo Faredoon Irani,
Assistant Commissioner of Police,
Greater Bombay,
MAHARASHTRA.

Shri Balkrishna Kesheorao Sarjoshi,
Deputy Superintendent of Police,
Anti Corruption Bureau, Nagpur,
MAHARASHTRA.

Shri Justis Casperce Mawroh,
Special Inspector General of Police, Meghalaya,
Shillong,
MEGHALAYA.

Shri Shiv Mohan Singh, Bhalla,
Superintendent of Police-cum-Director,
Finger Print Bureau,
Phyllaur,
PUNJAB.

Shri Puran Chandra Misra,
Director, Civil Defence & Commandant General,
Home Guards, Jaipur,
RAJASTHAN.

Shri Arjun Singh,
Commandant 1st Bn., R.A.C.,
Jodhpur,
RAJASTHAN.

Shri C. L. Ramakrishnan,
Deputy Inspector General of Police
(Administration),
Office of the Director General of Police,
Madras,
TAMIL NADU.

Shri Ariyapadi Chinnaswami Ramaswami,
Additional Superintendent of Police,
Vigilance and Anti Corruption, Special Units,
Madras City,
TAMIL NADU.

Shri Rameshwar Dayal Sharma,
Inspector General of Police,
Headquarters, Allahabad,
UTTAR PRADESH.

Shri Som Prakash,
Inspector General of Police,
Kanpur Zone, Kanpur,
UTTAR PRADESH.

Shri Bikash Kali Basu,
Commissioner of Police,
Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Makhan Lal Chanda,
Inspector of Police, C.I.D.,
Calcutta,
WEST BENGAL.

Shri Narendra Kumar Shinghal,
Inspector General of Police (UT),
CHANDIGARH ADMINISTRATION.

Shri Siva Prosad Ganguly,
Superintendent of Police,
(Wireless), Aizawl,
MIZORAM.

Shri Manohar Lal Bhanot,
Director, Civil Defence &
Commandant General, Home Guards,
DELHI ADMINISTRATION.

Shri Devetri Prasad Narain Singh,
Inspector General (Hq)—II,
HQ DG BSF, New Delhi,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Suresh Chander Dewan,
Assistant Director (Communication),
HQ IG BSF (R&G), Jodhpur,
BORDER SECURITY FORCE.

Shri Mahendra Pratap Singh,
Deputy Director (Prov),
Directorate General, CRPF, New Delhi;
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE.

Shri Archishman Ghatak,
Deputy Inspector General,
Eastern Zone, Calcutta,
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE.

Shri Surinder Kumar Seth,
Deputy Inspector General of Police,
Bombay,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Ambadas Devidas Pawade,
Deputy Superintendent of Police,
Economic Offences Wing, Bombay,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION.

Shri Vidyadhar Govind Vaidya,
Joint Director, S.I.B.,
Chandigarh,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri Krishan Lal Chopra,
Joint Assistant Director,
Headquarters, New Delhi,
INTELLIGENCE BUREAU.

Shri S. P. Banejee,
Inspector General-cum-Chief Security Officer,
Northern Railway, New Delhi,
MINISTRY OF RAILWAYS.

Shri Khaja Gouse Mohiuddin Ahmed,
Assistant Security Officer,
R.P.F. Training Centre, Moula Ali,
South Central Railway,
Ministry of Railways.

These awards are made under rule 4(ii) of the rules governing the grant of the President's Police Medal.

No. 15-Pres/85.—The President is pleased, on the occasion of the Republic Day, 1985, to award the Police Medal for Meritorious Service to the undermentioned officers:—

Shri Ramchandra Dilip Bhoopal,
Special Inspector General of Police,
Communications and Training,
Hyderabad,
Andhra Pradesh.

Shri Vilaynur Subramanjan Ravi,
Deputy Inspector General of Police,
and Adviser (Vigilance and Security),
Andhra Pradesh State Electricity Board,
Vidyut South, Hyderabad,
Andhra Pradesh.

Shri Kommi Anandaiah,
Superintendent of Police,
Kurnool,
Andhra Pradesh.

Shri Veerpalli Ramachandraiah,
Joint Director,
Office of the Director, Anti Corruption Bureau
Hyderabad,
Andhra Pradesh.

Shri Bondugula Madhusudhana Reddy,
Deputy Superintendent of Police,
Anti Corruption Bureau, Warangal,
Andhra Pradesh.

Shri Gainedy Venkata Krishna Rao,
Deputy Superintendent of Police,
Visakhapatnam South,
Andhra Pradesh.

Shri Moturi Srinivasa Rao,
Inspector of Police,
Anti-Corruption Bureau,
Vizianagaram,
Andhra Pradesh.

Shri Puvvala Jagannadha Rao,
Sub-Inspector of Police,
Ponduru P.S., District Srikakulam,
Andhra Pradesh.

Shri Syed Amir Hussain,
Head Constable,
Central Crime Station,
Hyderabad City,
Andhra Pradesh.

Shri Pillarisetty Venkata Sumant,
Deputy Inspector General of Police,
Northern Range, Tezpur,
Assam.

Shri Padmadhar Bania,
Superintendent of Police,
Bureau of Investigation,
(Economic Offence),
Guwahati,
Assam.

Shri Upendranath Hazarika,
Deputy Superintendent of Police,
Guwahati,
Assam.

Shri Abani Kumar Sarma,
Inspector of Police, Special Branch Zonal,
Kahilipara, Guwahati,
Assam.

Shri Jogesh Chandra Barman,
Inspector of Police,
Sonitpur,
Assam.

Shri Jogendra Chandra Talukdar,
Sub-Inspector of Police, C.I.D.,
Guwahati,
Assam.

Shri Mohammad Sulaiman,
Superintendent of Police,
Samastipur,
Bihar.

Shri Thakur Keshav Prasad Singh,
Additional Superintendent of Police,
Special Branch, Chaibasa,
Bihar.

Shri Nishi Kant Jha,
Deputy Superintendent of Police,
B.M.P. XIV, Patna,
Bihar.

Shri Amardeo Singh,
Inspector of Police,
Special Branch, Patna,
Bihar.

Shri David Barnabas,
Inspector of Police,
CID(Food) Patna,
Bihar.

Shri Chandra Deo Singh,
Inspector of Police (Armed),
B.M.P. 13, Darbhanga,
Bihar.

Shri Shambhu Sharvan Prasad,
Sub-Inspector of Police, CID,
Patna,
Bihar.

Shri Mohammad Quadir Khan,
Sub-Inspector of Police,
B.M.P. 13, Darbhanga,
Bihar.

Shri Rameshwar Prasad Verma,
Sub-Inspector of Police,
Special Branch, SB HQRS.,
Patna,
Bihar.

Shri Munny Pandey,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Special Branch, Bettiah,
Bihar.

Shri Amritlal Vithalji Mehta,
Assistant Director,
Anti Corruption Bureau, Rajkot,
Gujarat.

Shri Veerendra Mohansingh Gour,
Inspector of Police,
Panch Mahals, Godara,
Gujarat.

Shri Ramesh Chandra Jagannath Dave,
Sub-Inspector of Police,
Anti Corruption Bureau, Rajkot,
Gujarat.

Shri Balkrishan Nanalal,
Head Constable, (Un-Armed),
Rajkot, City,
Gujarat.

Shri Balwantry Vaghubhai Jhala,
Head Constable (Un-Armed),
Ahmedabad City,
Gujarat.

Shri Chanshyamsinh Ranvirsinh Solanki,
Head Constable (Armed),
Ahmedabad City,
Gujarat.

Shri Chhagansinh Nimbsinh Chauhan,
Head Constable (Armed),
Ahmedabad City,
Gujarat.

Shri Shivram Pandit Deshmukh,
Head Constable (Armed),
Surat City,
Gujarat.

Shri Mohmad Yusuf Ghoghari,
Police Constable,
Anti Corruption Bureau,
Rajkot,
Gujarat.

Shri Raj Kumar,
Superintendent of Police,
Kurukshetra,
Haryana.

Shri Rishi Parkash,
Deputy Superintendent of Police,
Bahadurgarh, District Rohtak,
Haryana.

Shri Arjan Dass,
Head Constable,
Office of Director, P.T.C.,
Madhuban,
Haryana.

Shri Jiwan Singh,
Inspector of Police,
Station House Officer, Shimla-West,
Himachal Pradesh.

Shri Surinder Singh Wazir,
Deputy Inspector General of Police,
Jammu Range, Jammu,
Jammu and Kashmir.

Shri Balwant Singh,
Deputy Superintendent of Police,
District Special Branch,
Jammu,
Jammu and Kashmir.

Shri Ghulam Hassan Gandoo,
Inspector of Police,
JKAP III Battalion,
(Incharge Tourist Police, Kashmir),
Srinagar,
Jammu and Kashmir.

Shri A. J. Anandan,
Special Officer for Revision of
Police Manual, Mysore,
Karnataka.

Shri Ramachandra Raghavendra Shakhapur,
Superintendent of Police,
State Intelligence,
Mysore.
Karnataka.

Shri Mysore Lakshman Narasimha Murthy,
Deputy Superintendent of Police,
State Vigilance Commission,
Bangalore,
Karnataka.

Shri Vedvrath,
Inspector of Police,
State Intelligence,
Bangalore,
Karnataka.

Shri B. K. Lingappa,
Inspector of Police,
C.O.D., Bangalore,
Karnataka.

Shri Narasoji Rao,
Sub-Inspector of Police,
Armed Police Training School,
Bangalore,
Karnataka.

Shri Anandappa Gurabasappa Malgar,
Sub-Inspector of Police,
Khadebazar, Belgaum,
Karnataka.

Shri Poonkan Veetil Prabhakaran Nambiar,
Superintendent of Police,
Crime Research Cell,
Kozhikode,
Kerala.

Shri Muthalathottathil Chacko Geevarghese,
Superintendent of Police,
Vigilance Department,
Central Range, Cochin,
Kerala.

Shri Madhavan Pillai Krishna Pillai,
Deputy Superintendent of Police,
Ernakulam (Rural),
Kerala.

Shri Kumbeiyil Kittu Nair Kuttikrishna Menon,
Assistant Commandant, Armed Reserve,
Trichur,
Kerala.

Shri Pulloli Sankaran Nair,
Sub-Inspector of Police,
Special Branch, Cannanore,
Kerala.

Shri Ranjithi Veetil Radhakrishnan,
Head Constable,
Palghat Cusba Police Station,
Kerala.

Shri Chaman Lal,
Deputy Inspector General of Police,
(Telecommunications),
Bhopal,
Madhya Pradesh.

Shri Vijay Kumar Deuskar,
Deputy Inspector General of Police,
N.P.C. PHQ, Bhopal,
Madhya Pradesh.

Shri Rewa Shankar Dube,
Superintendent of Police (Training),
Special Branch, PHQ,
Bhopal,
Madhya Pradesh.

Shri Krishna Deo Singh,
Assistant Commandant,
23rd Battalion, S.A.F.,
Bhopal,
Madhya Pradesh.

Shri Khagpat Singh,
Deputy Superintendent of Police,
Bhind,
Madhya Pradesh.

Shri Dattatray Vishnu Pant Kapaley,
Deputy Superintendent of Police,
Seoni,
Madhya Pradesh.

Shri Kashi Nath Singh,
9th Battalion S.A.F.,
Company Commander,
Rewa,
Madhya Pradesh.

Shri Rajkishore Tiwari,
Sub-Inspector of Police,
Railways, G.R.P., Jabalpur,
Madhya Pradesh.

Shri Aditya Narain Shukla,
Sub-Inspector of Police,
District Special Branch,
Bastar,
Madhya Pradesh.

Shri Kripa Shankar Tiwari,
Sub-Inspector of Police,
State Bureau of Investigation,
Economic Offences, Jabalpur,
Madhya Pradesh.

Shri Bal Bahadur,
Constable No. 571,
10th Battalion, S.A.F.,
Sagar,
Madhya Pradesh.

Shri K. Padmanabhan,
Deputy Inspector General of Police,
Traffic, Bombay,
Maharashtra.

Shri Ramchandra Dayaram Gewande,
Superintendent of Police,
Solapur,
Maharashtra.

Shri Ram Chander Dembla,
Deputy Commissioner of Police,
Anti Corruption Bureau,
Bombay,
Maharashtra.

Shri Vasant Laxman Ingle,
Assistant Commissioner of Police (II),
Special Branch (I), C.I.D.,
Bombay,
Maharashtra.

Shri Madhukar Bapurao Zende,
Senior Inspector of Police,
Detection of Crime Branch,
C.I.D., Bombay.
Maharashtra.

Shri Chandrakan Prataprao Bagwe,
Inspector of Police,
Dr. D. B. Marg Police Station,
Bombay,
Maharashtra.

Shri Suresh Keshavrao Saraf,
Inspector of Police,
Kamptee, District Nagpur Rural,
Maharashtra.

Shri Ramvishwas Chandanprasad Pandey,
Inspector of Police,
Headquarter Lines, Nagpur City,
Maharashtra.

Shri Naikay Hari Kadam,
Sub-Inspector of Police,
CID (Int. S.W.), Bombay,
Maharashtra.

Shri Mohd. Molnuddin Mohd. Sharfuddin,
Sub-Inspector of Police,
Parbhani District,
Maharashtra.

Shri Ghanashyam Ramrao Bhandare,
Intelligence Officer, CID (L.S.W.),
Bombay,
Maharashtra.

Shri Sadashiv Hari Kulkarni,
Intelligence Officer, CID (I.S.W.),
Bombay,
Maharashtra.

Shri Vishwanath Narayan Badnikar,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Sangli,
Maharashtra.

Shri Gopal Mangesh Tendulkar,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Kolhapur,
Maharashtra.

Shri Narahari Antu Sawant,
Head Constable No. 11243/Wadala Division,
Sewree Police Station,
Bombay,
Maharashtra.

Shri Maruti Laxman Parab,
Head Constable B. No. 128,
Crime Branch, CID,
Greater Bombay,
Maharashtra.

Shri Atmaram Dattaram Dhauskar,
Head Constable B. No. 988,
Ahmednagar,
Maharashtra.

Shri Lourembam Bijoy Singh,
Deputy Superintendent of Police,
CID, Imphal,
Manipur.

Shri Huidrom Bhubon Singh,
Inspector of Police,
Lamphel Police Station,
Manipur.

Shri Michael Khlur Budnah,
Sub-Inspector of Police,
Special Branch,
Shillong,
Meghalaya.

Shri Lukhei Sema,
Deputy Inspector General of Police,
Kohima,
Nagaland.

Shri S. A. Jamir,
Superintendent of Police,
Dimapur,
Nagaland.

Shri Lakman Chandramouli Amarnathan,
Superintendent of Police,
Vigilance, Central Division,
Cuttack,
Orissa.

Shri Suvendra Kumar Patra,
Assistant Commandant of Police /
Junior Staff Officer,
Office of the Commandant General Home Guards,
Cuttack,
Orissa.

Shri Sushil Kumar Hota,
Inspector of Police,
Vigilance, Northern Division,
Sambalpur,
Orissa.

Shri Narahari Dash,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Vigilance, Central Division,
Cuttack,
Orissa.

Shri Kelu Charan Boliarsingh,
Driver Havildar Major,
Vigilance Directorate,
Cuttack,
Orissa.

Shri Sudarshan Singh,
Deputy Superintendent of Police,
CID, Unit, Chandigarh,
Punjab.

Shri Sukhcharan Singh Bajwa,
Deputy Superintendent of Police,
No. J/32, Sub Division, Gurdaspur,
Punjab.

Shri Sadhu Singh,
Inspector of Police No. J/46,
Chief Drill Instructor,
P.T.C., Phillaur,
Punjab.

Shri Ram Sarup,
Constable (Driver) No. 583/Patiala,
P.S. Bassi Pathana,
District Patiala,
Punjab.

Shri Balbhadra Singh Rathore,
Assistant Inspector General of Police,
Jaipur,
Rajasthan.

Shri Pukh Raj Seervi,
Additional Superintendent of Police,
Jaipur,
Rajasthan

Shri M. K. Pareek,
Additional Superintendent of Police,
Sri Ganganagar,
Rajasthan.

Shri Mohammad Shafi,
Inspector of Police,
Jhalawar,
Rajasthan.

Shri Shiv Dayal Singh,
Inspector of Police,
Police Line, Jaipur,
Rajasthan.

Shri Fakruddin Shekh,
Sub-Inspector of Police,
District Chittorgarh,
Rajasthan.

Shri Narpat Singh,
Assistant Sub-Inspector of Police, (DSB),
Nagaur,
Rajasthan.

Shri Chhotu Ram,
Head Constable, No. 2003,
Jaipur,
Rajasthan.

Shri Basant Kumar,
Constable No. 519,
Bikaner,
Rajasthan.

Shri Balabhadra Chettri
Head Constable,
Mogothang PP,
Sikkim.

Shri R. V. Gopalan,
Superintendent of Police,
Commercial Crime Investigation Wing, CID,
Madras,
Tamil Nadu.

Shri Sankaranarayanan Sukumaran,
Additional Superintendent of Police,
Armed Reserve, Vellore,
Tamil Nadu.

Shri Pundi Narayana Srinivasan,
Deputy Superintendent of Police,
Vigilance and Anti Corruption,
Madras City,
Tamil Nadu.

Shri Ayyaswamy Dasaratharaman,
Deputy Superintendent of Police,
Crime Branch, CID, Headquarters,
Madras,
Tamil Nadu.

Shri Kuppuswamy Ganesan,
Inspector of Police,
Vigilance and Anti Corruption,
Pudukkottai Detachment,
Tamil Nadu.

Shri Puduppadi Viswanathan Seetharaman,
Inspector of Police,
D.C.B. Erode (Periyar District),
Tamil Nadu.

Shri Koravampalayam Sianasamy Rangasamy,
Inspector of Police, Race Course (Crime) P.S.,
Coimbatore Urban District,
Tamil Nadu.

Shri M. Shanmugham,
Sub-Inspector of Police,
Madras City,
Tamil Nadu.

Shri Karuppasamy Perachi Pandian,
Constable No. 1453,
Vigilance and Anti Corruption,
Tirunelveli Detachment,
Tamil Nadu.

Shri N. Venugopal,
Constable No. 1257,
Madurai North District,
Tamil Nadu.

Shri Jyotirmoy Deb Roy,
Inspector of Police, CID,
Agartala,
Tripura.

Shri Hari Das Rao,
Deputy Inspector General of Police,
Personnel Housing and Welfare,
Police Headquarters,
Allahabad,
Uttar Pradesh.

Shri Sharif Alevi,
Deputy Superintendent of Police,
Deputy Assistant to Director General of Police,
Lucknow,
Uttar Pradesh.

Shri Subhash Chandra, Jaiswal,
Deputy Superintendent of Police,
Intelligence Department, Lucknow,
Uttar Pradesh.

Shri Rama Shanker Dhar Dwivedi,
Assistant Commandant, IV Battalion,
P.A.C. Allahabad,
Uttar Pradesh.

Shri Ram Kishore Gupta,
Assistant Radio Officer,
U.P. Police Radio Section,
Lucknow,
Uttar Pradesh.

Shri Jeet Singh Negi,
Inspector of Police,
D.E.F., Mathura,
Uttar Pradesh.

Shri Jagdish Prasad Singh,
Inspector of Police,
U.P. Vigilance Estt.,
Lucknow,
Uttar Pradesh.

Shri Basant Ram Anupam,
Inspector of Police,
Intelligence Department,
Lucknow,
Uttar Pradesh.

Shri Krishna Prasad Srivastava,
Deputy Inspector of Police (M),
U.P. Police Headquarters,
Allahabad,
Uttar Pradesh.

Shri Shanker Lal,
Sub-Inspector of Police,
Police Lines, Mainpuri,
Uttar Pradesh.

Shri Iqbal Singh,
Sub-Inspector of Police,
District Gonda,
Uttar Pradesh.

Shri Chandra Shekhar Singh,
Company Commander,
42nd Battalion, P.A.C.,
Lucknow,
Uttar Pradesh.

Shri Turan Singh,
Platoon Commander,
XXVIII Battalion, P.A.C.,
Etawah,
Uttar Pradesh.

Shri Trilok Chand,
Head Constable No. 3097,
XXXV Battalion, P.A.C.,
Lucknow,
Uttar Pradesh.

Shri Bechu Pandey,
Head Constable No. 242,
4th Battalion, P.A.C.,
Allahabad,
Uttar Pradesh.

Shri Abhai Narain Singh,
Head Constable,
G.R.P.(C) Section,
Gorakhpur,
Uttar Pradesh.

Shri Rajey Singh,
Head Constable,
57 Armed Police,
District Bareilly,
Uttar Pradesh.

Shri Ganeshi Lal,
Constable No. 880,
Civil Police
District Bareilly,
Uttar Pradesh.

Shri Raghunath Singh,
Constable No. 172 C.P.,
District Budauli,
Uttar Pradesh.

Shri Mahabir Singh,
Head Constable No. 68,
District Budauli,
Uttar Pradesh.

Shri Raja Ram,
Constable No. 388 Armed Police,
Kanpur Nagar,
Uttar Pradesh.

Shri Nihal Singh,
Constable No. 1476,
District Police Kanpur Dehat,
Uttar Pradesh.

Shri Jagat Singh,
Constable No. 14389,
XI Battalion, P.A.C.,
Sitapur,
Uttar Pradesh.

Shri Vishnu Sahai,
Deputy Commissioner of Police,
Eastern Suburban Division,
Calcutta,
West Bengal.

Shri Bimalendu Gupta,
Deputy Superintendent of Police,
C.I.D., Bhabani Bhavan, Alipore,
Calcutta,
West Bengal.

Shri Gobinda Chandra Raha,
Inspector of Police, DDI, CID,
Scrampore,
West Bengal.

Shri Chandra Kumar Pradhan,
Inspector of Police, Kurseong,
District Darjeeling,
West Bengal.

Shri Mrinal Kanti Dutta,
Inspector of Police,
Ant iCorruption Unit,
Vigilance Commission,
Malda,
West Bengal.

Shri Sujit Kumar Gupta,
Inspector of Police, Bomb Squad,
Calcutta,
West Bengal.

Shri Sujit Kumar Sanyal,
Inspector of Police,
Missing Persons Squad,
Detective Department,
Calcutta,
West Bengal.

Shri Subhendu Bhattacharjee,
Inspector of Police,
Statistics Section, Enforcement Branch,
Calcutta,
West Bengal.

Shri Biplob Kumar Goswami,
Sub-Inspector of Police,
PS Gariahat,
Calcutta,
West Bengal.

Shri Sailesh Chandra Mohanta,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Krishnagar, Nadia,
West Bengal.

Shri Sailesh Chandra Mohanta,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Krishnagar, Nadia,
West Bengal.

Shri Dinesh Chandra Chakraborty,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Port Division, Calcutta,
West Bengal.

Shri Bishnu Kumar Chhetri,
Head Constable No. 731,
District Armed Police,
Jalpaiguri,
West Bengal.

Shri Chandra Sekhar Roy,
Constable No. 4663, D.I.B.,
24-Parganas,
West Bengal.

Shri Ashok Kapoor,
Inspector of Police, Chandigarh,
Chandigarh Administration.

Shri Manalil Varuthunni Johny,
Sub-Inspector of Police,
Kavaratti,
Lakshadweep.

Shri Ashim Sekhar Chakravarty,
Deputy Superintendent of Police,
SO to I.G.P., Government of Mizoram,
Aizawl,
Mizoram.

Shri R. Doliana,
Inspector of Police,
D.E.F., Aizawl,
Mizoram.

Shri Murugaswamy Selvaraj,
Assistant Sub-Inspector of Police,
Odlensalai Police Station,
Pondicherry.

Shri Ram Saran Dewan,
Assistant Commissioner of Police .
Vigilance,
Delhi,
Delhi Administration.

Shri Surinder Singh,
Inspector of Police No. D-I/75,
Special Branch, Delhi,
Delhi Administration.

Shri Mata Din,
Sub-Inspector of Police No. 1534/D,
Drill Instructor, P.T.S.,
Jharoda Kalan, Delhi.
Delhi Administration.

Shri Suresh Chander,
Sub-Inspector of Police No. D/435,
Security Unit of Delhi Police ,
Delhi,
Delhi Administration.

Shri Karam Chand,
Constable No. 412/DAP,
1st Battalion, D.A.P.,
Delhi,
Delhi Administration.

Shri Om Prakash Yadav,
Commandant, JRLA No. 448,
Subsidiary Training Centre,
Udhampur (J & K),
Border Security Force.

Shri Darshan Singh Ral
Commandant,
13th Battalion, BSF,
Border Security Force.

Shri Manohar Lal Dewan,
Deputy Commandant/Adjutant,
BSF Academv. Teknepur,
Border Security Force.

Shri Virendra Kumar Tagalav,
Deputy Commandant,
17th Battalion BSF Jaisalmer (Pajasthan),
Border Security Force.

Shri Ram Saran Gurung,
Deputy Commandant
90th Battalion BSF MAWPAT,
Shillong,
Border Security Force.

Shri Prabhu Singh,
Assistant Commandant JRLA No. 2658,
13th Battalion BSF,
Border Security Force.

Shri Madan Singh Bhati,
Assistant Commandant,
BSF Signal Regiment,
New Delhi,
Border Security Force.

Shri Puran Singh,
Sub Major (No. 661210196),
43rd Battalion BSF,
Border Security Force.

Shri Dharam Singh Lama,
Inspector (AC Honv) (Subedar Major),
90th Battalion BSF, Mawpat,
Shillong.
Border Security Force
Shri Surjeet Singh Verma,
Inspector No. 67232009,
IAD(G) Office, BSF,
Ferozepur.
Border Security Force.
7—431 GI/84

Shri Raghbir Singh,
Inspector (Sub. Major), No. 661430116,
96th Battalion BSF,
Panisagar,
Border Security Force.

Shri Tirath Singh,
Inspector, B.T.C. No. 665880106,
BSF TC & S,
Hazaribagh,
Border Security Force.

Shri Jaswant Singh,
Sub-Inspector No. 675000550,
58th Battalion BSF,
Border Security Force.

Shri Ranjit Kumar Aich,
Sub-Inspector No. 66711058,
74th Battalion BSF,
Dobhasinara, Tura, West Garo Hills (Meghalaya),
Border Security Force.

Shri Anokh Singh,
Head Constable No. 67544078,
103 RD Battalion BSF,
Border Security Force.

Shri Indra Deo Goalal
Head Constable No. 679000521,
90th Battalion BSF,
Border Security Force.

Shri Harbans Singh,
Head Constable No. 66243041,
HQ. JG BSF Punjab,
Jalandhar Cantt.
Border Security Force.

Shri Bhuvra Ram
W/C No. 66232717,
23rd Battalion BSF,
Border Security Force.

Shri P. N. Ramakrishnan,
Additional Deputy Inspector General of Police,
GC CRPF Bhubaneswar Orissa,
Central Reserve Police Force.

Shri Ernest Samson Bhaktawar
Additional Deputy Inspector General of Police,
GC CRPF Hyderabad Andhra Pradesh,
Central Reserve Police Force.

Shri A. K. Kathuria
Additional Deputy Inspector General of Police,
GC CRPF Dimapur (Nagaland),
Central Reserve Police Force.

Shri Surjeet Singh Gill,
Commandant, 1st Battalion, CRPF,
Delhi,
Central Reserve Police Force.

Shri S. Kutty Sankaran,
Commandant,
5th Battalion CRPF
Central Reserve Police Force.

Shri Rama Shanker Agarwal
Deputy Superintendent of Police,
1st Signal Battalion, CRPF,
New Delhi,
Central Reserve Police Force.

Shri Shiv Sahai Sharma,
Inspector,
46th Battalion CRPF,
Central Reserve Police Force.

Shri Ram Akhal Singh,
Sub-Inspector,
41st Battalion, CRPF,
New Delhi,
Central Reserve Police Force.

Shri Indar Singh, Sub-Inspector No. 561010178, 3rd Signal Battalion, CRPF, Rampur (UP), Central Reserve Police Force.	Shri Ravendra Narain Sinha, Superintendent of Police, Central Investigation Unit (Banking), New Delhi, Central Bureau of Investigation.
Shri Bikram Singh, Sub-Inspector No. 570063112, 53rd Battalion, CRPF, Central Reserve Police Force.	Shri Ranjit Kumar Sarkar, Deputy Superintendent of Police, General Offences Wing, Calcutta, Central Bureau of Investigation.
Shri Madan Singh, Head Constable No. 570061332, 6th Battalion CRPF, Chandigarh, Central Reserve Police Force.	Shri Prem Ballabh Sundriyal, Deputy Superintendent of Police, Central Investigating Unit (F), New Delhi, Central Bureau of Investigation.
Shri M. V. Raman, Naik Driver No. 680425221, 42nd Battalion, CRPF, Bangalore, Central Reserve Police Force.	Shri Vishnu Deo Maheshwari, Deputy Superintendent of Police, Central Investigating Unit (Ant) New Delhi, Central Bureau of Investigation.
Shri K. Sadashivan Panikar, Naik No. 630051668, C.R.P.F., I.A.S., Mount Abu, Central Reserve Police Force.	Shri Parakkal Raman Nair Appunni Kurup, Inspector of Police, Cochin, Central Bureau of Investigation.
Shri Ganjoo Ram, Constable No. 570052155, Group Centre, CRPF, Bantala (Jammu), Central Reserve Police Force.	Shri Vidya Bhushan, Inspector of Police, General Offences Wing, New Delhi, Central Bureau of Investigation.
Shri Ajit Singh, Office Superintendent (SM), Office of IGP-S/17, CRPF, Shillong, Central Reserve Police Force.	Shri Nand Kishore, Sub-Inspector of Police Crime Record Division, New Delhi, Central Bureau of Investigation.
Shri Ram Rattan, Follower (Peon), Directorate General, CRPF, New Delhi, Central Reserve Police Force.	Shri Umed Singh, Sub-Inspector of Police Central Investigating Unit (NC), New Delhi, Central Bureau of Investigation.
Shri Pala Ram, Commandant Staff (Legal and Logistics), HQRS., ITB Police, New Delhi, Indo Tibetan Border Police.	Shri Subbarayan Sampoornam, Assistant Sub-Inspector of Police, General Offences Wing, Madras, Central Bureau of Investigation.
Shri S. C. Kulshreshtha, Company Commander, 4th Battalion, ITB Police, Indo Tibetan Border Police.	Shri Narasimhan Janakiram, Head Constable, SPE, Bangalore, Central Bureau of Investigation.
Shri Ram Kumar, Subedar, 6th Battalion, ITB Police, Simla (HP), Indo Tibetan Border Police.	Shri Ishtyaq Hussain, Constable, CBI, Jabalpur, Central Bureau of Investigation.
Shri Ralendra Kumar Nigam, Deputy Inspector General, CISF Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur, Central Industrial Security Force.	Shri Prakash Chandra Pant, Deputy Director, Subsidiary Intelligence Bureau, Jaipur, Intelligence Bureau.
Shri Janak Singh, Sub-Inspector, CISF Unit, Bhilai Steel Plant, Bhilai, Central Industrial Security Force.	Shri Sambasiva Ganapathy, Deputy Director, Headquarters, New Delhi, Intelligence Bureau.
Shri Ganeshwar Jha, Deputy Inspector General of Police, Zonal III, New Delhi, Central Bureau of Investigation.	

Shri Surendra Venktesh Galagali,
Assistant Director, Headquarters,
New Delhi,
Intelligence Bureau.

Shri N.S.S. Chandran,
Assistant Director, Headquarters,
New Delhi,
Intelligence Bureau.

Shri Virinder Pal Singh,
Assistant Director, Headquarters,
New Delhi,
Intelligence Bureau.

Shri Vanchinathan Lakshmanan,
Assistant Director, Headquarters,
New Delhi,
Intelligence Bureau.

Shri Dhruv Dev Narain,
Technical Officer, Headquarters,
New Delhi,
Intelligence Bureau.

Shri Suresh Chandra Saxena,
Senior Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Lucknow,
Intelligence Bureau.

Shri Gunanjhi Behara,
Senior Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Bhubaneswar,
Intelligence Bureau.

Shri Harmohan Singh,
Deputy Central Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Delhi,
Intelligence Bureau.

Shri Amar Nath Basu Roychowdhury,
Deputy Central Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Calcutta,
Intelligence Bureau.

Shri Shrinivas Venkatrao Mirji,
Deputy Central Intelligence Officer,
Headquarters, New Delhi,
Intelligence Bureau.

Shri Prabodh Chandra Chakraborty,
Assistant Central Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Calcutta,
Intelligence Bureau.

Shri Narayanaswamy Venkataraman,
Immigration Officer,
Bureau of Immigration,
Madras,
Intelligence Bureau.

Shri Krishan Dev Gulati,
Assistant Central Intelligence Officer,
Headquarters,
New Delhi,
Intelligence Bureau.

Shri Noshia Tshering,
Assistant Central Intelligence Officer,
Subsidiary Intelligence Bureau,
Gangtok,
Intelligence Bureau.

Shri Kadayan Suryanarayanan Subramanian,
Director (Research and Policy Division),
New Delhi,
Ministry of Home Affairs.

Shri N. Hari Prasad,
Sub-Inspector (Technical),
Directorate of Coordination Police Computers,
New Delhi,
Ministry of Home Affairs.

Shri Triveni Prasad,
Motor Transport Jamadar (A.S.I.),
Sardar Vallabhbhai Patel,
National Police Academy,
Hyderabad,
Ministry of Home Affairs.

Shri Govind Prasad Dhoundiyal,
Inspector,
North Eastern Police Academy,
Shillong.

Shri Rodney Alien Potter,
Assistant Security Officer,
N. E. Railway, Gorakhpur,
Ministry of Railways.

Shri T. Mallikarjuna Rao,
Inspector, R.P.F.,
South Central Railway,
Renigunta,
Ministry of Railways.

Shri Puran Singh Himmat Singh Yadav,
Sub-Inspector, R.P.F.,
Central Railway, Mathura,
Ministry of Railways.

Shri Dharam Nath Roy,
Assistant Sub-Inspector, R.P.F.,
Crime Intelligence Branch, S.E. Railway, Kharagpur,
Ministry of Railways.

Shri Hamid Khan,
Head Rakshak (Instructor),
R.P.F. Training School,
Western Railway, Bulsar,
Ministry of Railways.

These awards are made under rule 4(ii) of the rules
governing the grant of the Police Medal.

S. NILAKANTAN
Deputy Secretary to the President

**CABINET SECRETARIAT (MANTRIMANDAL
SACHIVALAYA)**

New Delhi, the 9th January 1985

No. 11/2/85-Desk 'C'.—The President is pleased to decide that the following amendments be made in the Government of India, Department of Cabinet Affairs Resolution No. 26/7/70-SC date 1st February, 1971 and amended subsequently by Cabinet Secretariat Resolution No. 26/2/82-CA. III dated 11th November, 1982, setting up the Electronics Commission :—

(a) Paragraph 4 (b) may be substituted as under :—

"The Chairman of the Electronics Commission Shall be a person nominated as such by the Prime Minister."

(b) Paragraph 7 (a) may be substituted as under :—

"The Chairman shall be responsible for arriving at decisions on technical questions and advising Government on matters of policy relating to Electronics."

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries/Departments of the Government of India and all the State Governments/Union Territories.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. VENKATESAN
Jt. Secy. to the Cabinet

MINISTRY OF IRRIGATION

New Delhi, the 7th January 1985

CORRIGENDUM

No. F. 19 (4)/81-I.T.—Government of Rajasthan have decided to re-name the Rajasthan Canal as Indira Gandhi Nehar with immediate effect from 7-11-1984. Therefore, in partial modification of the erstwhile Ministry of Irrigation and Power Resolution No. DW. III-26(4)/58, dated the 19th December, 1958, it has been decided to re-name the 'Rajasthan Canal Board' as 'Indira Gandhi Nehar Board'. The words 'Rajasthan Canal Board' and 'Rajasthan Canal Project' wherever occurring may please be substituted as 'Indira Gandhi Nehar Board' and 'Indira Gandhi Nehar Project' respectively.

R. K. BHATIA, Dy. Secy.

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS

(DEPARTMENT OF FORESTS AND WILD LIFE)

RULES

New Delhi, the 2nd February, 1985

No. 17011/1/84-IFS(H)—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1985 for the purpose of filling vacancies in the Indian Forest Service are published for general information.

1. The number of vacancies to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

2. Every candidate appearing at the Examination, who is otherwise eligible, shall be permitted three attempts at the examination. The restriction is effective from the examination held in 1984.

Provided that this restriction on the number of attempts will not apply in the case of Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates who are otherwise eligible.

NOTE 1.—A candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

NOTE 2.—Notwithstanding the disqualification/cancellation of candidature the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate, belonging to categories (b) (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on 1st July, 1985 i.e. he must have been born not earlier than 2nd July, 1957 and not later than 1st July, 1964.

'NOTE.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT THE UPPER AGE LIMIT HAS BEEN REVISED FROM 28 TO 26 YEARS WITH EFFECT FROM THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION TO BE HELD IN 1986 AND THEREAFTER.'

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

(ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes;

(x) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(xi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;

(xii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian Origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(xiv) up to a maximum of five years in case of ex-service-men and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st July, 1985 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st July, 1984) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of physical disability attributable to Military Service or on invalidment;

(xv) up to a maximum of ten years in case of ex-service-men and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st July, 1985 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st July, 1985) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;

(xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate must hold a Bachelor's degree with at least one of the subjects, namely, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Physics and Zoology or a Bachelor's degree in Agriculture or in Engineering of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE I.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible to apply for admission to the Commission's examination.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

(i) obtaining support for his candidature by any means or

- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their admission certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the Service.

16. A CANDIDATE SHALL BE REQUIRED TO INDICATE IN COLUMN 24 OF THE APPLICATION FORM HIS OR HER ORDER OF PREFERENCE FOR STATE/Joint CADRES OF THE SERVICE TO WHICH HE/SHE WOULD LIKE TO BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT.

NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE GOVERNMENT OF INDIA WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY, FOR VARIOUS STATE/Joint CADRES AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the Standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with requirements of the Service.

Attention is particularly invited to the condition of medical fitness involving a walking test of 25 Kilometres in 4 hours in the case of male candidates and 14 Kilometres in 4 hours for female candidates.

18. No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing; exempt any person from the operation of this rule.

19. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into Service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into Service.

20. Brief particulars relating to the Service to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

M. V. KESAVAN
Deputy Secretary

APPENDIX I

SECTION I

Plan of Examination

The competitive examination for the Indian Forest Service comprises:—

(A) Written examination in—

- (i) two compulsory subjects viz., General English and General knowledge [See Sub-Section (a) of Section II below]—Maximum marks : 300.
- (ii) a selection from the optional subjects set up in Sub-section (b) of Section II below. Subject to the provisions of that Sub-Section candidates must take any two of those subjects—Maximum marks : 400.

(B) Interview for Personality Test (*vide* Part B of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission—Maximum marks : 200.

SECTION II

Examination Subjects

(a) Compulsory subjects *vide* Sub-section A(i) of Section I above:—

Code No.	Maximum Marks
----------	---------------

(1) General English.	21	150
(2) General Knowledge	22	150

(b) Optional subjects *vide* Sub-section A(ii) of Section I above:—

Subject	Code No	Maximum Marks
Agriculture	01	200
Botany	02	200
Chemistry	03	200
Civil Engineering	04	200
Geology	05	200
Agricultural Engineering	06	200
Chemical Engineering	07	200
Mathematics	09	200
Mechanical Engineering	10	200
Physics	11	200
Zoology	13	200

Provided that the following restrictions shall apply to the above subjects :

- (i) No candidate shall be allowed to take both the subjects with codes 01 and 06;
- (ii) No candidate shall be allowed to take both the subjects with codes 03 and 07.

NOTE.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

SECTION III

General

1. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH

2. The duration of each of the papers referred to in Sub-sections (a) and (b) of Section II above will be 3 hours.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. If a candidate's handwriting is not easily legible deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

8. In the question papers wherever necessary questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

9. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Knowledge will be such as may be expected of a Science or Engineering graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will approximately be that of the Bachelor's degree (Pass) of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

GENERAL ENGLISH (Code 21)

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or precis.

GENERAL KNOWLEDGE (Code 22)

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated

person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

NOTE.—The paper in General Knowledge will consist of objective type questions only. For details including sample questions, please see candidate's information manual at Annexure II to the Commission's Notice.

AGRICULTURE—(Code—01)

Candidates will be required to answer questions from Sections (A) and (B) or Sections (A) and (C) below:

(A) Agricultural Economics

Meaning and scope of agricultural economics, significance of study and its relationship with other sciences, importance of agriculture in Indian economy, contribution to national income comparison with other countries, study of significant economic problems in Indian agricultural production, marketing, labour credit etc.

Nature of study of farm management, its meaning and scope, relation to other physical and social sciences, concepts and basic principles in farm management. Types and systems of farming-determining factors. Planning for profitable use of land, water, labour and equipment, methods of measuring farm efficiency, nature and purpose of farm book-keeping, farm records and accounts, financial accounting, enterprise accounting and complete cost accounting.

(B) Agronomy

Crop Production—Detailed study of KHARIF crops; Paddy, Maize, Jowar, Bajra, Groundnut, Til, Cotton, Sun-hemp, Moong, Urd with reference to their introduction, distribution, seedbed preparation, improved varieties, sowing and seed-rate inter-culture, harvesting and physical inputs of production of crops.

Detailed study of important RABI crops: Wheat, Barley, Jowar, Sugarcane, Tobacco, Berseem, with reference to origin, history, distribution, soil and climate, seedbed preparation, improved varieties, sowing, seed-rate interculture, harvesting, storing, physical inputs of crops.

Weeds and Weed Control—Classification of weeds; habitat and characteristics of important weeds of India. Injurious effects and losses caused by weeds, chief agencies of weed dissemination, cultural, biological and chemical control of weeds.

Principles of Irrigation and Drainage—Necessity and sources of irrigation water, water requirements of crops, common water lifts, duty of water, prevention of wastage of irrigation water, system and methods of irrigation, advantage and limitations of each method. Measurement of irrigation water. Soil moisture, different forms of soil moisture and their importance. Drainage and its necessity, harm caused by excessive water, methods of drainage.

(C) Soil Science & Soil Conservation

Definition of soil, its main components, soil profile, soil mineral colloids, cation exchange capacity, base saturation percentage ion exchange, essential nutrients for plant growth, their forms in the soil and their role in plant nutrition. Soil organic matter, its decomposition and its effect on soil fertility. Acid and alkali soils, their formation and reclamation. Effect of organic manures, green manures and fertilizers on soil properties. Properties of common nitrogenous, phosphatic and potassic fertilizers.

Mechanical composition and soil texture, soil pore space, soil structure, soil water, types of soil water, its retention, movement, availability and measurement of soil water. Soil temperature, soil air and its importance. Soil structure, its forms and their effect on the physio-chemical properties of soil.

Soil Morphology and Soil Surveying—Earth's crust; soil forming rocks and minerals; their composition and importance in soil formation. Weathering of rocks and minerals, factors and processes of soil formation, great soil groups of the world and their agricultural importance. Study of Indian soils. Soil survey and classification.

Principles of Soil Conservation—Soil erosion, factors affecting erosion, soil conservation, soil properties in relation to agronomic and engineering practices, land drainage, needs and practices for agricultural lands, land use classification, soil conservation, planning and programme.

BOTANY—(Code—02)

1 Survey of the Plant Kingdom—Difference between animals and plants: Characteristics of living organism: unicellular and multicellular organism: Viruses; basis of the division of the plant kingdom.

2 Morphology—(i) **Unicellular plants**—Cell, its structure and contents: division and multiplication of cells.

(ii) **Multicellular plants**—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants; external and internal morphology of vascular plants.

3 Life history—Of at least one member of the following Categories of plants: Bacteria, Cyanophyceae, Chlorophyceae, Phacophyceae, Rhodophyceae, Phycomycetes, Ascomycetes, Basidiomycetes, liver worts, Mosses, Pteridophytes, Gymnosperms and Angiosperms.

4 Taxonomy—Principles of classification: Principal systems of classification of angiosperms; distinctive features and economic importance of the following families Gramineae, Scitamiae, Palmaceae, Liliaceae, Orchidaceae, Moraceae, Loranthaceae, Magnoliaceae, Lauraceae, Cruciferae, Rosaceae, Leguminosae, Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceae, Malyaceae, Apocynaceae, Asclepiadaceae, Dicotyledonaceae, Myrtaceae, Umbelliferaceae, Solanaceae, Rubiaceae, Cucurbitaceae, Verbenaceae and Compositae.

5. Plant Physiology—Autotrophy, heterotrophy, intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth reproduction: Plant/animal relation; symbiosis, parasitism, enzymes, auxins, hormones, photoperiodism.

6. Plant Pathology—Cause and cure of plant diseases; disease organisms, Viruses, deficiency disease; disease resistance.

7. Plant Ecology—The basic facts relating to ecology and plant geography, with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.

8. General Biology—Cytology, Genetics, plant breeding, Mendelism, hybrid vigour, Mutation, Evolution.

9. Economic Botany—Economic uses of plants, esp. flowering plants, in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruit sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber drugs and essential oils.

10 History of Botany—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

CHEMISTRY—(Code—03)**1. Inorganic Chemistry**

Electronic configuration of elements, Aufbau principle, Periodic classification of elements. Atomic number, Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii, ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electronic Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Werner's theory of coordination compounds. Electronic configurations of complexes involved in the common metallurgical and analytical operations.

Oxidation states and Oxidation number, Common oxidising and reducing agents, Tonic equations.

Lewis and Bronsted theories of acids and bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification. Principles of extraction isolation (and metallurgy) of important elements.

Structures of hydrogen peroxide diborane, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus-chlorine and sulphur.

Inert gases: Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of: Sodium carbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.

2. Organic Chemistry

Modern concepts of covalent bonding. Electron displacements—inductive mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic Chemistry, Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes, petroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds Alcohols, Aldehydes, ketones, acids halides Esters and acetoacetic esters Tartaric citric, maleic and ethers, acid anhydrides chlorides and amides. Monobasic hydroxy, ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters Tartaric citric, maleic and fumaric acids Carbohydrates, classification and general reactions Glucose fructose and sucrose.

Stereochemistry: Optical and geometrical isomerism. concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives: Toluene, xylenes, phenols, halides, nitro and amino compounds, Benzoic, salicyclic cinnamic, mandelic and sulphonic acids. Aromatic aldehydes and ketones. Diazo, azo and hydrazone compounds. Aromatic substitution. Naphthalene, pyridine and quinoline.

3. Physical Chemistry

Kinetic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities Vander Waal's equation. Law of corresponding states. Liquefaction of gases Specific heats of gases Ratio of cp/Cv.

Thermodynamics: The first law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic expansion. Enthalpy. Heat capacities Thermochemistry—heats of reaction formation solution and combustion Calculation of bond energies Kirchoff equation

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics. Entropy Free energy. Criteria of Chemical equilibrium

8-431GI/84

Solution, Osmotic pressure, lowering of vapour pressure, depression of freezing point, elevation of boiling point Determination of molecular weights in solution. Association dissociation of solutes.

Chemical equilibria, Law of mass action and its application to homogenous and heterogeneous equilibria. Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Electrochemistry: Faraday's laws of electrolysis, conductivity of an electrolyte : equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts, electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; solubility product strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen ion concentration buffer action; theory of indicators.

Reversible cells. Standard, hydrogen and calomel electrodes. Electrode and red-ox-potentials. Concentration cells. Determination of pH, Transport number, Ionic product of water, Potentiometric titrations.

Chemical Kinetics; Molecularity and order of a reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction, temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates Activated complex theory.

Phase rule; Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids: General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids Coagulation. Protective action and gold number. Absorption.

Catalysis: Homogenous and heterogenous catalysis. Promoters. Poisoning.

Photochemistry: Laws of photochemistry. Simple numerical problems.

CIVIL ENGINEERING—(Code—04)**1. Building material and Properties and strength of materials**

Building materials—Timber, stone, brick, lime, tile, sand, surkhi, mortar and concrete, metal and glass—Structural properties of metals and alloys used in engineering practice.

Stresses and strains—Hook's law—Bending Torsion and direct stresses. Elastic theory of bending of beams maximum and minimum stresses due to eccentric loading. Bending moment and Shear force diagrams and deflection of beams under static and live loads.

2. Building construction and water supply and sanitary Engineering—

Construction—Brick and stone masonry walls, floors and roofs, staircases, carpentry in wooden floors roofs ceiling, doors and windows, finishes (plastering, pointing, painting and varnishing etc.).

Soil mechanics—Soils and their investigations. Bearing capacities and foundations of buildings and structures—principles of design.

Building estimates—Principle units of measurement : Taking out quantities for building and preparation of abstract of costs—specifications and data sheets for important items

Water supply—Sources of Water, Standards of purity, methods of purification, layout of distribution system, pumps and boosters.

Sanitation—Sewers, storm water overflows, house drainage requirements and appurtenances, septic tanks, Imhoff tanks, sewage treatment and dispersion trenches—Activated sludge process.

3. Roads and bridges :

Survey and alignment—Highway materials and their placements, Principles of design—width of foundation and pavement, camber, gradient curves and super-elevation—Retaining walls.

Construction—Earth roads, stabilized and water bound macadam roads, bituminous surfaces and concrete roads, draining of roads : Bridges—Types, economical spans, I.R.C. loading, designing superstructure of small span bridges—Principles of designing, foundation of abutments and piers of bridges, pile and well foundations.

Estimating Earthwork for roads and canals.

4. Structural Engineering :

Steel structures—Permissible stresses, Design of beams simple and built-up columns and simple roof trusses and girders column bases and grillages for axially and eccentrically loaded columns—Bolted; riveted and welded connections.

R.C.C. structures—Specification of materials used—proportioning workability and strength requirement—I.S.I. standards for design loads permissible stresses in R.C.C. members subject to direct and bending stresses—Design of simply supported overhanging and cantilever beams, rectangular and Tee beams in floors, roofs and lintels—axially loaded columns; their bases.

GEOLOGY—(Code—05)

1. General Geology :

Origin, age and interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion ; Soil types, their classification and soil groups of India; Physiographic sub-divisions of India. Vegetation and topography; Volcanoes, earthquakes, mountains diastrophism.

2. Structural Geology :

Common structure of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Dip, strike and slopes; folds, faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy :

Elementary knowledge of crystal symmetry. Laws of crystallography. Crystal habits and twinning

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

4. Economic Geology :

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. Petrology .

Elementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. Stratigraphy

Principles of stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological records. Outstanding feature of Indian Stratigraphy.

7. Palaeontology :

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

AGRICULTURAL ENGINEERING—(Code—06)

1. Soil and Water Conservation—Definition and scope of soil conservation; Mechanics and types of erosion, their causes Hydrologic cycle rainfall and runoff—factors affecting them and their measurements, stream gauging—Evaluation of runoff from rainfall. Erosion control measures—Biological and Engineering.

Basic open channel hydraulic. Design of soil conservation structures—terraces, bunds, outlets and grassed waterways. Principles of flood control. Flood routing. Design of farm ponds and earth dams. Stream bank erosion and its control. Wind erosion and its control. Principles of watershed management

Investigation and planning in River Valley projects.

2. Irrigation and drainage—Soil-water-plant relationships. Sources and types of irrigation. Planning and design of minor irrigation projects. Techniques of measuring soil moisture.

Duty of water-consumptive use. Water requirements of crops. Measurement and cost of irrigation water. Measuring devices—flow through orifices, wires and flumes. Levelling and layout of irrigation systems. Design and construction of channels, field channels, pipe lines, head-gates, diversion boxes structures and road crossing. Occurrence of ground water, Hydraulics of wells. Types of wells, their construction, drilling methods. Well development, Testing of wells.

Drainage—Definition—causes of water logging. Methods of drainage. Drainage of irrigated lands. Design of surface and sub-surface systems.

3. Building materials—kinds of building materials—their properties. Timber, brickwork and R. C. construction, design of columns, beams, roof trusses, joints. Layout of a farmstead. Design of farm houses, animals, shelters and storage structures. Rural water supply and sanitation.

Farm power and machinery—Construction of different types of internal combustion engines. Ignition, fuel lubricating, cooling and governing systems of IC engines. Different types of tractors. Chassis transmission and steering. Farm machinery for primary and secondary tillage, seeding machinery, interculture tools and machinery. Plant production equipment. Harvesting and threshing equipment. Machinery for land development. Pumps and pumping machinery.

5. Electricity and rural electrification. Power generation and transmission: Distribution of electricity for rural electrification: A.C. and D.C. circuits.

Uses of electric energy on the farm. Electric motors used in agriculture—types, selection, installation and maintenance.

CHEMICAL ENGINEERING—(Code—07)

1. Transport phenomena : (Under steady state conditions);

(a) Momentum transfer :

- (i) Different patterns of flow and their criteria
- (ii) Velocity profile.
- (iii) Filtration; sedimentation : centrifuge.
- (iv) Flow of Solids through fluids.

(b) Heat transfer : Different modes of heat transfer; Conduction—calculation for single and composite walls of flat, cylindrical and spherical shapes.

Convection—different dimensionless groups used in forced and free convection. Equivalent diameter. Determination of individual and overall heat transfer coeff.

Evaporation—Radiation—Stefan Boltzman law.

Emmissivity and absorptivity, Geometrical shape factor, Heat load of furnaces—calculation.

(c) Mass transfer : Diffusion in gases and liquids. Absorption, desorption, humidification, dehumidification, drying and distillation. Analogy between momentum heat and mass transfer.

2. Thermodynamics :

- (a) 1st, 2nd and 3rd Laws of thermodynamics.
- (b) Determination of internal energy, entropy, enthalpy and free energy—Determination of chemical equilibrium constants for homogeneous and heterogeneous systems. Use of thermodynamics in combustion, distillation and heat transfer. Mechanism and theory of mixing various mixers for liquid-liquid, solid-liquid and solid-solid.

3. Reaction engineering :

- (i) Kinetics : Homogeneous and heterogeneous reactions 1st and 2nd order reactions.
- Batch and flows—Reactors and their design.
- (ii) Catalysis—Choice of catalysis;
- Preparation;
- Mechanics of catalysis based upon mechanism.

4. Transportation—Storage and transport of materials and in particular, powders, resins, volatile and non-volatile liquids, emulsions and dispersions, pumps, compressors and blowers. Mixers—Mechanisms and theory of mixing various mixers for liquid-liquid; solid-liquid; solid-solid.

5. Materials—Factors that determine choice of materials of construction in chemical industries.—Metals, and alloys, ceramics, plastics and rubbers. Timber and timber products, plywood laminates.

Fabrication of equipment with particular reference to production of vats, barrels, filter presses etc.

6. Instrumentation and process control—Mechanical, hydraulic, pneumatic, thermal, optical, magnetic, electrical and electronic instruments. Controls and control systems. Automation.

MATHEMATICS—(Code—09)

PART A

Algebra :

Algebra of sets, relations and functions, inverse of a function, composite function, equivalence relation.

Numbers : integers rational numbers, real numbers (statement of properties), complex numbers, algebra of complex numbers.

Groups, sub-groups, normal sub-groups, cyclic and permutation groups, Lagrange's theorem, isomorphism.

De-Moivre theorem for rational index and its simple applications.

Theory of Equations : Polynomial equations, transformation of equations, relations between roots and coefficients of a polynomial equation, symmetric function of roots of cubic and biquadratic equations, location of roots and Newton's method for finding roots.

Matrices : algebra of matrices, determinants—simple properties of determinants, product of determinants adjoint of a matrix, inversion of matrices rank of a matrix, application of matrices to the solution of linear equations (in three unknowns).

Inequalities : arithmetic and geometric means. Cauchy Schwarz inequality (only for finite sums).

Analytic Geometry of two dimensions.—Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, Ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytic Geometry of three dimensions.—Planes, straight lines and spheres (Cartesian Co-ordinates only).

Calculus and Differential Equation :

Differential calculus : Concept of limit; continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem, Mean value theorem, Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms, Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal, sub-tangent, subnormal, asymptotic curvature (Cartesian coordinates only). Envelopes, partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus : Standard methods of integration. Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of Integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integral.

Convergence of sequence and series, test of convergence of series with positive terms. Ratio, root and Gauss tests. Alternating series.

Differential Equations : Solution of standard first order differential equation, Solution and second and higher order linear differential equations with constant coefficients. Simple applications of problems on growth and decay, simple harmonic motion, Simple pendulum and the like.

PART I**Mechanics : (Vector methods may be used)**

Statics—Representation of a force, parallelogram of forces, composition and resolution of forces and conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Triangle of forces. Like and unlike parallel forces. Moments. Couples. General conditions for equilibrium of coplanar forces, centre of gravity of simple bodies. Friction—static and limiting friction angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane, simple problems, simple machines (lever, system of Pulleys, gear). Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics—displacement, speed, velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. motion under gravity (in vacuum). Impulse, work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular motion.

Astronomy :

Spherical Trigonometry.—Sine and cosine formulae, properties of right-angled spherical triangles.

Spherical Astronomy—Celestial sphere, Coordinate systems and their conversion. Diurnal motion. Sidereal and solar times, mean solar time, local and standard times equation of time. Rising and setting of the sun and stars, dip of the horizon. Astronomical refraction. Twilight. Parallax, aberration, procession and nutation. Kepler's laws, Planetary orbits and stationary points. Apparent motion of the moon phases of the moon. Astronomical Instruments—Sextant, transit instrument.

Statistics :

Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability, Random variables (discrete and continuous), density function Mathematical expectation.

Standard distribution—Binomial—definition, mean and variance, skewness, limiting form, simple applications; Poisson—definition, mean and variance, additive property, fitting of Poisson distribution to given data; Normal—simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distributions and simple tests of hypothesis : Random sample, Statistic, Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal $t\chi^2$ and F distributions to testing of significance of difference of means.

NOTE :—Candidates will be required to answer compulsorily from Part A of the syllabus one question on each of the three topics viz. (1) Algebra, (2) Analytic Geometry of two and three dimensions, and (3) calculus and Differential Equation. From Part B of the syllabus it will be compulsory to answer at least one question on any one of the three topics viz., (1) Mechanics, (2) Astronomy and (3) Statistics.

MECHANICAL ENGINEERING—(Code—10)**1 Strength of Materials**

—Stresses and strains—Hooke's Law and relations between elastic constants—Compound bars in tension and compression and stresses due to temperature changes.

Bending Moment, shear force and deflection in simply supported overhanging and cantilever beam for simple loading.

Torsion in round bars—Transmission of power by shafts and springs.

Simple cases of combined bending and direct stresses, and combined bending and torsion

Elastic theory of failure—Stress concentration and fatigue.

2 Theory of Machines and Machine Design

Relative velocities of parts in machines graphically and by calculation.

Crank effort diagram of engines—Speed variation of flywheels. Governors. Power transmitted, by belt drives—Friction and lubrication of journals and thrust bearings, ball and roller bearings. Design of fastenings, and locking devices—Proportions for riveted, bolted and welded joints and fastening

3 Applied Thermodynamics

Fuels Combustion—Air supply—Analysis of fuels and exhaust gases.

Boilers, Superheaters and Economisers—Boilers mountings and accessories—Boiler trial.

Physical properties of steam—Steam tables and their use.

Laws of Thermodynamics—Gas Laws Expansion and compression of gases—Air compressors.

Ideal and actual engine cycle—Use of temperature—entropy heat-entropy and pressure-volume charts and diagrams.

Simple steam engines and Internal combustion engines.

Indicators and indicator Diagrams—Mechanical Thermal air standard and actual efficiencies—General construction—Engine trial and heat balance.

4 Production Engineering

Common machine tools—Working principle and designs features of Lathes, shapers, planers, drilling machines—Milling machines—Grinding machines—Jigs and fixture. Metal cutting tools—Tools materials—Tool geometry.

Cutting forces—Abrasive Wheels

Welding—Weldability and different welding processes—Testing of welds.

Forming process—moulding, casting, forging rolling and drawing of metals.

Metrology—Linear and angular measurements—Limits and fits. Measurements of screws and gears—Surface finish—Optical instruments.

Industrial engineering—Methods study and work measurement—Motion-time data—Work sampling—Job evaluation—Wages and incentives—Planning, control, Plant layout.

5 Fluid Mechanics and Water Power

Bernoulli's equation—Moving plates and vanes—Pumps and turbines. Design principles, application and characteristics curves; Principles of similarity; Governing—Hydraulic accumulators and intensifiers—Cranes and lifts—Surge tanks and Storage reservoirs.

PHYSICS—(Code—11)**1 General properties of matter and mechanics**

Units and dimensions; Scalar and vector quantities; Moment of inertia, work energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion; Gravitation; Simple harmonic motion; Simple and compound pendulum; Kater's pendulum; Elasticity; Surface tension Viscosity of liquids, Rotary pumps Mcleod gauge

2. Sound

Damped, forced and free vibrations; Wave motion, Doppler effect; Velocity of sound waves; Effect of pressure, temperature, humidity on velocity of sound in a gas; Vibration of strings, bars, plates and gas columns; Resonance; Beats; Stationary waves; Measurement of frequency, velocity and intensity of sound; Musical scales; Acoustics in architecture; Elements of ultrasonics. Elementary principles of gramophones, talkies and loudspeakers.

3. Heat Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases; Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzman's distribution law; Van der Waal's equation of States; Joule Thomson effect liquefaction of gases, Heat engines; Carnot's theorem, Laws of thermodynamics and simple applications, Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics Velocity of light; Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces; Defects in optical images and their corrections; Eye and other optical instruments; Wave theory of light; Interference; simple interferometer; Diffraction; Diffraction Grating; Polarisation of light; Elements of spectroscopy.

5. Electricity and magnetism

Calculation of electric field intensity and potential in simple cases, Gauss theorem and simple applications; Electrometers, Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers; Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination; thermoelectric effects Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

Elements of Bohr's theory of atom; Electrons, Cathode rays and X-rays; Measurement of electronic charge and mass.

ZOOLOGY—(Code—13)

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure, habits, and life-history of the following non-chordate types;

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverfluke, tapeworm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, housefly, mosquito, scorpion, freshwater mussel, pond snail and starfish (external characters only).

Economic importance of insects, Bionomics and life-history of the following insects: termite, locust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types:

Branchiostoma; Scoliodon; frog; Uromastix or any other lizard (Skelton of varanus); pigeon (Skelton of fowl); and rabbit, rat or squirrel.

Elementary knowledge of the histology and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit. Endocrine glands and their functions.

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity; adaptation; recapitulation hypothesis. Mendelian inheritance; asexual and sexual modes of reproduction; pathogenesis, metamorphosis, alteration of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna.

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game Birds.

PART B

Personality Test.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the Service. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subject of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or country, as well as in modern currents of thoughts and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal mental qualities of the candidate. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of observation and assimilation, balance of judgment and alertness of mind, initiative, tact, capacity for leadership; the ability for social cohesion, mental and physical energy and powers of practical application; integrity of character; and other qualities such as topographical sense, love for out-door life and the desire to explore unknown and out-of-the-way places.

APPENDIX II

(*Vide Rule 20*)

Brief particulars relating to the Indian Forest Service (*vide Rule 20*).

(a) Appointment will be made on probation for a period of three years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Government of India may determine.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith, or, as the case may be, revert him to the permanent post on which he holds a lien, or would hold a lien had he not been suspended, under the rules applicable to him prior to his appointment to the Service.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government under clauses (d) and (c) above.

(e) An officer belonging to the Indian Forest Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under State Government.

(1) Scale of pay

Junior Scale.—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—
1300 (15 years).

Senior Scale :

(a) Time Scale.—Rs. 1100—(6th year or under)—50—
1600 (16 years).

(b) Selection Grade.—Rs. 1650—75—1800.

Conservator of Forests.—Rs. 1800—100—2000.

Deputy Chief Conservator of Forests (in States where such a post exists).—Rs. 2000—125/2—2250.

Additional Chief Conservator of Forests (in States where such a post exists).—Rs. 2000—125/2—2250.

Chief Conservator of Forests.—Rs. 2500—125/2—2750;

Deputy Inspector General of Forests.—Rs. 2000—125/2—
2250 plus a special pay of Rs. 300 p.m.

Additional Inspector General of Forests.—Rs. 2500—100—
3000.

Inspector General of Forests.—Rs. 3000—100—3500.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued from time to time.

A probationer will be started on the junior time scale and permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(g) Provident Fund.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955.

(h) Leave.—Officers of the Indian Forest Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955.

(i) Medical Attendance.—Officers of the Indian Forest Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service (Medical Attendance) Rules, 1954.

(j) Retirement Benefits.—Officers of the Indian Forest Service appointed on the basis of Competitive Examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

(*Vide Rule 17*)

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners.]

2. The Government of India, reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1 To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. Walking Test. The male candidates will be required to qualify in walking test of 25 kilometres to be completed in 4 hours and female candidates 14 kilometres to be completed in 4 hours. The arrangement for conducting this test will be made by the Inspector General of Forests, Govt. of India so as to synchronise with the sittings of the Medical Board.

3. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) The Minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows:

Height	Chest (fully expanded)	Expansion
163 cms.	84 cms.	5 cms. (for men)
150 cms.	79 cms.	5 cms. (for women.)

The following minimum height standards may be allowed in the case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Nepalese, Assamese, Meghalaya, Tribal, Ladakhese, Sikkimese, Bhutanese, Garhwali, Kumaonis, Nagas and Arunachal Pradesh candidates, whose average height is distinctly lower :—

Men 152.5 Cms.

Women 145.0 Cms.

4. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttock, and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

5. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

6. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

7. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded—

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of

any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye-lids or contiguous structures of such a sort as render, likely at a future date to render him unfit for service.

- (ii) **Visual Acuity.**—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The Indian Forest Service is a technical service.

The standards for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected Vision)	Worse eye (Corrected Vision)	Better eye (Corrected Vision)	Worse eye (Corrected Vision)
6/6	6/12 or 6/9	J. I.	J. II.

NOTE :—

(i) **Fundus Examination.**—In every case of Myopia Fundus Examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

The total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed -4.00D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

Provided that in case a candidate is found unfit on ground of high myopia, the matter shall be referred to a special board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfills the visual requirements otherwise.

(2) **Colour Vision.**—(i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower Grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Grade of Colour Perception
1 Distant between the lamp and candidate	16 feet
2 Size of perture	1.3 mm
3. Time of exposure	5 sec.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates shown in good light and suitable lantern like Ediige Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

(3) **Field of vision.**—The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(4) **Night Blindness.**—Night Blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough test, e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

(5) **Ocular conditions other than visual acuity.**—(a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) **Trachoma.**—Trachoma, unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) **Squint.**—As the presence of binocular vision is essential squint even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.

(d) **One-eyed persons.**—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

8 Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows—

(i) With young subjects 15—25 years of age of average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 144 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic-examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's

side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sound will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level, they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent gap' may cause error in reading).

9. The urine (Passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standards of medical fitness required they may pass the candidate "fit" subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

10. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

11. The following additional points should be observed—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist: provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard—

(1) Marked or Total deafness in one ear, other ear being normal

Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.

(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.

(3) Perforation of tympan membrane of central or marginal type.

(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present Temporarily unfit.

Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.

(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.

(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.

(4) Ears with Mastoid cavity abnormal hearing on one side/on both sides.

(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.

(ii) Mastoid cavity of both sides, Unfit for technical job. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.

(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.

Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.

(6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without body deformities of nasal septum.

(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.

(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx

(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit

(8) Benign or locally malignant tumours of the ENT.

(i) Benign tumours—Temporarily unfit.

(ii) Malignant Tumours Unfit

(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.
(10) Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If not interfering with functions—Fit (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit.
	(b) that his/her speech is without impediment;
	(c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
	(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
	(e) that there is no evidence of any abdominal disease;
	(f) that he is not ruptured;
	(g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicose veins or piles;
	(h) that his limbs, hand and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
	(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
	(j) that there is no congenital malformation or defect;
	(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
	(l) that he bears marks of efficient vaccination; and
	(m) that he is free from communicable disease.

12. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere in the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board special or standing appointed to determine their fitness for the above services. If, however, Government are satisfied on the evidence, produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a Second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by a treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidate who are to be declared Temporarily Unfit, the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the Maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical examination and must sign the Declara-

tion appended thereto. This attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)
2. State your age and birth place.....
(a) Do you belong to Scheduled Tribes or to races such as Gorkhas, Nepalese, Assamese, Meghalaya Tribals, Ladhakhes, Sikkimese, Bhutanese, Garwalias, Kumaonis, Nagas and Arunachal Pradesh, whose average height is distinctly lower ? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the tribe/race
3. (a) Have you ever had small-pox intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands splitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism appendicitis.
or
(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?
4. When were you last vaccinated ?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause ?
6. Furnish the following particulars concerning your family:

Father's age	Father's age	No. of brothers	No. of brothers dead,
if living and at death and state of health	cause of death	living their ages and state of health	their ages at and cause of death

Mother's age	Mother's age	No. of sisters	No. of sisters dead,
if living and at death and state of health	cause of death	living their ages and state of health	their ages at and cause of death

7. Have you been examined by a Medical Board before ?
8. If answer to the above, is Yes please state what Service/Services you were examined for ?
9. Who was the examining authority ?
10. When and where was the Medical Board held ?
11. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Signed in my presence.

Candidate's Signature

Signature of the Chairman of the Board.

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and if appointed of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or gratuity.

(b) Report of Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General development; : Good	Fair
Poor	
Nutrition	Thin
Height (Without shoes)	Average
Best Weight	Obese
When ?	Weight
in weight ?	
Temperature	

2. Girth of Chest.

- (1) (After full inspiration)
- (2) (After full expiration)

Skin : Any obvious disease

3. Eyes :

- (1) Any disease
- (2) Night blindness
- (3) Defect in colour vision
- (4) Field of vision
- (5) Visual acuity

(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses Sph. Cyl. Axis
------------------	-----------	--------------	------------------------------------

Distant vision

R.E.
L.E.

Near Vision

R.E.
L.E.

Hypermetropia

(Manifest)
R.E.
L.E.

4. Ears : Inspection

Hearing : Right Ear

Left Ear

5. Glands

Thyroid

Condition of teeth

7. Respiratory System : Does physical examination reveal any thing abnormal in the respiratory organs ?

If, yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesions ?

Rate Standing

After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic

Diastolic

9. Abdomen : Girth

Tenderness

Hernia

(a) Palpable

Liver

Kidneys

Tumours

(b) Haemorrhoids

Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental disability.....

11. Loco-Motor System : Any Abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele Varicocele etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the Indian Forest Service ?

NOTE.—In case of a female candidate; if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 10.

15. Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of duties in the Indian Forest Service.

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories ?

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

Place

Date

Chairman.....

Member.....

Member.....

